शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 181 | गुवाहाटी | मंगलवार, 30 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एलएसी के अग्रिम इलाकों तक संचार तंत्र मजबूत करने पर फोकस : सेना प्रमुख पेज 2

पूसीरे की ट्रेनों पर पथराव और चोरी मामले में 16 लोग गिरफ्तार पेज 3

जनता ने अशोक गहलोत को प्यासे कंठों पर राजनीति करने की सजा दी : शेखावत पेज 5

यानिक सिनर ने रचा इतिहास, 10 साल बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन को पुरुष एकल... पेज 7

सीएए हफ्ते भर में लागू होगा : केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर

कोलकाता (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने सोमवार को दावा किया कि संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) एक सप्ताह के भीतर देश में लागू कर दिया जाएगा। एक समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार के दौरान पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के मतुआ समुदाय की बहुलता वाले क्षेत्र बनगांव से भाजपा सांसद ठाकुर ने कहा कि इस कानून को सात दिनों के भीतर तेजी से कार्यान्वित किया जाएगा। वर्ष 2019 में केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लाए गए सीएए का उद्देश्य 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत में बसे बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों सहित प्रताड़ना झेल चुके गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है। मतुआ समुदाय के नेता ठाकुर ने कहा कि सीएए बहुत जल्द लागू किया जाएगा। इसे सात दिनों के भीतर लागू किया जाएगा। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग राज्य मंत्री ठाकुर ने रविवार -शेष पृष्ठ दो पर

वोटों की खातिर भाजपा ने फिर से शुरू किया सीएए का रोना : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव करीब आते ही पार्टी ने वोटों की खातिर फिर से *सीएए-सीएए* रोना शुरू कर दिया है। सोमवार को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में एक सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा कि हमने एनआरसी के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। राजबंशी भारत के नागरिक हैं। उन्होंने वोट के लिए फिर से सीएए, सीएए चिल्लाना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि कृपया अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करायें। ताकि दिल्ली को आपको राज्य से बाहर करने का मौका न मिल सके। बनर्जी की यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर के रविवार को उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) एक सप्ताह में पूरे देश में लागू किया जाएगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सभी कॉलोनियों को *स्थायी पते* के रूप में स्वीकार किया है और विभिन्न राज्य सरकार के लाभों का लाभ पाने वाले सभी निवासी देश के नागरिक हैं। आप सभी नागरिक हैं। हमने सभी कॉलोनियों को स्थायी पते दे दिए हैं। उन्हें राशन मिलता है, स्कूल जाते हैं, छात्रवृत्ति मिलती है, किसान बंधु, शिक्षाश्री, ओइकोश्री, लक्ष्मीर भंडार मिलते हैं। यदि वे नागरिक नहीं होते तो उन्हें ये लाभ कैसे मिल सकते थे? यदि वे नागरिक नहीं होते तो क्या वे वोट -शेष पृष्ठ दो पर

असम : सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, आईएलपी की मांग

गुवाहाटी। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर मुद्दा गरमाने के बावजूद आज असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद (एजेवाईसीपी) द्वारा गुवाहाटी के ससल में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया गया। असम छात्र संगठन ने आज विरोध का बैनर उठाया और घोषणा की कि वे किसी भी परिस्थिति में राज्य में सीएए को स्वीकार नहीं करेंगे। एजेवाईसीपी के सैकड़ों सदस्यों ने चचल में कार्यक्रम स्थल पर विरोध प्रदर्शन किया और घोषणा की कि अगर कानून रद्द नहीं किया गया तो पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने विशेष रूप से असम में सीएए लागू करने की मांग की। केंद्र को राज्य में इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लागू करना चाहिए। एजेवाईसीपी के अध्यक्ष पलाश चांगमई ने कहा है कि असम में सीएए को किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। चांगमाई ने कहा कि सीएए को लेकर एजेवाईसीपी का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। हम अपने रुख से हटने वाले नहीं हैं। हम सीएए को असम में लागू नहीं होने देंगे। इसके बजाय हम चाहते हैं कि असम में आईएलपी को बिना देरी किए लागू किया जाए। केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर द्वारा पश्चिम बंगाल में यह घोषणा -शेष पृष्ठ दो पर

15 राज्यों की 56 रास सीटों पर चुनाव 27 फरवरी को

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने एलान किया है कि राज्यसभा की 56 सीटों के लिए मतदान 27 फरवरी को होगा। 15 राज्यों की 56 सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव होना है। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को यह जानकारी दी। आयोग ने बताया कि 50 सदस्य दो अप्रैल को सेवानिवृत्त होंगे, जबकि छह सदस्य तीन अप्रैल को सेवानिवृत्त होंगे। जिन राज्यों से सदस्य सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उनमें आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और राजस्थान शामिल हैं। चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार, आंध्र प्रदेश की तीन -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा (स्वा.) में पुलिस जासूस भेजने का दावा गलत, निर्दोषों को सजा न दें : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने म्यांमार स्थित प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (अल्फा) स्वाधीन (स्वा) के कैंप में पुलिस जासूस भेजने के दावों को खारिज करते हुए अल्फा (स्वा) प्रमुख से निर्दोषों को सजा न देने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि असम पुलिस द्वारा म्यांमार स्थित अल्फा (स्वा) शिविर में कोई जासूस नहीं भेजा गया है। उन्होंने कहा कि मानस बरगोहाई असम पुलिस का हिस्सा नहीं हैं। बरगोहाई ने खुद बयान दिया है कि वह *जेस्ट* नामक संस्थान में पढ़ रहा था। यहां तक कि हमने क्रॉस-चेक किया है और पता चला है कि वह एक डिप्लोमा है। इंजीनियर है और सब -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार अल्फा-स्वा शिविर में जासूस नहीं भेजा : असम पुलिस

गुवाहाटी (हि.स.)। म्यांमार में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन अल्फा-स्वा के कैंप में कोई भी जासूस भेजने से इनकार किया है। असम पुलिस ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने मानस बरगोहाई नामक किसी व्यक्ति को अल्फा-स्वा के शिविर में नहीं भेजा। पुलिस ने कहा कि विभाग ने 2021 में मानस बरगोहाई नामक किसी व्यक्ति को पुलिस की विशेष शाखा में भर्ती भी नहीं किया। असम पुलिस का यह बयान अल्फा-स्वा द्वारा आज जासूसी के संदेह वाले अपने एक कैडर का बयान वाला वीडियो जारी करने के जवाब में आया है। ज्ञात हो कि यूट्यूब पर साझा किए गए एक वीडियो में अल्फा-स्वा नेताओं को संगठन के संविधान का *उल्लंघन* करने के लिए मानस बरगोहाई उर्फ मुकुट असम की गिरफ्तारी की घोषणा करते हुए दिखाया गया है। अपनी गिरफ्तारी के बाद, मुकुट असम ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से आरोप लगाया कि उसे असम पुलिस के अधिकारियों ने अल्फा-स्वा की जासूसी करने के लिए भेजा था। उन्होंने 2021 से असम पुलिस की विशेष शाखा के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल न्याय यात्रा जहां से गुजर रही है, पार्टी वहां हार रही है : हिमंत

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि अपनी राजनीतिक जीवन में पहली बार एक ऐसी *न्याय यात्रा* देख रहा हूं, जो जिन जगहों से जा रही है पार्टी वहां हार रही है और पार्टी के कार्यकर्ता भी उनकी विचारधारा त्याग कर भारतीय जनता पार्टी से जुड़ रहे हैं। भाजपा नेता ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर पोस्ट कर यह भी दावा किया कि राहुल गांधी जहां से भी गुजरते हैं, वहां कांग्रेस अपना जनाधार खो देती है। दरअसल, शर्मा ने राहुल गांधी पर इसलिए तंज कहा है, क्योंकि असम में आसू यानी ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन और कांग्रेस के 150 से ज्यादा नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया है। फिलहाल, कांग्रेस की यात्रा तृणमूल कांग्रेस शासित पश्चिम बंगाल में है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही लोकसभा चुनाव 2024 अकेले लड़ने का एलान कर चुकी हैं। इससे पहले, रविवार को सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने राहुल गांधी को भाजपा के लिए *सबसे बड़ा स्टार प्रचारक* बताया था। शर्मा ने डिब्रूगढ़ में एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा कि राहुल गांधी जहां से भी गुजरते हैं, वहां से कांग्रेस खत्म हो जाती है। वह निरुत्साही, अहंकारी हैं और उनमें नेतृत्व का कोई गुण नहीं है। राहुल पर हमले जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि उनके कदम भाजपा के लिए हमेशा सकारात्मक साबित होते हैं। वह भाजपा के लिए सबसे बड़े स्टार प्रचारक हैं। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब राहुल के नेतृत्व में *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* 18 से 25 जनवरी तक असम से गुजरी -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में फर्जी प्रमाण पत्र : एससी ने एचसी से मामला किया ट्रांसफर

कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में फर्जी सर्टिफिकेट से संबंधित मामले को कलकत्ता हाई कोर्ट से अपने पास स्थानांतरित किया। एक रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने सभी संबंधित पक्षों को इस बीच अपनी दलीलें पूरी करने का निर्देश दिया हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को कलकत्ता हाई कोर्ट की दो पीठों के समक्ष सभी कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। दरअसल, पश्चिम बंगाल में फर्जी प्रमाण पत्र के मामले पर कलकत्ता हाईकोर्ट के दो जजों के बीच लड़ाई छिड़ गई जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ा। -शेष पृष्ठ दो पर

सिमी पर पांच सालों के लिए बढ़ाया गया प्रतिबंध

नई दिल्ली। स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया के खिलाफ भारत सरकार ने कड़ा एक्शन लिया है। गृह मंत्रालय ने आज (29 जनवरी) यूएपीए के तहत पांच सालों की अवधि के लिए इस संगठन को *गैरकानूनी संघ* करार दिया है। बता दें कि यह एक प्रतिबंधित संगठन है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण को मजबूत करते हुए, सिमी को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत पांच साल की अवधि के लिए *गैरकानूनी संघ* घोषित किया गया है। अमित शाह ने कहा कि सिमी को भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता को खतरे में डालने के लिए आतंकवाद को बढ़ावा देने, शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने में शामिल पाया गया है। एक अधिसूचना मे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि सिमी अपनी विध्वंसक गतिविधियों को जारी रख रहा है और अपने कार्यकर्ताओं को फिर से संगठित कर रहा है जो अभी भी फरार हैं। यह संगठन साम्प्रदायिकता, वैमनस्य पैदा करके, राष्ट्र-विरोधी -शेष पृष्ठ दो पर

बैरकपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं की सोमवार को झड़प हो गई। कार्यकर्ता पुलिस आयुक्तालय की ओर मार्च कर रहे थे। उनका आरोप है कि इलाके में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मार्च में पांच से ज्यादा प्रदर्शनकारी शामिल थे। उन्होंने *भारत माता की जय* और *ममता बनर्जी हाय-हाय* के नारे लगाए। इसके बाद चिरिया मोड़-बीटी रोड चौराहे पर दो पुलिस अवरोधकों (बैरीकेड) को तोड़े। फिर पुलिस को भीड़ को -शेष पृष्ठ दो पर

हनुमान जी के झंडे को लेकर तनाव धारा 144 लागू

बेंगलुरु। कर्नाटक के मांड्या जिले के केरागोडु गांव में उस समय तनाव बढ़ गया, जब अधिकारियों ने हनुमान जी के झंडे को हटाने का निर्देश दिया। इसके बाद पूरे गांव में विरोध प्रदर्शन होने लगा और पुलिस बल की लोगों के साथ टक्कर हो गई। इस बीच गांव में धारा 144 भी लागू कर दी गई। दरअसल, हुआ ऐसा कि बीते दिन कुछ युवकों ने 108 फीट ऊंचे पोल पर हनुमान जी का झंडा लगा दिया। उन युवकों के अनुसार, इसकी अनुमति उन्हें ग्राम पंचायत से मिली हुई थी, लेकिन बावजूद इसके दूसरे ग्रुप के कुछ -शेष पृष्ठ दो पर

बीटिंग रिट्रीट के दौरान भारतीय धुनों से गूंज उठा राजसी रायसीना हिल्स

नई दिल्ली (हि.स.)। देश के 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के समापन के प्रतीक *बीटिंग रिट्रीट* समारोह के दौरान सोमवार को राजसी रायसीना हिल्स सूरज डूबने के साथ भारतीय धुनों का गवाह बना। समारोह में तीनों सेनाओं और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के संगीत बैंडों ने दर्शकों के सामने 31 मनमोहक और थिरकने वाली भारतीय धुनें बजाईं। समारोह के अंत में राष्ट्रपति भवन, नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। सशस्त्र बलों की सुप्रीम कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, -शेष पृष्ठ दो पर

बलूचिस्तान मांग रहा आजादी : पीएम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पहली बार किसी भी राजनीतिक नेता ने कबूल किया है कि बलूचिस्तान के लोग आजादी मांग रहे हैं। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान के लोग न केवल पाकिस्तान से असंतुष्ट हैं, बल्कि एक स्वतंत्र राज्य की मांग कर रहे हैं। ऐसा इतिहास में पहली बार हुआ है पाकिस्तान में किसी नेता ने बलूचिस्तान की मांग पर यह सच कबूल किया है। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान में असंतोष की जड़ एक अलग बलूच पहचान है। हालांकि, ये इस बात को पिछले पाकिस्तानी प्रशासनों ने कभी स्वीकार नहीं किया था। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाक कार्यवाहक प्रधानमंत्री का यह बयान पिछली पाकिस्तानी सरकारों के एक अलग दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो बलूचिस्तान स्वतंत्रता आंदोलन को अल्पसंख्यकों की चिंता को दिखाता है। इससे पहले सभी नेता आजादी की मांग को कभी स्वीकारते नहीं थे। बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, काकर ने एक साक्षात्कार में बलूचिस्तान में जबरन गायब हो रहे लोगों के जटिल मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। पाक पीएम ने इन मामलों को सुलझाने में आने वाली चुनौतियों को पहचाना और लापता व्यक्तियों की वापसी पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर भी जोर दिया। बलूचिस्तान के पश्तून बेल्ट से आने वाले कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में काकर का -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
आलसी का न वर्तमान होता है, न भविष्य।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एलएसी के अग्रिम इलाकों तक संचार तंत्र मजबूत करने पर फोकस : सेना प्रमुख

नई दिल्ली (हि.स.)। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने सोमवार को कहा कि पिछले एक साल में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच कोई और टकराव वाला क्षेत्र नहीं रहा है। इसके बावजूद दोनों देशों की सेनाओं के बीच स्थिति स्थिर लेकिन *संवेदनशील* बनी हुई है। एलएसी के अग्रिम इलाकों में तैनात सैनिकों तक पहुंचने के लिए रणनीतिक सड़क बनाने, संचार तंत्र मजबूत करने के लिए 5जी इंटरनेट उपलब्ध कराने और बिजली आपूर्ति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अग्रिम इलाकों में तैनात *मेड इन इंडिया* हथियार प्रणाली पर भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने एक साक्षात्कार में कहा कि हमारे पास विभिन्न प्रकार के ड्रोन और यूएवी भी हैं। हम क्वांटम कंप्यूटिंग परीक्षणों के अंतिम चरण में हैं। इसके बाद हमारे पास क्वांटम कंप्यूटिंग एन्क्रिप्शन और प्रौद्योगिकी के माध्यम से बेहतर सुरक्षित संचार होगा। उन्होंने दोहराया कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति स्थिर *लेकिन संवेदनशील* बनी हुई है लेकिन पिछले एक साल में भारत और चीन के बीच कोई और टकराव वाला क्षेत्र नहीं रहा है। जनरल पांडे ने कहा कि भारत चीन के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है, जो जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश राज्यों से होकर गुजरती है। सेना प्रमुख ने कहा कि अप्रैल, 2020 से अब तक कोर कमांडर स्तर की कुल 20 बैठकें और चीन-भारत सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र की 14 बैठकें हुई हैं। गतिरोध का समाधान करने के लिए राजनयिक और सैन्य स्तर पर वार्ता के माध्यम से प्रयास जारी रहेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन वार्ताओं के माध्यम से हम एक समाधान निकाल लेंगे। उन्होंने कहा कि मई, 2020 में जब चीनी सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर यथास्थिति को आक्रामक रूप से बदलने की कोशिश की। इसके बाद जून, 2020 में गलवान झड़प के बाद पेट्रोलिंग पॉइंट 15 नए टकराव बिंदु के रूप में उभरा। इसके बाद यहां पर दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी सेनाओं को तैनात किया है। उत्तरी सीमा पर सेना की तैयारियों के बारे में जानकारी देते हुए जनरल पांडे ने कहा कि हमारी तैनाती मजबूत और संतुलित बनी हुई है और हम किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने में सक्षम होने के लिए पर्याप्त भंडार भी बनाए हुए हैं। सेना प्रमुख ने कहा कि हम इन क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी, आधुनिकीकरण, हमारे संरक्षित वाहनों, निगरानी ड्रोन, बेहतर संचार रेडियो सेट आदि जैसी बेहतर प्रणालियों को शामिल करने के संदर्भ में अपनी क्षमता विकास पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। साथ ही हमारा प्रयास और फोकस बुनियादी ढांचे के विकास पर है। उन्होंने कहा कि एलएसी के अग्रिम इलाकों में तैनात सैनिकों तक पहुंच आसान बनाने के लिए रणनीतिक सड़क निर्माण, संचार तंत्र मजबूत करने के लिए 5जी इंटरनेट उपलब्ध कराने और बिजली आपूर्ति पर फोकस कर रहे हैं।

मैं बिस्तर पर जाने के 30 सेकेंड के भीतर सो जाता हूं : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वह बिस्तर पर जाने के 30 सेकेंड के भीतर सो जाते हैं। उन्होंने छात्रों को *स्क्रीन टाइम* के प्रति आगाह किया, जिससे नींद में खलल पड़ती है। भारत मंडपम में *परीक्षा पे चर्चा* के सातवें संस्करण के दौरान छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि स्क्रीन टाइम नींद के समय को खा जाता है। उन्होंने कहा कि संतुलित जीवनशैली बनाए रखने के लिए हर चीज की अधिकता से बचना चाहिए। स्वस्थ दिमाग के लिए एक स्वस्थ शरीर महत्वपूर्ण है और इसके लिए कुछ दिनचर्या, सूरज की रोशनी में समय बिताना और नियमित और पूरी नींद लेना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्क्रीन टाइम जैसी आदतें आवश्यक नींद के समय को खा रही हैं, जिसे आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान द्वारा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। स्क्रीन टाइम शब्द आम तौर पर उस समय को संदर्भित करता है, जो कोई व्यक्ति मोबाइल और टेलीविजन के स्क्रीन का उपयोग करके बिताता है। मोदी ने कहा कि मैं बिस्तर पर जाने के 30 सेकेंड के भीतर गहरी नींद में जाने की दिनचर्या बनाए रखी है। जागते समय पूरी तरह जागना और सोते समय गहरी नींद लेना एक संतुलन है, जिसे हासिल किया जा सकता है। परीक्षा की तैयारी और स्वस्थ जीवनशैली के बीच संतुलन बनाने का मुद्दा उठाते हुए राजस्थान के सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र धीरज सुभाष, कारगिल के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय की नजमा खातून, अभिषेक कुमार तिवारी और अरुणाचल प्रदेश के सरकारी उच्चतर माध्यमिक के शिक्षक टोबी लाहमे ने प्रधानमंत्री से व्यायाम के साथ पढ़ाई के प्रबंधन के बारे में पूछा।

बर्मीज सुपारी जब्त

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने बर्मीज सुपारी जब्त की है। जिले के गुमरा क्षेत्र में अवैध बर्मीज सुपारी के परिवहन के खिलाफ विशेष अभियान के संचालन के दौरान एक वाहन (एक्सप्रेसो), जिसका पंजीकरण संख्या एएस-11एए-6037 है, को 06 बैग संदिग्ध बर्मीज सुपारी के साथ पकड़ा गया। ये संदिग्ध बैग कलाइनचेरा चाय बगान में जब्त किए गए। कानूनी औपचारिकताएं जारी हैं।

सड़क पर धू-धू कर जलने लगा तेल टैंकर

कछार (हिंस)। आज दोपहर लगभग 3 बजे जिला मुख्यालय सिलचर के चिरुवांदी पॉइंट पर इंडियन ऑयल के पेट्रोल से भरे एक 6 पहिया तेल टैंकर (एमजेड-01पी-0010) के केबिन में अचानक आग लग गई। टैंकर मोहनारबंद से तेल पहुंचाने के लिए सिलचर बोरकालेगा में एक फिलिंग स्टेशन जा रहा था। सूचना मिलते ही फायर एसटीएम स्टाफ सिलचर की मदद से आग पर काबू पा लिया गया है। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

यूजीसी के नए ड्राफ्ट को लेकर भाजपा पर बरसे राहुल गांधी

पटना। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा बिहार में दाखिल हो चुकी है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकलने के बाद से राहुल गांधी भाजपा पर लगातार हमलावर हैं। अपनी यात्रा के दौरान राहुल ने कई मुद्दों पर भाजपा को घेरा है। इसी बीच, अब राहुल ने शिक्षण संस्थानों में आरक्षण का मुद्दा उठाकर भाजपा-आरएसएस पर हमला बोला है। भाजपा पर अपने आरोपों में राहुल ने कहा कि यूजीसी का मसौदा दिशानिर्देश उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों को मिलने वाले आरक्षण को खत्म करने की साजिश है। बता दें, कल विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने उच्च शिक्षा संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों को डी-आरक्षित करने को सुझाव दिया गया था। हालांकि बाद में इसपर सफाई भी आई। राहुल गांधी ने यूजीसी के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरते हुए एक ट्वीट किया। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि यूजीसी के नए मसौदे में उच्च शिक्षा संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को खत्म करने की साजिश हो रही है। आज 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में लगभग 7,000 आरक्षित पदों में से 3,000 रिक्त हैं, और जिनमें सिर्फ 7.1 प्रतिशत दलित, 1.6 प्रतिशत आदिवासी और 4.5 प्रतिशत पिछड़े वर्ग के प्रोफेसर हैं। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि आरक्षण की समीक्षा तक की बात कर चुकी भाजपा-आरएसएस अब ऐसे उच्च शिक्षा संस्थानों में से वंचित वर्ग के हिस्से की नौकरियां छीनना चाहती है। यह सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष करने वाले नायकों के सपनों की हत्या और वंचित वर्गों की भागीदारी खत्म करने का प्रयास है। राहुल गांधी ने कहा कि यही *सांकेतिक राजनीति* और *वास्तविक न्याय* के बीच का फर्क है और यही भाजपा का चरित्र है। राहुल ने आगे कहा कि कांग्रेस ये कभी होने नहीं देगी। हम सामाजिक न्याय के लिए लड़ते रहेंगे और इन रिक्त पदों की पूर्ति आरक्षित वर्गों के योग्य उम्मीदवारों से ही कराएंगे। दरअसल, यूजीसी के एक मसौदा दिशानिर्देश में प्रस्ताव किया दिया गया था कि अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) या अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित रिक्तियां इन श्रेणियों के पर्याप्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में अनारक्षित घोषित की जा सकती हैं। इस पर विवाद खड़ा होने के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को स्पष्ट किया कि एक भी आरक्षित पद अनारक्षित नहीं किया जाएगा।अधिकारियों ने कहा कि ये केवल *मसौदा दिशानिर्देश* थे। प्राप्त फीडबैक को ध्यान में रखते हुए अंतिम संस्करण में काफी बदलाव देखने को मिलेंगे।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में मणिपुर पुलिस, मणिपुर राइफल्स तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों के संयुक्त अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार राज्य के इम्फाल पश्चिम जिले के ओइनाम सॉओम्बुंग से लिलोंग अटौखोंग क्षेत्र तक चलाए गए अभियान में सुरक्षा बलों ने एक 51 मिमी मोर्टार शेल, मैगजीन के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, 12 राउंड 9 मिमी के राउंड, तीन 36 एचई हैंड ग्रेनेड बिना डेटोनेटर के, पांच 2 इंच मोर्टार शेल, पांच 81 मिमी मोर्टार शेल तथा एक केनवुड वायरलेस सेट बैटरी के साथ बरामद किया गया। सुरक्षा बलों का अभियान जारी है।

कृष्ण जन्मभूमि मामले में ईदगाह कॉम्प्लेक्स के सर्वे पर रोक जारी रहेगी : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा और इसके बगल में बनी ईदगाह को लेकर जारी भूमि विवाद पर अहम फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को कहा कि फिलहाल ईदगाह कॉम्प्लेक्स के सर्वे पर लगी रोक यानी स्टे ऑर्डर प्रभावी रहेगा। अदालत में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को निरस्त करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कमेटी ऑफ मैनेजमेंट ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह की तरफ से दायर याचिका पर आगे की सुनवाई अप्रैल के पहले हफ्ते में होगी। मथुरा के बहुचर्चित श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद पर सुनवाई कर रही सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि हाईकोर्ट की तरफ से पारित अंतरिम आदेश जहां भी दिए गए हैं, शीर्ष अदालत का अंतिम फैसला आने तक वही प्रभावी रहेंगे। अप्रैल, 2024 में मामले को फिर से सूचीबद्ध करने का निर्देश देते हुए अदालत ने मुकदमे में शामिल सभी पक्षों को अगले लगभग तीन महीने में दलीलें पूरी करने का निर्देश भी दिया। शीर्ष अदालत ने साफ किया कि मथुरा कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से जुड़ी सभी याचिकाओं पर अप्रैल में एक साथ सुनवाई होगी। बता दें कि विगत 16 जनवरी को पारित आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई थी। हाईकोर्ट ने 14 दिसंबर, 2023 को पारित आदेश में कहा था कि कोर्ट की निगरानी में शाही ईदगाह मस्जिद कॉम्प्लेक्स का सर्वे कराया जाए। सर्वे की निगरानी के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किए जाने पर भी रोक लगाई गई है। मुकदमे से जुड़े हिंदू पक्षकारों की दलील है कि मस्जिद परिसर में कई ऐसे चिह्न मौजूद हैं, जिनसे प्रमाणित होता है कि इतिहास में यह मंदिर था। स्टे ऑर्डर जारी रखने के आदेश के अलावा सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि हाईकोर्ट में लंबित टाइटल सूट पर सुनवाई जारी रहेगी। कोर्ट ने कहा कि सिविल प्रोसीजर कोड (सीपीसी) के ऑर्डर 7 नियम 11 के तहत हाईकोर्ट में भूमि विवाद पर सुनवाई जारी रहेगी। कोर्ट ने हिंदू पक्षकारों से कहा है कि मस्जिद समिति की तरफ से दायर याचिका पर जवाब दाखिल करें। गौरतलब है कि मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह मस्जिद परिसर को लेकर भूमि विवाद लंबे समय से जारी है। उत्तर प्रदेश में अयोध्या की राम जन्मभूमि मंदिर की तर्ज पर ही मथुरा में भी अलग और भव्य मंदिर बनाने की मांग हो रही है। जमीन के मालिकाना हक को लेकर जारी मुकदमे में अहम मोड़ उस समय आया जब अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण की मांग होने लगी। ईदगाह कॉम्प्लेक्स का सर्वे कराने के लिए, पहले याचिकाकर्ताओं ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट के आदेश के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया।

पृष्ठ एक का शेष

सीएए हफ्ते भर...

को भी इसी तरह की टिप्पणी की थी। उन्होंने दावा किया कि इस साल लोकसभा चुनाव से पहले देश में सीएए लागू कर दिया जाएगा। राज्य की अनुसूचित जाति की आबादी में मतुआ समुदाय का एक बड़ा हिस्सा है। 1950 के दशक से यह समुदाय मुख्य रूप से तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में धार्मिक उत्पीड़न के कारण पश्चिम बंगाल की ओर पलायन कर गया था। नब्बे के दशक के बाद से पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दलों ने सक्रिय रूप से मतुआ समुदाय के लोगों का समर्थन हासिल करने की कोशिश की जो अपनी उल्लेखनीय आबादी और एक साथ मतदान करने की प्रवृत्ति के कारण अल्पसंख्यकों के समान एक अहम वोट बैंक माने जाते हैं। माना जा रहा है कि सीएए लागू होने से सबसे ज्यादा फायदा मतुआ समुदाय को होगा। सीएए के कार्यान्वयन पर ठाकुर का दावा इस महीने की उन कई रिपोर्ट के बीच आया है जिसमें कहा गया है कि कानून के नियमों को लोकसभा चुनाव की घोषणा से काफी पहले अधिसूचित किया जाएगा। उनकी टिप्पणी पर राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया आई जिसमें सीएए का पुरजोर विरोध करते हुए इसे विभाजनकारी करार दिया। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि हमारी पार्टी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पश्चिम बंगाल में सीएए लागू नहीं किया जाएगा। भाजपा नेता लोकसभा चुनाव से पहले इस तरह के झूठे वादे करके राजनीतिक नौटंकी करने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले महीने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोहराया था कि सीएए का कार्यान्वयन अपरिहार्य है क्योंकि यह देश का कानून है।

वोटों की खातिर ...

डालने में सक्षम होते? पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने साथ ही कहा कि वह किसी विशेष भगवान की पूजा करने के भाजपा के किसी भी आदेश का पालन नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि मैं रामायण, कुरान, बाइबिल और गुरु ग्रंथ साहिब का अनुसरण करती हूं...मैं गरीब लोगों के घर जाने के बाद बाहर से आया खाना खाकर नाटक नहीं करती। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बीएसएफ से पहचान पत्र स्वीकार नहीं करने की चेतावनी देते हुए आरोप लगाया कि इससे वे एनआरसी के दायरे में आ सकते। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए सीएए का उद्देश्य सताए गए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है - जिनमें हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई शामिल हैं - जो बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से चले गए और पहले भारत आए।31 दिसंबर 2014. दिसंबर 2019 में संसद द्वारा सीएए के पारित होने और उसके बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद, देश के विभिन्न हिस्सों में महत्वपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

असम : सीएए के ...

करने के बाद से ही सीएए को लेकर मामला गरमा गया है कि इस विवादास्पद कानून को सात दिनों की अवधि में लागू किया जाएगा। इस बीच चांगमई ने केंद्रीय मंत्री के बयान को असंवैधानिक बताया। यह पूरी तरह से असंवैधानिक बयान है। मामला देश की शीर्ष अदालत में विचाराधीन है। अभी तक केंद्र सरकार कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश नहीं कर पाई है। इसके बाद ही कोर्ट कोई फैसला लेगा। चांगमई ने कहा कि सभी पक्षों को सुना है। अभी तक सुनवाई नहीं हुई है। सार्वजनिक सभाओं में इस तरह के बयान देना असंवैधानिक बात है। सीएए, जिसे 2020 में भारतीय संसद द्वारा पारित किया गया था, 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत में प्रवेश करने वाले अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के गैर-मुसलमानों को नागरिकता प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इस अधिनियम का उद्देश्य विशेष रूप से हिंदुओं, सिखों, बौद्धों की सहायता करना है। जैन, पारसी और ईसाई जिन्हें अपने मूल देशों में धार्मिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। सीएए को लेकर विवाद के बावजूद, आलोचकों का तर्क है कि यह एक धर्मनिरपेक्ष देश में नागरिकता को आस्था से जोड़ता है, सरकार ने संकेत दिया है कि सीएए के लिए नियम मार्च 2024 तक तैयार किए जाएंगे।

15 राज्यों की 56 ...

राज्यसभा सीटों, बिहार में छह सीटों, छत्तीसगढ़ में एक सीट पर, गुजरात में चार सीटों, हरियाणा में एक सीट पर, हिमाचल प्रदेश में एक सीट पर, कर्नाटक में चार सीटों, मध्य प्रदेश में पांच सीटों, महाराष्ट्र में छह सीटों, तेलंगाना में तीन सीटों, उत्तर प्रदेश में 10 सीटों, उत्तराखंड में एक सीट पर, पश्चिम बंगाल में पांच सीटों, ओडिशा में तीन सीटों और राजस्थान में तीन सीटों पर चुनाव होने हैं। जिन राज्यसभा सांसदों का कार्यकाल इस साल समाप्त हो रहा है, उनमें अश्विनी वैष्णव, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया और पूर्व पीएम मनमोहन सिंह आदि का नाम शामिल है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल भी इसी साल खत्म हो रहा है। जेपी नड्डा अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। अब जेपी नड्डा को हिमाचल प्रदेश से अलग किसी अन्य राज्य से चुनाव लड़ना होगा क्योंकि वहां भाजपा आंकड़ों में कांग्रेस से पिछड़ गई है।

अल्फा (स्वा.) में पुलिस ...

इंस्पेक्टर (एसआई) बनने के लिए एक परीक्षा देनी होती है जो उसने नहीं दी है। इसलिए मुझे लगता है कि यह तथ्यात्मक रूप से गलत है और परेश बरुवा को गलतफहमी है। मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया कि लड़के को दंडित न किया जाए। इस संदर्भ में रविवार को असम पुलिस द्वारा भी स्पष्टीकरण दिया गया था कि मानस नाम के किसी भी व्यक्ति को असम पुलिस की विशेष शाखा में भर्ती नहीं किया गया था। नहीं ऐसे किसी व्यक्ति को अल्फा (स्वा) के कैंप में म्यांमार ही भेजा गया था। उल्लेखनीय है कि यू ट्यूब के वीडियो में अल्फा (स्वा) नेताओं द्वारा संगठन के संविधान का उल्लंघन करने के लिए मानस बरगोहाई उर्फ मुकुट असम की गिरफ्तारी की घोषणा करते हुए दिखाया गया है। अपनी गिरफ्तारी के बाद मुकुट ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से आरोप लगाया कि उसे असम पुलिस के अधिकारियों ने अल्फा (स्वा) की जासूसी करने के लिए भेजा था। उन्होंने 2021 से असम पुलिस की विशेष शाखा के साथ अपने काम और अल्फा (स्वा) की गतिविधियों पर नजर रखने के मिशन में अपनी भागीदारी का आरोप लगाया था।

म्यांमार अल्फा-स्वा शिविर...

अपने काम और अल्फा-स्वा की गतिविधियों पर नजर रखने के मिशन में लगाने का आरोप लगाया। कथित जासूस ने वीडियो में कहा कि उसे मानव चालिहा और दिगंबर पांडे द्वारा मिशन का हिस्सा बनाया गया था, जबकि उसे जीपी सिंह, पार्थ सारथी महंत और भास्करज्योति महंत द्वारा मिशन के लिए निर्देशित किया गया था। 2021 में भास्कर ज्योति महंत डीजीपी थे। उसने यह भी आरोप लगाया कि प्रलोभन देकर अन्य युवा पुरुषों और महिलाओं को भी मिशन के लिए भर्ती किया गया। मुकुट असम ने कहा कि उसे मिशन के लिए गुवाहाटी के काहिलीपारा में प्रशिक्षण दिया गया। उसका प्राथमिक प्रशिक्षण बायोमेट्रिक्स पर दिया गया था, यानी किसी भी वातावरण और स्थिति में अल्फा-स्वा द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सिस्टम को कैसे नष्ट किया जाए। मुकुट असम ने मिशन के लिए प्राप्त प्रशिक्षण और उन कार्यों का भी खुलासा किया जिन्हें करने के लिए उन्हें प्रशिक्षित किया गया था, जिसमें अल्फा-स्वा के सिस्टम को नष्ट करना और उन्हें अन्य देशों के सामने नकारात्मक रूप से पेश करना शामिल था। उसने बताया कि वह खुद सहित आठ लोगों की टीम का हिस्सा था, जो इस मिशन पर थे। असम पुलिस ने इन आरोपों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए साफ शब्दों में इनकार कर दिया है।

राहुल न्याय यात्रा ...

और इस दौरान दोनों नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिला। इस बीच, यहां राज्य मुख्यालय पर एक कार्यक्रम में कांग्रेस के कई पूर्व नेता और पूर्व छात्र नेता सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हुए। भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं में पूर्व मंत्री बिस्मिता गोगोई, प्रदेश युवा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष अंगकिता दत्ता, अखिल असम छात्र संघ (आसू) के पूर्व अध्यक्ष दीपांकर नाथ और पूर्व आसू सलाहकार प्रकाश दास हैं। इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका और पार्टी विधायक तथा नेता भी मौजूद रहे।

बंगाल में फर्जी ...

कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने अपने साथी न्यायाधीश सौमेन सेन के खिलाफ *कदाचार* के आरोप लगाए। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने एक विशेष सुनवाई की। पीठ ने कहा कि हम इस पर सोमवार को विचार करेंगे। एक सूत्र ने पीठ के हवाले से कहा, हमने अब कार्यभार संभाल लिया है। न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने न्यायमूर्ति सेन पर पश्चिम बंगाल में एक राजनीतिक नेता के पक्ष में दूसरे न्यायाधीश को डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को नोटिस जारी किया और मामले में पश्चिम बंगाल सरकार से जवाब मांगा है। साथ ही कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष कथित फर्जी जाति प्रमाणपत्र घोटाले के संबंध में याचिका पर याचिकाकर्ता को भी नोटिस जारी किया है।

सिमी पर पांच ...

गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश में जुटी है। कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा था कि यह संगठन देश में इस्लामिक जिहाद फैलाने के कृत्य में संलिप्त है। बता दें कि यह सिमी एक प्रतिबंधित इस्लामिक छात्र संगठन है। संगठन की स्थापना 25 अप्रैल 1977 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में हुई थी। साल 2001 में पहली बार सिमी को आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहने के कारण प्रतिबंधित किया गया था, जब अटल बिहारी वाजपेयी सरकार सत्ता में थी। इसके बाद 2008 में संगठन से कुछ दिन के लिए बैन हटाया गया। हालांकि, राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर संगठन पर उसी साल फिर से बैन लगा दिया गया।

बैरकपुर में भाजपा ...

तितर-बितर करने के लिए, पानी की बौछारों का इस्तेमाल करना पड़ा। इसके बाद वे तीसरे बैरीकेड तक नहीं पहुंच सके। अधिकारियों ने बताया कि तनाव बढ़ने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पथराव शुरू कर दिया। जिसके बाद पुलिस को व्यवस्था बहाल करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। वहीं, भाजपा ने आरोप लगाया कि पुलिस की आक्रामकता के कारण पार्टी के कई कार्यकर्ता घायल हुए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने कानून के तहत कार्रवाई की है और उसका मकसद स्थिति को नियंत्रण में करना था। इस मार्च का नेतृत्व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया। कई महिला कार्यकर्ताओं पर शारीरिक हमले किए। मजूमदार ने कहा कि पश्चिम बंगाल पुलिस उस भगोड़े टीएमसी नेता को पकड़ने में विफल रहती है, जो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हमला करता है और बाद में गिरफ्तारी से बच जाता है। लेकिन, वह शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल महिला भाजपा सदस्यों पर हमला कर दुस्साहस करती है, जिससे उन्हें गंभीर चोट आती है। उन्होंने आगे कहा, सभी घायलों के लिए तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता है। राज्य में ममता बनर्जी के शासन के तहत लोकतंत्र खतरे में है। घटना स्थल पर मौजूद एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि आप सभी (मीडिया) आज की घटना के गवाह हैं। पुलिस ने संयम बरता और स्थिति खराब होने पर ही जरूरी कार्रवाई की। हालांकि, किसी भी शिकायत की पूरी तरह से जांच की जाएगी। उचित उपाय किए जाएंगे। पुलिस के एक प्रवक्ता के मुताबिक, झड़प दोपहर करीब सवा तीन बजे हुई। जिसके चलते बीटी रोड पर एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। कई भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है और वाहनों में ले जाया गया है। भाजपा ने बैरकपुर के औद्योगिक क्षेत्र में हत्या की कई घटनाओं व आपराधिक गतिविधियों को रोकने में पुलिस के नाकाम रहने का आरोप लगाते हुए मार्च का आयोजन किया था। वहीं, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए संयम बरतने के लिए पुलिस की सराहना की।

बीटिंग रिट्रीट के...

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट, सैन्य बलों के प्रमुख (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, थलसेना अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे, वायु सेना प्रमुख वीआर चौधरी, नौसेना प्रमुख आर हरि कुमार समेत वरिष्ठ सैन्य अधिकारी इस समारोह के साक्षी बने। यह 40 साल बाद पहला मौका था, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पारंपरिक बग्घी से समारोह स्थल पर पहुंचीं। गणतंत्र दिवस परेड में भी मुर्मू और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ इसी बग्घी में कर्तव्य पथ पर पहुंचीं थीं। भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना के संगीत बैंडों की भारतीय धुनों को सुनने के लिए बड़ी संख्या में पासधारक दर्शक भी मौजूद रहे। समारोह की शुरुआत सामूहिक बैंड की *शंखनाद* धुन के साथ हुई, जिसके बाद पाइप्स बैंड ने *वीर भारत, संगम दूर, देशों का सरताज भारत, भागीरथी* और *अर्जुन* जैसी मनमोहक धुनें बजाईं। सीएपीएफ बैंड ने *भारत के जवान* और *विजय भारत* धुन बजाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भारतीय वायु सेना बैंड ने *टाइगर हिल, रेजॉइस इन रायसीना* और *स्वदेशी* बजाकर लोगों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। दर्शकों ने भारतीय नौसेना बैंड की *आईएनएस विक्रांत, मिशन चंद्रयान, जय भारती* और *हम तैयार हैं* सहित कई धुनें सुनकर देश भक्ति की भावना का इजहार किया। भारतीय सेना बैंड ने *फौलाद का जिगर, अग्निवीर, कारगिल 1999, ताकत वतन* समेत अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इसके बाद सामूहिक बैंड *कदम-कदम बढ़ाए जा, ऐ मेरे वतन के लोगों* और *ड्रमर्स कॉल* की धुनें बजाई। कार्यक्रम का समापन *सारे जहां से अच्छा* की लोकप्रिय धुन के साथ हुआ। इस समारोह के मुख्य संचालक लेफ्टिनेंट कर्नल विमल जोशी और आर्मी बैंड के कंडक्टर सूबेदार मेजर मोती लाल थे। एमसीपीओ एमयूएस टू एम एंटनी भारतीय नौसेना के और वारंट ऑफिसर अशोक कुमार भारतीय वायु सेना के कंडक्टर थे। सीएपीएफ बैंड का संचालन कांस्टेबल जीडी रानी देवी ने किया। बुग्लर्स ने नायब सूबेदार उमेश कुमार के नेतृत्व में प्रदर्शन किया और सूबेदार मेजर राजेंद्र सिंह के निर्देशन में पाइप्स और ड्रम बैंड ने प्रदर्शन किया। बीटिंग रिट्रीट समारोह की शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी, जब भारतीय सेना के मेजर रॉबर्ट्स ने सामूहिक बैंड प्रदर्शन के अनूठे समारोह को स्वदेशी रूप से विकसित किया। यह सदियों पुरानी सैन्य परंपरा का प्रतीक है, जब सैनिक सूर्यास्त होने पर उस दिन के युद्ध के समापन की घोषणा करने के लिए रिट्रीट की ध्वनि के साथ हथियार बंद करने अपने-अपने शिविरों में लौट आते थे। युद्ध के मैदान से हटते ही सैन्य झंडे उतार दिए जाते हैं। यह समारोह बीते समय की पुरानी यादों और युद्ध के मैदान में सैन्य परंपरा को ताजा करता है।

बलूचिस्तान मांग रहा ...

कार्यकाल विवादों से भरा रहा है। बलूचिस्तान में स्वतंत्रता-समर्थक और राजनीतिक दलों ने उनकी सरकार की आलोचना की है, उनका कहना है कि बलूच आंदोलन के दमन में वो शामिल रहे हैं। काकर के प्रशासन पर लापता व्यक्तियों के रिश्तेदारों के खिलाफ बल प्रयोग करने और राजनीतिक प्रतिशोध में शामिल होने का आरोप लगा है। अंतरिम प्रधानमंत्री ने जबरन गायब किए गए लोगों के परिवारों के प्रदर्शनों का खुले तौर पर विरोध किया है और इन मुद्दों का समर्थन करने वाले पत्रकारों, लेखकों और नागरिक समाज के अधिवक्ताओं पर बलूच सशस्त्र संघर्ष से जुड़े होने का आरोप लगाया है।

हनुमान जी के झंडे ...

लोगों ने इसको लेकर नाराजगी जाहिर की और शिकायत दर्ज करवाई। इसके बाद जब अधिकारियों की ओर से ग्रामीणों से निवेदन किया गया कि वे झंडे को हटा दें तो माहौल गर्मा गया। स्थिति तनावपूर्ण हो गई और गांव में फोर्स तैनात की गई है। कईयों का कहना है कि यह झंडा हमारी आस्था का सवाल है और कुछ लोग इस पर राजनीति कर रहे हैं। ग्रामीणों के साथ भाजपा, जेडीएस और बजरंग दल के लोग भी उतर आए हैं। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा पर लोगों को भड़काने का आरोप लगा रहे हैं। निवार को झंडा उतारने के आदेश के विरोध में ग्रामीणों ने अपनी दुकानें भी बंद कर दी थीं। रविवार को ग्राम पंचायत के अधिकारी मौके पर पहुंचे थे और झंडा उतरवाना चाह रहे थे, लेकिन गांव के कई लोग अधिकारियों के खिलाफ उतर आए और *वापस जाओ* के नारे लगाने शुरू कर दिए। वहीं भाजपा ने ग्रामीणों के उन लोगों का साथ दिया जो हनुमान जी का झंडा सदैव पोल पर लगे हुए देखना चाहते हैं। मामला गर्माया तो इसने राजनीतिक रूप भी ले लिया। भाजपा ने एलान कर दिया कि अगर झंडा हटाया गया तो फिर कर्नाटक के सभी जिलों में आंदोलन किया जाएगा। सोमवार को भाजपा के कार्यकर्ता बेंगलुरु में भी मैसूरु बैंक सर्किल के पास जुटे हैं। इस दौरान पुलिस ने बड़ी संख्या में भाजपा के लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं ग्रामीणों ने स्थानीय कांग्रेस विधायक रवि कुमार के पोस्टरों को फाड़ विरोध प्रकट किया। इसके बाद कांग्रेसी भी मैदान में उतर आए और फिलहाल गांव में तनाव की स्थिति है। हालात बिगड़ने से रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। वहीं इस मामले पर पुलिस ने हनुमान जी के झंडे को हटाने की बात कही। उनके अनुसार, हनुमान जी के झंडे को हटाकर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लगाना चाहिए। मिली जानकारी के अनुसार, झंडे के लिए केरागोडु गांव के लोगों ने फंडिंग की थी। इसके अलावा अन्य 12 गांवों के लोगों ने भी इसके लिए योगदान दिया था। इसमें भाजपा और जेडीएस के लोगों ने भी योगदान दिया था। भाजपा ने तो इस मामले में पुलिस ऐक्शन को लेकर कांग्रेस पर हमला बोलना शुरू कर दिया है। और उसके कहना को हिंदू विरोधी करार दिया है। भाजपा नेता आर. अशोक ने कहा कि ग्राम पंचायत की मंजूरी से यह झंडा लगा था तो फिर कांग्रेस की सरकार इसे अब हटवाना क्यों चाहती है।

पूसीरे की ट्रेनों पर पथराव और चोरी मामले में 16 लोग गिरफ्तार

ट्रेनों में असामाजिक गतिविधियों को निष्क्रिय कर रहा रेसुब

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) का रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) ने 22 से 28 जनवरी के बीच कई जांच अभियान चलाकर इस रेलवे जोन के अधीन असामाजिक गतिविधियों में लिप्त 16 लोगों को हिरासत में लिया है। शरारती तत्वों द्वारा चलती ट्रेनों पर असामान्य पथराव की घटनाओं के साथ-साथ पूसीरे के विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में यात्रियों के सामान की चोरी से संबंधित मामले में संदिग्ध अपराधियों को हिरासत में लिया गया। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया है कि हाल ही में पूसीरे के विभिन्न मंडलों में ट्रेनों पर पथराव की कुछ घटनाएं दर्ज की गयी है। ऐसे ही एक मामले में 28 जनवरी को डिमापुर रेसुब पोस्ट ने डिफू से एक व्यक्ति को पकड़ा, जो ट्रेन संख्या 15817 डाउन (डोनी पोलो एक्सप्रेस) पर किए गए पथराव में शामिल था। 25 जनवरी को दो अलग घटनाओं में, सिलीगुड़ी और डिमापुर रेसुब पोस्ट ने छह और उपद्रवियों (सुकना - सिलीगुड़ी सेक्शन से दो और डिमापुर स्टेशन के पास से चार) को क्रमशः ट्रेन संख्या 52541 डाउन (न्यू जलपाईगुड़ी - कार्सियांग - दार्जिलिंग पैसेंजर) और 12068 डाउन (जन शताब्दी एक्सप्रेस) पर पथराव में शामिल पाये जाने पर हिरासत में लिया गया। पकड़े गए सभी व्यक्तियों पर रेलवे अधिनियम की निर्दिष्ट धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। पूसीरे की रेसुब ने अपने क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न मंडलों और सेक्शनों में 22 से 24 जनवरी तक की अवधि के दौरान जांच अभियान चलाए और ट्रेन यात्रा के दौरान यात्रियों के सामानों की चोरी मामले से जुड़े नौ व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लगभग 1.79 लाख रुपए के सामान बरामद किए। अभियान के दौरान विभिन्न आउटपोस्ट की रेसुब की टीमों ने 8 मोबाइल फोन और एक लैपटॉप बरामद करने में सफलता पाई। सभी गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित राजकीय रेलवे पुलिस पोस्ट को सौंप दिया गया।

सड़क हादसे में शिक्षक की मौत

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव जिले के अभयापुरी काकाईजाना बेलतली में राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर सोमवार एक सड़क दुर्घटना में एक शिक्षक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार राखालडूबी से उत्तर सालमारा की ओर जा रहे एक चार पहिया वाहन को सामने से आ रहे ट्रक ने स्कूटी सवार को बचाने की कोशिश में टक्कर मार दी। हादसे में चार पहिया वाहन चालक शिक्षक अतनु कुमार मिश्रा की मौत हो गई। अतनु तुलुंगिया के दीन दयाल उपाध्याय मॉडल कॉलेज में वाणिज्य विभाग के शिक्षक थे। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कालाइरदिया छात्र संघ का स्वर्ण जयंती समारोह सोल्लास संपन्न

नगरबेरा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत कालाईरदिया गांव से एक अराजनीतिक छात्र संगठन कालाईरदिया छात्र संघ के 50 गौरवशाली वर्ष है। इस अवसर पर तीन दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम के साथ संगठन का स्वर्ण जयंती समारोह संपन्न हो गया। स्थानीय नंबर 830 के कलैरदिया प्राइमरी स्कूल ग्राउंड के अबुल हुसैन-होयजुद्दीन शेख समन्वय एरिया में शाम के स्वर्ण जयंती समारोह के समापन समारोह के अवसर पर, एसोसिएशन के अध्यक्ष नजरुल इस्लाम ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में छात्रसंघ के सचिव रहम अली ने इसका उद्देश्य बताया। एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष अल्हाज रफीजुल हक ने बैठक का उद्घाटन करते हुए अपने संबोधन में छात्र संघ के जन्म के इतिहास और उसकी जिम्मेदारियों और

कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। बैठक में बरपेटा लोकसभा क्षेत्र के सांसद अब्दुल खालिक ने अपने भाषण में कहा कि चर अंचल के लोग असम की मुख्यधारा में समा गए हैं। उन्होंने चर अंचल के लोगों से शैक्षणिक क्षेत्र पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए हिंदू-मुस्लिम सभी को सौहार्द के साथ आगे बढ़ना होगा। सांसद ने यह भी कहा कि भाजपा पार्टी कांग्रेस के न्याय यात्रा को प्रभावित करने से डरती थी, जिसके परिणामस्वरूप भाजपा ने नीतीश कुमार को इंडिया पार्टी से अलग कर लिया। पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में खालिक ने कहा कि भाजपा के दो-तीन एजेंट जो कांग्रेस में थे, वे चले गए और अगर ऐसे एजेंट हैं तो उन्हें जल्द ही कांग्रेस छोड़ देनी चाहिए। सभा में रिटायर्ड प्रोफेसर नूर आलम, प्रभारी प्राचार्य रफीकुल हसन, कांग्रेस प्रवक्ता अब्दुल अजीज, एसोसिएशन के संस्थापक सचिव फज्र अली, सहायक सचिव तैजुद्दीन अहमद, सेवानिवृत्त शिक्षक ताजिमुद्दीन अहमद, तस्लीमा उद्दीन, कसिम उद्दीन अहमद, सहायक प्रोफेसर नौशाद अली, सामचुल आलम सोरार्दी, गाजिबर रहमान, नूर मोहम्मद अली, बक्कर हुसैन, अधिवक्ता सैयजुद्दीन अहमद, डॉ. शाहिदुल इस्लाम, अबुल बसर अंसारी और कई अन्य, शिक्षाविद, डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे। गौरतलब है कि सांसद अब्दुल खालिक ने स्वर्ण जयंती समारोह के अनुरूप प्रकाशित एक संस्मरण *कलैरदिया* का विमोचन किया।

बोरे में मिला 6 साल की बच्ची का शव

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिलांतर्गत बाघबर के मोरीगांव में बोरे के अंदर छह साल की एक बच्ची का शव बरामद होने को लेकर इलाके में सनसनी फैल गयी। मृतक बच्ची मोरीगांव के तारिफुद्दीन उर्फ टीपू नामक व्यक्ति के घर के शेड में मिली। बच्ची पिछले पांच दिनों से लापता थी। बताया जा रहा है कि बच्ची के सिर और हाथों पर चोट के निशान मौजूद हैं। इसी बीच, बरपेटा जिले के एक शीर्ष पुलिस अधिकारी के साथ एक मजिस्ट्रेट मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए बरपेटा मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भेजा गया है। पुलिस ने घटना के बाद तारिफुद्दीन उर्फ टीपू सहित उसके परिवार के सदस्यों को हिरासत में लिया है। घटना की गहराई से पुलिस जांच कर रही है।

धुबड़ी में केएलओ-केएन कैडर गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। प्रतिबंधित सशस्त्र उग्रवादी समूह कामतापुर लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (केएलओ) के कोच नेशनलिज्म (केएन) गुट के एक सदस्य कनक अधिकारी को रविवार की रात जिले के गौरीपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि कोकराझाड़ जिले के रामफलबिल गांव का रहने वाला कनक अधिकारी उस समय पुलिस के हत्थे चढ़ गया जब वह गौरीपुर के एक व्यवसायी से फिरौती की रकम लेने के लिए गया था। सूत्रों ने बताया कि केएलओ-केएन उग्रवादियों का एक समूह पिछले कुछ समय से गौरीपुर के विभिन्न व्यापारियों से पैसे की मांग कर रहा है। बोड़ोलैंड सीमा क्षेत्र (बीटीआर) गौरीपुर के नजदीकी वन क्षेत्रों से काम कर रहा है। केएलओ-केएन केएलओ से अलग हुआ गुट है। यह असम और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों को मिलाकर एक अलग कामतापुर राज्य के लिए लड़ रहा है। केएलओ-केएन, केएलओ और केंद्र सरकार के बीच जारी शांति वार्ता का विरोध करता है। गिरफ्तार उग्रवादी के विरुद्ध आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मानकचर में भारत-बांग्लादेश सीमा पर कई मवेशी जब्त

दक्षिण सालमारा (हिंस)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर मानकचार में तस्करी के मवेशियों की अवैध तस्करी जारी है। भारत-बांग्लादेश सीमा के पास सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा एक अभियान में बड़ी संख्या में तस्करी किए गए मवेशियों को जब्त किया गया है। सूत्रों ने आज बताया है कि बीएसएफ की 49वीं बटालियन की एक टीम ने मानकचार के भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र छापेमारी की, इस दौरान बड़ी संख्या में तस्करी किए गए जानवरों को जब्त करने में कामयाबी हासिल की। बीएसएफ की 49वीं बटालियन की टीम ने बीती देर रात के समय बड़ी संख्या में कुल 18 मवेशियों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की। घने कोहरे का फायदा उठाकर भारत-बांग्लादेश सीमा पर खुली नदी क्षेत्र में महामाया के चर और कलाई के चर के तस्कर मवेशियों की तस्करी बांग्लादेश में करने की कोशिश में जुटे हुए थे। जब्त गए मवेशियों की बाजार में कीमत दो लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। बीएसएफ ने जब्त मवेशियों को स्थानीय पुलिस को कानूनी कार्रवाई के लिए सौंप दिया।

विवि की छात्रा की आत्महत्या मामले में छात्र नेता गिरफ्तार

धेमाजी (हिंस)। गुवाहाटी में विश्वविद्यालय की एक छात्रा द्वारा कथित तौर पर की गई आत्महत्या के सिलसिले में छात्र नेता प्रफुल्ल कचारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आज बताया कि गुवाहाटी के प्रागज्योतिषपुर पुलिस थाने की पुलिस ने धेमाजी पुलिस की मदद से छात्र नेता को गिरफ्तार किया। उल्लेखनीय है कि गत 24 जनवरी को छात्र नेता को प्रगज्योतिषपुर थाने में परिवार के सदस्यों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी धारा 306/36 (आईजेसी) के तहत गिरफ्तार किया गया। सूत्रों ने बताया है कि मृतक छात्रा की अंतरंग तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। उसके बाद छात्रा ने आत्महत्या कर लिया था। छात्र नेता प्रफुल्ल कचारी को धेमाजी सदर थाना में रखा गया है।

असम इकाई की मासिक काव्य गोष्ठी ऑनलाइन माध्यम से गूगल मीट पर संपन्न

गुवाहाटी/ विश्वनाथ (विभास)। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई की मासिक काव्य गोष्ठी ऑनलाइन माध्यम से गूगल मीट पर कल शाम 5.30 बजे संपन्न हुई। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वनकाम, दिल्ली 1 इकाई की अध्यक्षा प्रमिला कौशिक तथा विशिष्ट अतिथि अंजना जैन थीं। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता और संचालन असम वनकाम के उपाध्यक्ष विनय कुमार बुद्ध ने की। वनकाम असम इकाई की अध्यक्षा आभा कुमारी चौधरी ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को ससम्मान मंच पर आसन ग्रहण करवाया तत्पश्चात असम इकाई वनकाम के उपाध्यक्ष विनय कुमार *बुद्ध* ने मुख्यातिथि का परिचय मंच के सामने रखा और महासचिव कल्पना कश्यप ने विशिष्ट अतिथि का। उपाध्यक्ष विनय कुमार बुद्ध ने बेहद ही मनमोहक स्वर में स्वरचित सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद काव्य गोष्ठी का कार्यभार विनय ने संभालते हुए महिला काव्य मंच शिलांग इकाई की अध्यक्षा दया से गुजारिश की कि वह अपनी कविता वाचन कर मंच को अनुग्रहित करें। महिला काव्य मंच, शिलांग इकाई की अध्यक्षा दया शर्मा मंजिले और भी है, कल्पना कश्यप जी ने उसका इंतजार, गीता लिंबू जी ने हम भी मुस्कुराएंगे, मल्लिका दे ने रिश्तों का बाजार, विशाल जी ने पिता, किशोर अग्रवाल ने वेब की दुनियां, विनय जी ने आज आर या पार तथा आभा कुमारी चौधरी ने मां नहीं है कविता वाचन कर मंच में चार चांद लगा दिए। मुख्यातिथि प्रमिला कौशिक ने अपनी सुरीली अंदाज में ईश्वर का वास वैभव में नहीं बल्कि प्रेम में है कहकर प्रेमपूर्ण मन की महत्ता को दर्शाया है। वहीं विशिष्ट अतिथि श्रीमती अंजना जैन की देशभक्ति पूर्ण कविता ने देशभक्ति के अलग आयाम प्रस्तुत किए जो

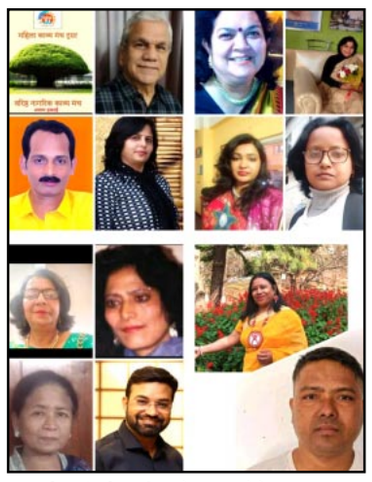

वाकई काबिले तारीफ़ है। इस मौके पर वनकाम पूर्वोत्तर की अध्यक्षा डॉ. गोमा अधिकारी भी मौजूद थीं। उन्होंने काफी गर्मजोशी के साथ मुख्यातिथि, विशिष्ठ अतिथि, संचालक, अध्यक्ष और काव्य गोष्ठी में उपस्थित सभी कवियों को कार्यक्रम की बधाई दी तथा असम इकाई, वनकाम की सलाहकार ममता गिनोडिया ने सभी को आशीष वचन कहा। अंत में मुख्य अतिथि और विशिष्ठ अतिथि ने सभी कवियों के लिये उत्साहवर्धक वक्तव्य रखा में कहा कि सभी ने अलग अलग रसों से उनके अंतरंग को भीगों दिया। साथ ही उनके भविष्य की मंगल कामना करते हुए मंच को सफल काव्यगोष्ठी की बधाई दी। विनय कुमार बुद्ध जी की सफल अध्यक्षता और संचालन के लिए भी अतिथियों में उन्हें विशेष रूप से बधाई दी। ने उसके तुरंत बाद आभा कुमारी चौधरी ने काव्यगोष्ठी की औपचारिक रूप से समापन की घोषणा की। कुल मिलाकर कार्यक्रम बेहद सफल, उत्साहवर्धक और भावपूर्ण रहा।

रंगिया : मॉडर्न इंग्लिश स्कूल का स्थापना दिवस समारोह संपन्न

रंगिया (विभास)। रंगिया का अग्रणी मॉडर्न इंग्लिश स्कूल का 32 वां स्थापना दिवस एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर विद्यालय प्रांगण में 28 एवं 29 जनवरी, 2024 को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ 28 जनवरी, 2024 (रविवार) को *गो यू एज लाइक* नामक कार्यक्रम के साथ सुबह 9.00 बजे किया गया। इसके पश्चात विद्यालय प्रांगण में सुबह 10.30 बजे पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं दूसरे दिन का कार्यक्रम 29 जनवरी, 2024 (सोमवार) को सामुहिक प्रार्थना एवं विद्यालय का ध्वजारोहण के साथ सुबह के 9.00 बजे प्रारंभ

किया गया। इसके पश्चात सुबह 9:30 बजे दीप प्रज्वलन, सुबह 9:45 बजे दीवार पत्रिका का उन्मोचन के अलावा सुबह 10.00 खुला सत्र एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ विद्यालय पत्रिका का उन्मोचन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सेना के सेवानिवृत्त जीओसी इन चीफ पूर्वी कमान राणा प्रताप कलिता सहित बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय की ओर से अतिथियों का विशेष रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विधालय के पूर्व छात्र तथा एमडि मेडिसिन (स्वर्ण पदक विजेता) नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के रजिस्ट्रार डॉ. राहुल कलिता भी उपस्थित थे। कैलाश जैन, अनंत डेका, पबिन कलिता, नरेन शर्मा, लक्खी महंतो, ज्योतिष काकोती, मोहन माधव बर्मन, एडवोकेट रिंकू दासगुप्ता आदि समाज के वरिष्ठ नागरिकों ने समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के दौरान अपराह्न 2:00 बजे विद्यालय से अंतिम एच.एस.एल. सी परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पूर्व विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालय संचालन समिति के चैयरमेन हरीराम क्याल द्वारा विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. देव दत्त कलिता सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं और सभी कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापन किया है।

बाइक की टक्कर से एक की मौत, दो घायल

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिलांतर्गत तामरहाट में सोमवार को सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए। दुर्घटना से नाराज ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-127बी पर जाम लगा दिया। पुलिस ने पहुंचकर स्थिति पर नियंत्रण किया और राजमार्ग खुलवाया। जानकारी के अनुसार मध्यपेटला गांव के रहने वाले राजेश कुंडू और शुभम कुंडू बाइक से निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग-127बी पर धुबड़ी जा रहे थे। तभी तामरहाट में अनियंत्रित बाइक ने पैदल जा रहे भाटीपेटला गांव निवासी खमीर अली (65) को टक्कर मार दी। दुर्घटना में खमीर अली की मौत हो गई और बाइक सवार राजेश कुंडू और शुभम कुंडू घायल हो गए। राजेश की हालत गंभीर होने पर उसे तामरहाट से धुबड़ी मेडिकल कॉलेज एडं अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

आलोपति में केको सांप बरामद

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के अलोपति चर थाना अंतर्गत बिलायत हुसैन मंडल के घर पर आज सुबह तमोलबाड़ी में एक दुर्लभ केको सांप मिला। मालूम हो कि तमोलबाड़ी का व्यापारी तमूल तोड़ने गया और उसने एक केको सांप देखा। बाद में लोगों का एक वर्ग केको सांप को एक बोरे में भरकर आलोपति चर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने केको सांप को पकड़ लेता है। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने कहा कि केको सांप का अनुमानित वजन लगभग 300 ग्राम और 14 से 15 इंच लंबा होगा। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने केको सांप को वन विभाग के हवाले कर दिया। जहां सांप को फिर से जलंग छोड़े जाने की सूचना है।

रंगिया में *वैकल्पिक चयन* प्रक्रिया के निर्णय के खिलाफ संविदा प्राथमिक शिक्षकों ने सौंपे ज्ञापन

रंगिया (विभास)। आज राज्य सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा अपनाई गई *वैकल्पिक चयन* प्रक्रिया के निर्णय के खिलाफ अनुबंध आधारित प्राथमिक शिक्षक समिति ने आज रंगिया में इसका विरोध प्रदर्शन किया। रंगिया शिक्षा खंड अधिकारी कार्यालय के सामने उनकी मांग को लेकर यह प्रदर्शन किया गया। अखिल असम प्राथमिक टेट उतीर्ण शिक्षक समाज के रंगिया खंड के अध्यक्ष हेमेन धींग और सचिव भवेश सालोई ने इस दौरान सम्बददाताओ को बताया कि गत 17 जनवरी को राज्य सरकार के शिक्षा विभाग के सचिव द्वारा हस्ताक्षरित पत्र के माध्यम से बैकल्पिक चयन की निर्देश और प्र-पत्र जारी किया गया है। उसके द्वारा सर्व शिक्षा में कर्मरत 25,500 शिक्षक-शिक्षिकाएं विगत 11 वर्षों से सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विशेष तौर पर नई वेतन संरचना के विरोध और वेतन सुरक्षा के साथ नियमितीकरण की मांग की। चार घंटे के इस प्रदर्शन के बाद उन्होंने रंगिया शिक्षा खंड कार्यालय के माध्यम से राज्य के शिक्षा सचिव को उठाई गई मांगों वाला एक ज्ञापन भेजा।

मणिपुर पुलिस ने 248 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 248 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 212 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 143 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

गुवाहाटी में संपन्न हुआ नॉर्थ-ईस्ट इंटरनेशनल फैशन वीक का 8वां सीजन

गुवाहाटी। बहुप्रतीक्षित फैशन कार्यक्रमों में से एक नॉर्थईस्ट इंटरनेशनल फैशन वीक का शानदार समापन हुआ है। गौरतलब है कि यह 8वां सीजन था जो कि 27 जनवरी को शुरू हुआ और 28 जनवरी को संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम गुवाहाटी के बरसापाड़ा में स्थित साउथ पॉइंट स्कूल कैंपस में आयोजित किया गया था जिसमें भारत और विदेशों से आकांक्षी और प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर एक नेक काम के लिए अपनी विशिष्ट कृतियों का प्रदर्शन करने के लिए एक साथ आए। शुरुआती थीम *फैशन फॉर ऑल* के जरिए एनईआईएफडब्ल्यू ने एक ऐसा समावेशी मंच बनाया जहां डिजाइनर, बच्चे, युवा और फैशन के क्षेत्र में रुचि रखने वाले लोग प्रदर्शन कर सकें। भारत के विभिन्न हिस्सों से उपस्थित लोगों ने फैशन के प्रति अपने प्यार को प्रदर्शित करते हुए इस भव्य कार्यक्रम में भाग लिया और सामाजिक उद्देश्य को सहयोग दिया। जैसा कि एनईआईएफडब्ल्यू का कार्यक्रम हमेशा सामाजिक उद्देश्य पर आधारित होता है। इस बार भी इसी परंपरा का पालन करते हुए इस सीजन का उद्देश्य पशु आश्रय, वृद्ध पशुओं और पशुओं गोद लेने के लिए के प्रति जागरूकता पैदा करने पर आधारित था। प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन पेटा सहित विभिन्न पशु कल्याण संगठनों के साथ

सहयोग करते हुए, एनईआईएफडब्ल्यू ने जानवरों के कल्याण पर जोर दिया। एनईआईएफडब्ल्यू 2024 का नेतृत्व प्रशांत घोष ने किया जो कि एक मशहूर फैशन डिजाइनर और कोरियोग्राफर हैं और विश्व स्तर पर पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध हथकरघा शिल्प की विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए जाने जाते हैं। फैशन के प्रति अपने जुनून और समाज में बदलाव लाने की प्रतिबद्धता के साथ घोष ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया और सामाजिक जागरूकता फैलाने में बहुमूल्य योगदान दिया।

संपादकीया

रोजगार के आदर्श बदलें

बेरोजगारी की चीखों के बीच नीतियों का इंतखाब करना भी मुश्किल हो गया है। सरकार गेस्ट टीचर के लिए स्कूलों के गेट नहीं खोल पाई तो इसलिए कि इस नीति की घोषणा ने युवाओं के सुर बिगाड़ दिए। कुछ इसी तरह जेओए-817 की परीक्षा पर तरस खाने का मुद्दा भी रहा। जिस परीक्षा प्रणाली के भ्रष्ट तंत्र ने हमीरपुर अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को उखाड़ फेंका, उसी के तहत हुई जेओए परीक्षा को बचाने का प्रयास जारी है। ये परीक्षार्थी अब फरियादी हैं, तो सरकार की अदालत बदल रही है। जाहिर है बेरोजगारी की चीखों की सत्ता अनदेखी नहीं कर सकती, लेकिन मंत्रिमंडल के बीच नैतिकता का विभाजन स्पष्ट रहा। अब मुख्यमंत्री जेओए परीक्षा को तमाम संशय से दूर रखते हुए नौकरी के आवरण से ढांपना चाहते हैं। बहरहाल मसला सरकारी नौकरी को लेकर पुनः खिदमत कर रहा है, तो आंसू पोंछने के लिए मुख्यमंत्री के मुलायम हाथ स्पर्श कर रहे हैं। रोजगार के बाजार में सरकार की आस्था सदा बदलती रही है और यही वर्र्तमान सरकार की परीक्षा और गारंटी है। एक लाख नौकरियों की बिसात पर अब कुछ ऐसे ही टोटके काम आएंगे। जाहिर है जेओए परीक्षा अगर बरी हो जाए, तो सरकारी रोजगार के आंकड़े कुछ तो काम आएंगे। नौकरी और रोजगार के अवसर पैदा करने का अंतर आज तक हिमाचल की नीतियों को समझ नहीं आया। हालांकि स्टार्टअप के जरिए वर्तमान सरकार की ग्रीन नीति रोजगार के अवसर सृजित करने को तत्पर है या पर्यटन के जरिए सरकार रोजगार को स्वरोजगार का पुष्पगुच्छ सौंपना चाहती है, लेकिन एक कहानी निवेशक की भी है। बीबीएन जैसे हिमाचल के सबसे बड़े औद्योगिक केंद्र से अगर कुछ उद्योग पलायन करने का सोच रहे हैं, तो यह रोजगार के बिंदुओं पर भी हताशापूर्ण वातावरण है। आश्चर्य यह है कि प्रदेश की राजनीति और नेताओं के वक्तव्य केवल सरकारी नौकरी की बात करते हैं, जबकि रोजगार की संभावना के अन्य क्षेत्र खामोश हैं। सरकार गांव के द्वार भी ऐसी ही घोषणाएं चुन रही है, जहां साधारण कालेज को स्नातकोत्तर बनाने की उपलब्धि गिनी जा रही है। हमें लगता है जिस दिन हमारे मंत्री-मुख्यमंत्री युवाओं के प्रयास से शुरू हो रहे व्यवसायों, शोरूमों, बस-टैक्सी संचालन या पर्यटन इकाइयों का आगे बढ़कर शुभारंभ करेंगे, हिमाचल के आदर्श और उदाहरण बदल जाएंगे। हम स्कूलों-कालेजों के वार्षिक समारोहों में नेताओं को बुलाकर बच्चों के मन में सियासी प्रभाव का आभामंडन कर रहे हैं, जबकि होना यह चाहिए कि वहां निजी क्षेत्र के सफल व्यावसायियों, युवाओं, डाक्टरों तथा नामी व्यक्तियों को बुलाकर रोजगार की क्षमता की नई पैरवी शुरू की जाए। आश्चर्य यह कि सरकारें शिक्षा के घुंघरू पहनकर नाच रही हैं, जबकि हमारे परिसर नाकाबिल हो चुके हैं। प्रदेश के तीन सामान्य विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त केंद्रीय यूनिवर्सिटी के पाठ्यक्रम में ऐसा क्या है कि राष्ट्रीय स्तर के मानव संसाधन पैदा नहीं हो रहे। प्रदेश में तीन दर्जन कालेज एवं विश्वविद्यालय एमबीए के पाठ्यक्रम का मुखौटा पहने उच्च शिक्षा का उच्चारण कर रहे हैं, लेकिन डिग्रियां बेरोजगारी की मुजरिम बन गईं। इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग को लेकर ही अगर बीबीएन में एक राज्यस्तरीय संस्थान पैदा करते, तो काम करने का कोड बदल जाता। अभी हाल ही में मुख्यमंत्री ने फिल्म शूटिंग को सरल बनाने के लिए एक वांछित घोषणा करके सिने पर्यटन के उद्गम को टटोला है। अगर हिमाचल सिनेमा उद्योग से पींगें बढ़ा ले। गरली-परागपुर में फिल्म सिटी की अवधारणा में अधोसंरचना तथा एक राज्य स्तरीय फिल्म एवं टीवी प्रशिक्षण कालेज शुरू कर दे, तो रोजगार से रेवेन्यू के उद्गार निकलेंगे। हिमाचल की प्रतिभा से निकल रहे स्वरोजगार की पहचान की जाए तथा इसे उचित अवसर दिए जाएं तो रोजगार के मायने बदलेंगे। इसके लिए प्रदेश के सांस्कृतिक, धार्मिक तथा मेलों को सर्वप्रथम एक मेला विकास प्राधिकरण के तहत लाना होगा। रोजगार को सरकारी नौकरी से हटाकर अगर परिभाषित नहीं किया गया, तो यूं ही रोजगार के उपनाम बदलकर 'गेस्ट फैकल्टी' जैसे मुहावरों पर शक रहेगा। रोजगार के अवसर बढ़ाने के फलक पर प्रोत्साहन बढ़ा कर सरकार को नौकरी की पुरानी मान्यताएं तोडऩी होंगी।

> सरकार गेस्ट टीचर के लिए स्कूलों के गेट नहीं खोल पाई तो इसलिए कि इस नीति की घोषणा ने युवाओं के सुर बिगाड़ दिए। कुछ इसी तरह जेओए-817 की परीक्षा पर तरस खाने का मुद्दा भी रहा। जिस परीक्षा प्रणाली के भ्रष्ट तंत्र ने हमीरपुर अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को उखाड़ फेंका, उसी के तहत हुई जेओए परीक्षा को बचाने का प्रयास जारी है। ये परीक्षार्थी अब फरियादी हैं, तो सरकार की अदालत बदल रही है। जाहिर है बेरोजगारी की चीखों की सत्ता अनदेखी नहीं कर सकती, लेकिन मंत्रिमंडल के बीच नैतिकता का विभाजन स्पष्ट रहा। अब मुख्यमंत्री जेओए परीक्षा को तमाम संशय से दूर रखते हुए नौकरी के आवरण से ढांपना चाहते हैं। बहरहाल मसला सरकारी नौकरी को लेकर पुन: खिदमत कर रहा है, तो आंसू पोंछने के लिए मुख्यमंत्री के मुलायम हाथ स्पर्श कर रहे हैं। रोजगार के बाजार में सरकार की आस्था सदा बदलती रही है और यही वर्र्तमान सरकार की परीक्षा और गारंटी है। एक लाख नौकरियों की बिसात पर अब कुछ ऐसे ही टोटके काम आएंगे। जाहिर है जेओए परीक्षा अगर बरी हो जाए, तो सरकारी रोजगार के आंकड़े कुछ तो काम आएंगे।

आतंकी हमले से बचाने के लिए अमरीका, ब्रिटेन व मलेशिया जैसे कई देशों से मदद की गुहार लगाई

भारत का एहसान भूल रहा मालदीव

प्रताप सिंह पटियाल

'आपरेशन कैक्टस' भारतीय सेना की दास्तान-ए-शुजात की वो जांबाजी जब हिंदोस्तान के रणबांकुरों ने जोखिम भरे सैन्य आपरेशन को अंजाम देकर मालदीव को आंतकियों से मुक्त कराया था। देश के प्रथम 'परमवीर चक्र' विजेता हिमाचल प्रदेश के मेजर 'सोमनाथ शर्मा' के भाई जनरल 'वीएन शर्मा' सन्-1988 में भारतीय थलसेना के प्रमुख थे। उस वक्त श्रीलंका के आतंकी समूह 'पीपल लिबरेशन ऑफ तमिल ईलम' के लड़ाकों ने पर्यटकों का भेष धारण करके समंदर में बसे देश मालदीव पर हमला करके वहां तख्तापलट को अंजाम दे दिया था। आतंकियों के घेरे में फंस चुके मालदीव के तत्कालीन राष्ट्रपति 'मौमून अब्दुल गयूम' ने अपने मुल्क को उस आतंकी हमले से बचाने के लिए अमरीका, ब्रिटेन व मलेशिया जैसे कई देशों से मदद की गुहार लगाई, मगर मालदीव के एयरपोर्ट, टीवी टावर व रेडियो स्टेशन जैसे बुनियादी ढांचे पर कब्जा कर चुके आतंकियों का मुकाबला करने की जहमत किसी भी मुल्क ने नहीं उठाई थी। आतंकियों के तर्जुमान पाकिस्तान से भी मालदीव ने मदद के लिए राफ्ता किया था, मगर निराशा हाथ लगी। जब अब्दुल गयूम के लिए सवाल मालदीव की इज्जत-ए-नफ्ज का बना, तब ब्रिटेन की तत्कालीन प्रधानमंत्री 'मारग्रेट थैचर' ने मालदीव को भारत से मदद मांगने का मशविरा दे डाला था। आखिर मालदीव के सदर मौमून अब्दुल गयूम की गुजारिश पर भारत की तत्कालीन हुकूमत व भारतीय सेना हरकत में आई। मालदीव को उस आतंकी हमले से आजाद कराने के लिए भारतीय सेना ने 'आपरेशन कैक्टस' लाँच किया। सेना की 50वीं 'पैराशूट ब्रिगेड' व 'छह पैराशूट' यूनिट तथा '17वीं पैराशूट फील्ड रेजिमेंट' के जवान ब्रिगेडियर 'फारूक बुलसारा' की कमान में तीन नवंबर 1988 की रात को मालदीव के 'हुलहुले' एयरपोर्ट पर उतरे तथा समुद्री रास्ते से मालदीव की राजधानी 'माले' पहुंचे। भीषण गोलीबारी में 19 आतंकियों को हलाक करके भारतीय कमांडोज ने मालदीव में आतंकी तख्तापलट की मंसूबाबंदी को नाकाम करके राष्ट्रपति मौमून अब्दुल गयूम व उप रक्षामंत्री 'इल्यास इब्राहिम' सहित कई लोगों को 18 घंटों के

भीतर सुरक्षित निकाल लिया था। ऑपरेशन कैक्टस की कामयाबी के पीछे भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल वीएन शर्मा की माकूल रणनीति व ब्रिगेडियर 'फारूक बुलसारा' का उत्कृष्ट सैन्य नेतृत्व तथा सैनिकों का अदम्य साहस शामिल था। आपरेशन कैक्टस में भारतीय जांबाज कंमाडोज के साथ भारतीय नौसेना व वायुसेना ने भी अहम किरदार अदा किया था। नौसेना के आईएनएस 'गोदावरी' व बेतवा भी समंदर में सक्रिय थे। भारतीय सैनिकों के खौफ से मालदीव में तख्तापलट का मुख्य साजिशकर्ता 'अब्दुल्ला लुतूफी' एक समुद्री जहाज को अगवा करके फरार हो रहा था। उसे भारतीय नेवी ने हिरासत में लेकर मालदीव की हुकूमत के हवाले कर दिया था। भारतीय पैराशूट रेजिमेंट के जवानों ने आतंकियों पर इतना माकूल प्रहार किया था कि मालदीव में आतंकी हमला या तख्तापलट की हिमाकत दोबारा नहीं हुई। मौजूदा दौर में भारत का एहसान भूलकर मालदीव चर्चा का मरकज बना हुआ है। हाल ही में चीन समर्थक 'मोहम्मद मुइज्जु' मालदीव के राष्ट्रपति चुने गए हैं। मालदीव में इक्तदार हासिल करते ही चीन की आस्तीन में बैठकर भारत विरोधी रुख अख्तियार करके मो. मुइज्जु भारत को आंख दिखा रहा है, लेकिन 35 वर्ष पूर्व मालदीव की हुकूमत पर जब तख्तापलट की गर्दिश के बादल मंडरा चुके थे, यदि उस वक्त भारतीय सेना ने मालदीव को बचाने का साहस न किया होता तो शायद पर्यटन के लिए मशहूर मालदीव आतंकियों की दारुल हुकूमत बन जाता। इस बात में भी कोई दो राय नहीं है कि पिछले कुछ समय से मालदीव पर मजहबी कट्टरवाद का साया पड़ चुका है। वर्ष 2022 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर माले के फुटबाल मैदान में योग कर रहे भारतीय मूल के लोगों पर भीड़ ने मजहबी आक्रोश में आकर हमला कर दिया था। सात जनवरी 2023 को मालदीव की सरकार के तीन वजीरों ने भारत के प्रधानमंत्री के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, हालांकि मालदीव जल्द ही घुटनों के बल पर आ गया और अपने उन वजीरों को निलंबित कर दिया। बर्तानिया हुकूमत की गुलामी से जुलाई 1965 में आजाद हुए मालदीव को आजाद मुल्क का दर्जा देने वाले देशों में भारत अग्रणी था। मालदीव की सेना 'मालदीवियन नेशनल डिंफेस फोर्स' की ट्रेनिंग कई वर्षों से भारतीय सेना ही करवाती है। सन् 2004 में मालदीव में विनाशकारी सुनामी के बाद वहां मदद भेजने में भी भारत ने पहल की थी। सन् 2014 में मालदीव का 'वाटर ट्रीटमेंट' आग लगने से खाक हो गया था। पेयजल के संकट से जूझ रहे मालदीव की आवाम को भारत ने आपरेशन 'नीर' चलाकर पेयजल की आपूर्ति की थी। सन् 2010 व 2013 में भारत ने मालदीव को दो हैलिकॉप्टर तथा सन् 2020 में एक विमान भी तोहफे में दिया था। मालदीव की राजनीतिक स्थिरता को कायम रखने के लिए भारत के कुछ सैनिक वहां रहते हैं। भारत के उन 88 सैनिकों को राष्ट्रपति मुइज्जु 15 मार्च तक मालदीव छोडऩे का फरमान जारी कर चुके हैं। हमारे देश के हुक्मरानों को मालदीव की इस कारकर्दगी पर संज्ञान लेना होगा। 'इंडिया आउट' का नारा देकर मालदीव की हुकूमत पर काबिज होने वाले मो. मुइज्जु की ड्रैगन संग रफाकत मालदीव को महंगी साबित होगी, क्योंकि चीन के सबसे बड़े कर्जदारों में मालदीव भी शामिल है। बहरहाल चीन की उल्फत में डूब कर भारत के विरोध में उतरे मालदीव के एहसान फरामोश हुक्मरानों को भारतीय सेना के उन शूरवीर पैरा कमांडोज व नौसेना तथा वायुसेना का मरहून-ए-मिन्नत रहना होगा जिन्होंने सन् 1988 में मालदीव में तख्तापलट के मंसूबों को ध्वस्त करके वहां जम्हूरियत को दोबारा कायम कर दिया था। आपरेशन कैक्टस को अंजाम देकर भारतीय कमांडोज ने दुनिया को एहसास करा दिया था कि विश्व की बेहतरीन स्पेशल फोर्स भारत के पास है। यह देश के लिए गर्व की बात है।

> देश के प्रथम 'परमवीर चक्र' विजेता हिमाचल प्रदेश के मेजर 'सोमनाथ शर्मा' के भाई जनरल 'वीएन शर्मा' सन् 1988 में भारतीय थलसेना के प्रमुख थे। उस वक्त श्रीलंका के आतंकी समूह 'पीपल लिबरेशन ऑफ तमिल ईलम' के लड़ाकों ने पर्यटकों का भेष धारण करके समंदर में बसे देश मालदीव पर हमला करके वहां तख्तापलट को अंजाम दे दिया था।

दृष्टि कोण

चुनावी साल में अंतरिम बजट से उम्मीदें

एक फरवरी को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा लोकसभा में पेश किए जाने वाले वर्ष 2024 के अंतरिम बजट की तैयारियों का अंतिम चरण 24 जनवरी को हलवा वितरण समारोह के साथ आरंभ हुआ। पिछले तीन पूर्ण बजट की तरह नया अंतरिम बजट भी पूरी तरह से पेपरलेस होगा। वस्तुतः इस समय पूरे देश की निगाहें वित्तमंत्री के द्वारा पेश किए जाने वाले अंतरिम बजट की ओर लगी हुई हैं। वस्तुतः देश में जिस साल लोकसभा चुनाव होते हैं, उस वर्ष दो बजट आते हैं। एक अंतरिम बजट और दूसरा पूर्ण बजट होता है। सामान्यतया अंतरिम बजट में नई सरकार बनने तक की व्यय जरूरतों को पूरा करने का उद्देश्य होता है। लेकिन अधिकांश अंतरिम बजटों में लोक लुभावन योजनाओं और बड़ी-बड़ी राहतों का ढेर लगाया जाता रहा है। इस बार वित्तमंत्री सीतारमण वित्तीय अनुशासन के साथ आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जरूरी राहतों और आर्थिक कल्याण की योजनाओं से संतुलित अंतरिम बजट पेश करते हुए दिखाई दे सकती हैं। निःसंदेह इस समय वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट को अंतिम रूप देते समय दो अहम मसले वित्तमंत्री के समक्ष हैं। एक का संबंध उस राजकोषीय गुंजाइश और आकार से है जो फिलहाल केंद्र सरकार के पास अनुकूल स्थिति में है और दूसरा मुद्दा आगामी आम चुनावों में आवश्यक चुनावी लाभ हासिल करने के लिए कुछ नई व्यय योजना की घोषणा और आर्थिक कल्याण को लेकर सरकार की राजनीतिक अनिवार्यता से संबंधित है। वित्तमंत्री ने सीतारमण ने कहा है कि अंतरिम बजट लेखानुदान होगा। पूर्ण बजट लोकसभा चुनावों के परिणामों के कोई एक माह बाद आने की संभावना रहेगी। कहा है कि जिस तरह वर्ष 2000 के बाद प्रस्तुत हुए तीन अंतरिम बजटों में लोक लुभावन बड़ी घोषणाएं की गई थी और कर उपायों की अनदेखी की गई, वह वैसा नहीं करने जा रही हैं। उनके द्वारा लोकसभा चुनाव के पूर्व प्रस्तुत किए जाने वाले नए अंतरिम बजट में वैसी बड़ी-बड़ी लोक लुभावन योजनाओं को शामिल नहीं किया जाएगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि नए अंतरिम बजट के समय वित्तमंत्री सीतारमण के पास आयकर परिदृश्य पर सकारात्मक बदलाव होने का अनुकूल परिदृश्य मौजूद है। हाल ही में एसबीआई की रिसर्च विंग के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2014 से 2022 के पिछले आठ वर्षों में आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में छलांगे लगाकर वृद्धि हुई है। 2023-24 के 31 दिसंबर तक आयकर रिटर्न रिकॉर्ड 8.18 करोड़ के स्तर को पार कर चुका है। जहां पिछले आठ वर्षों में आयकर रिटर्न भरने वाले दोगुने हुए हैं, वहीं आय की असमानता में भी कमी आई है। वित्त वर्ष 2014-22 के दौरान व्यक्तिगत आय असमानता 0.472 प्रतिशत से घटकर 0.402 प्रतिशत हो गई है। इस दौरान 3.5 लाख रुपए के कम आय वाले समूह से 36.3 फीसदी लोग उच्च आय वाले समूह में शामिल हो गए हैं। निःसंदेह वित्तमंत्री के मुठ्ठियों में देश में कर सुधारों से आयकरदाताओं और आयकर संग्रहण के साथ-साथ जीएसटी में लक्ष्य से भी अधिक वृद्धि की बड़ी अनुकूलताएं है। इसके अलावा वित्तमंत्री के पास कुछ और अनुकूलताएं भी हैं, जिनके मद्देनजर वे उपयुक्त जरूरी राहत दे सकती हैं। इस वित्त वर्ष 2023-24 में वित्तमंत्री सीतारमण वित्तीय अनुशासन का पालन करते हुए वे अब तक राजकोषीय घाटे को बजट लक्ष्य के मुताबिक जीडीपी के 5.9 तक नियंत्रित रखते हुए सफलतापूर्वक आगे बढ़ी हैं। यह बात भी स्पष्ट रूप से उभरकर दिखाई दे रही है कि पिछले लोकसभा चुनाव के पहले 2019 के अंतरिम बजट में किसान सम्मान निधि व आयकर राहत देने के लिए जरूरी प्रावधान किए गए थे। चूंकि पिछले माह दिसंबर में राज्यों के उत्साहजनक चुनावी नतीजों में कल्याणकारी योजनाओं की भूमिका अहम मानी गई है, इसे ध्यान में रखते हुए वित्तमंत्री आमजन के हितार्थ कुछ महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक कल्याण की योजनाओं के साथ-साथ छोटे आयकरदाताओं और मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए कुछ जरूरी प्रावधान कर सकती हैं। नए अंतरिम बजट में छोटे आयकरदाताओं व मध्यम वर्ग को कुछ राहत दी जा सकती है। बजट में किफायती आवासों के लोन पर ब्याज पर सब्सिडी बढ़ सकती है। नई मैन्युक्चरिंग यूनिट के लिए आयकर छूट की सीमा बढ़ सकती है। किसानों और महिलाओं के लिए अंतरिम बजट में बड़े ऐलान हो सकते हैं। किसान सम्मान निधि बढ़ाई जा सकती है। नए बजट में राजकोषीय घाटा और विनिवेश लक्ष्य कम हो सकता है। विनिवेश लक्ष्य 50 हजार करोड़ रुपए से नीचे रखा जा सकता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को प्रोत्साहनमूलक राहत दी जा सकती है। जहां विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी करने के लिए सरकार नए अंतरिम बजट से पीएलआई योजना का दायरा बढ़ाते हुए इसे कपड़ा और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों तक विस्तृत कर सकती है, वहीं रियल एस्टेट सेक्टर को भी प्रोत्साहनमूलक राहत दे सकती है। नए अंतरिम बजट में देश में डिजिटल क्रांति को बढ़ाने से संबंधित मोबाइल सेवा प्रदाताओं सहित विभिन्न उत्पादों, बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए अधिक पूंजीगत व्यय के प्रावधान भी दिखाई दे सकते हैं।

कुछ अलग

जिसे अवसाद समझ रहे हैं वह बर्न आउट तो नहीं, लेकिन दोनों में है बड़ा फर्क

यो मामजमनादिं च वेत्ति लोकमहेश्वरम्। असम्मूढः स मर्त्येषु सर्वपापैः प्रमुच्यते।। अर्थात जो मुझको अजन्मा अर्थात वास्तव में जन्मरहित, अनादि और लोकों के महान् ईश्वर तत्व से जानता है, वह मनुष्यों में ज्ञानवान्-पुरुष संपूर्ण पापों से मुक्त हो जाता है। भीष्म पर्व, गीता 10/3 (अर्जुन के प्रति साक्षात भगवान श्रीकृष्ण का गीतोपदेश) आप इतना थका हुआ महसूस कर रहे हैं कि फोन पर किसी से बात करना तो दूर फोन की घंटी बजते ही उसे उठाकर दीवार पर फेंकने को आतुर हैं। आपको न तो अपना घर पसंद आ रहा है और न ही साथ रहने वाले लोग। आपको नहीं पता कि थकान की यह लहर बर्न-आउट है या फिर किसी तरह का अवसाद। आप सही शब्द ढूंढने में नाकाम होकर अपने दोस्तों को बस यही कहते हैं कि मैं थक गया हूं। इंग्लैंड की केंट यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान की प्रोफेसर और लेखिका एंजेला नील-बार्नेट कहती हैं, 'अमूमन बर्न-आउट को काम की अधिकता से जोड़ा जाता है, लेकिन हर मामले में ऐसा नहीं है।' वह कहती हैं, 'जब लोगों को ऐसा महसूस होता है कि दैनिक जीवन पर उनका नियंत्रण नहीं है, तो वे अपने कार्यों की छोटी-छोटी बातों में उलझ कर परेशान हो सकते हैं। ऐसे लोग अपनी नौकरी के प्रति भी अनमने दिखते हैं। जब लोगों को लगता है कि वे कुछ नहीं कर सकते, वे सहानुभूति खोजने लगते हैं और वह न्यूनतम काम करने लगते हैं, जो उन्हें नौकरी पर बनाए रखने के लिए जरूरी हो।' विश्व स्वास्थ्य संगठन भी बर्न-आउट को रोग न मानकर, काम से जुड़ी एक सामान्य घटना मानता है। लेकिन वह अवसाद को रोग मानता है, जिसमें लोग उन गतिविधियों का आनंद उठाने में असमर्थ हो जाते हैं, जिन्हें कभी वे काफी महत्व देते थे। वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जेसी गोल्ड के अनुसार बर्न-आउट और अवसाद दोनों में आप कम या ज्यादा सो सकते हैं, लेकिन अवसाद की अंतिम परिणति इस विचार के साथ हो सकती है कि जीवन जीने लायक नहीं है, जबकि बर्न-आउट में ऐसा नहीं होता। अमेरिकी साइकिएट्रिक ऐसोसिएशन की डॉ रेबेका ब्रेंडल कहती हैं कि दोनों में मुख्य फर्क यह होता है कि जब आप काम से दूर होते हैं, तब बर्न-आउट खत्म होने लगता है, जबकि परिस्थितियां बदलने से अवसाद में कमी नहीं आती। अवसाद की वजहें आनुवंशिक हो सकती हैं या जीवन में किसी दर्दनाक घटना को सहने या फिर बड़े बदलाव से गुजरने वालों में अवसाद की समस्या हो सकती है। बर्न-आउट खुद भी अवसाद के लिए जमीन तैयार कर सकता है। डॉ गोल्ड के अनुसार, 'अवसाद हो या बर्न-आउट दोनों में फर्क जरूर है लेकिन किसी तरह का मूवमेंट दोनों स्थितियों में कारगर साबित हो सकता है। प्रकृति को निहारते हुए दस मिनट की वॉक (व्यायाम की तरह नहीं) से काफी फायदा मिल सकता है। कुछ समय के लिए खुद को मोबाइल स्क्रीन से दूर रखने के भी जादुई नतीजे होते हैं।'

देश दुनीया से

सत्ता और सियासतः बिहार तो सिर्फ एक झलक है, इस 'अनैतिकता' की पूरी जिम्मेदारी राहुल गांधी पर

नीतीश कुमार के पाला बदल लेने से विपक्षी दलों के बीच जो अराजकता और बेचैनी बढ़ी है, उसके जिम्मेदार वे स्वयं हैं। बेशक नीतीश कुमार का पाला बदलना अनैतिक हो सकता है, पर कांग्रेस की अगुआई वाले 'इंडिया' गठबंधन ने इसे होने दिया। जून, 2023 से, जब 'इंडिया' गठबंधन अस्तित्व में आया, कमेटी राज, कई शक्ति केंद्र, एक ही पार्टी को प्रमुखता और संवाद की कमी ने इसका संकेत दे दिया था। यह सुनने में भले अजीब लगे, लेकिन कुछ अस्पष्ट कारणों से कांग्रेस ने अपने ही पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने या गठबंधन का अध्यक्ष बनने से इन्कार कर दिया। इसने एक क्षेत्रीय क्षत्रप को संयोजक के पद से वंचित करने, गठबंधन सचिवालय की स्थापना करने या नेतृत्व के मुद्दे को निपटाने की संभावनाओं को खत्म कर दिया। इस तरह से, इस गड़बड़ी की जिम्मेदारी पूरी तरह से कांग्रेस और गांधी परिवार की है, खासकर राहुल गांधी की, जिन्होंने सीट समायोजन के लिए गठबंधन में आम सहमति बनाने के बजाय न्याय यात्रा को चुना। गांधी परिवार को अफसोस हो रहा होगा कि कैसे उन्होंने नीतीश को 'इंडिया' गठबंधन का संयोजक बनाकर शांत करने का सुनहरा मौका गंवा दिया। सभी लोग जब नीतीश को संयोजक बनाने पर सहमत हो गए थे, तब राहुल ने कथित तौर पर तर्क दिया कि चूंकि ममता बनर्जी नहीं थीं, इसलिए उनकी सहमति ली जानी चाहिए। अगले दो सप्ताह तक राहुल इसे या तो भूल गए या नजर अंदाज करने का फैसला लिया। ममता के साथ कोई बातचीत नहीं हुई, अंततः निराश नीतीश ने भाजपा के साथ मिलने का फैसला किया। भाजपा की रणनीति 2024 के चुनाव में अपनी संभावनाओं को मजबूत करने से ज्यादा विपक्षी गठबंधन को लोकसभा सीटों से वंचित करने से प्रेरित है। अब मई, 2024 के बाद की पटकथा लिखने की कोशिश हो रही है, जिसमें क्षेत्रीय दल कांग्रेस को दोषी ठहराने की योजना बना रहे हैं। कांग्रेस के भीतर भी राहुल के वफादार नेता खरगे को दोषी ठहराने में रुचि रखते हैं, जबकि कांग्रेस के भीतर आम तौर पर लोग राहुल के खिलाफ हैं। प्रियंका गांधी की अनुपस्थिति संकेत देती है कि 10 जनपथ के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। मई, 2024 के बाद कांग्रेस में औपचारिक विभाजन को खारिज नहीं किया जा सकता है। नीतीश कुमार के इस पालाबदल से जहां विपक्षी गठबंधन को तगड़ा झटका लगा है, वहीं आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं। हालांकि हिंदी पट्टी में भाजपा की स्थिति मजबूत है, पर पार्टी किसी तरह का जोखिम लेना नहीं चाहती थी। इसलिए नीतीश को अपने पाले में लाकर उसने कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन की जो थोड़ी भी संभावना थी, उसे ध्वस्त कर दिया है। इसके अलावा, भाजपा लोकसभा चुनाव से ठीक पहले वह एक और राज्य में सत्ता में साझेदार बन गई है और जदयू के लिए राहत की बात है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर उसके नेता नीतीश कुमार ही बने हुए हैं। जब-जब भाजपा और जदयू ने मिलकर चुनाव लड़ा है, उसके नतीजे अच्छे ही आए हैं। पिछली बार लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जदयू के साथ मिलकर बिहार की 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। राज्य में मुख्यमंत्री कौन बनेगा, उससे ज्यादा महत्वपूर्ण भाजपा के लिए लोकसभा चुनाव था। भाजपा की रणनीति है कि विपक्षी गठबंधन की एकता को झटका देकर कैसे उसे लोकसभा सीटों से वंचित रखा जाए। पश्चिम बंगाल और पंजाब में पहले ही इंडिया गठबंधन में दरार पैदा हो गई है, हालांकि तृणमूल कांग्रेस और आप अभी इंडिया गठबंधन में बने हुए हैं। विपक्षी एकता के बारे में कहना जितना आसान है, उतना करना नहीं। अतीत में कई ऐसे मौके आए हैं, जब विभिन्न दलों एवं विचारधाराओं के लोग 1977, 1989, 1996, और 2004 में एकजुट हुए।

> जून, 2023 से, जब 'इंडिया' गठबंधन अस्तित्व में आया, कमेटी राज, कई शक्ति केंद्र, एक ही पार्टी को प्रमुखता और संवाद की कमी ने इसका संकेत दे दिया था। यह सुनने में भले अजीब लगे, लेकिन कुछ अस्पष्ट कारणों से कांग्रेस ने अपने ही पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने या गठबंधन का अध्यक्ष बनने से इन्कार कर दिया। इसने एक क्षेत्रीय क्षत्रप को संयोजक के पद से वंचित करने, गठबंधन सचिवालय की स्थापना करने या नेतृत्व के मुद्दे को निपटाने की संभावनाओं को खत्म कर दिया।

आप का नजरीया

पलट के नीतीश एनडीए में

बीते बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच करीब तीन घंटे की बैठक प्रधानमंत्री आवास में हुई थी। वह असामान्य बैठक थी। उनके सामने बिहार पर सर्वे की एक रपट भी थी, जो भाजपा ने कराया था। सर्वे का निष्कर्ष था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा, अपने सभी घटक दलों समेत, 20-22 सीटें ही जीत सकती है। सर्वे अयोध्या राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले कराया गया था। सर्वे में यह भी सामने आया कि उसके प्रभाव से 5-7 सीटें ही बढ़ सकती हैं। 2019 में भाजपा ने जद-यू के साथ 40 में से 39 सीटें जीती थीं। जाहिर है कि विमर्श का बिंदु बिहार और नीतीश कुमार रहे होंगे! अंततः यह तय हुआ कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का सूत्रधार ही पाला बदल कर भाजपा से मिल जाए, तो चुनावी फायदा हो सकता है। कमोबेश अति पिछड़ा वर्ग के 'सरप्लस वोट' भी भाजपा के पक्ष में आ सकते हैं। लंबे विमर्श के बाद प्रधानमंत्री ने नए गठबंधन को 'ओके' कह दिया। उसके बाद ही तय हो गया था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर 'पलटी' मार कर भाजपा से जुड़ेंगे। जो पटकथा लिखी गई थी, उसी के मद्देनजर नीतीश ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा राज्यपाल को सौंपा। नतीजतन कथित महागठबंधन की सरकार ढह गई। इस्तीफा देने के बाद नीतीश ने मीडिया से पुष्टि की और कहा कि गठबंधन में काम नहीं हो पा रहा था। यहां और वहां के लोगों को तकलीफ थी, लिहाजा हमने गठबंधन छोड़ दिया है। अब नया गठबंधन बन रहा है। आप खुद देखिएगा। बहरहाल रविवार को ही नीतीश कुमार का एनडीए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण करना महज औपचारिकता थी। उनके साथ भाजपा के दो उपमुख्यमंत्रियों ने भी शपथ ली है। सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के नाम लिए गए। सम्राट बिहार भाजपा के अध्यक्ष भी हैं। बिहार का राजनीतिक परिदृश्य पूरा ही बदल गया और लालू यादव, कांग्रेस खेमा मूकदर्शक ही बने रहे। इस बार नीतीश का मोहभंग होने और पलटी मार कर एनडीए में लौटने में सिर्फ डेढ़ साल लगा। नीतीश अगस्त, 2022 में भाजपा को छोड़ कर लालू यादव खेमे में गए थे। पलटी मारने की दलीलें नीतीश की वही रही हैं, जो 2022 और उससे पहले 2017 में थीं। आश्चर्य है कि भाजपा और राजद दोनों ही जद-यू को तोडऩे की साजिश रचती रहती हैं और नीतीश बार-बार उन्हीं के साथ सरकार बनाते रहे हैं। दरअसल एक सवाल जनादेश, सरकार, पलटीमार राजनीति और लोकतंत्र को लेकर है। गौरतलब है कि 1995 से नीतीश कुमार ने विधायक का चुनाव ही नहीं लड़ा है। वह लगातार विधान परिषद में रहे हैं। उनके दलों को भी बहुमत का जनादेश कभी भी नहीं मिला है। फिर भी वह 9वीं बार मुख्यमंत्री बने हैं। यह देश का राजनीतिक रिकॉर्ड है कि एक ही नेता ने, एक ही कार्यकाल के दौरान, तीन-चार बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। सवाल है कि नीतीश कुमार में ऐसा क्या आकर्षण है कि भाजपा और राजद दोनों ही उन्हें 'पलटी' मारने को समर्थन देते रहे हैं और उन्हें मुख्यमंत्री भी बनवा देते हैं? क्या नीतीश बिहार के राजनीतिक समीकरणों की विवशता हैं कि बहुमत न होने के बावजूद वह मुख्यमंत्री बने हुए हैं? क्या यह पलटीमार राजनीति की अवसरवादिता नहीं है? मौजूदा जनादेश 2020 में भाजपा-जदयू को मिला था, क्योंकि दोनों ने साझा तौर पर चुनाव लड़ा था। उसके बाद का घटनाक्रम देश के सामने है।

जनता ने अशोक गहलोत को प्यासे कंठों पर राजनीति करने की सजा दी : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर प्यासे कंठों पर राजनीति करने का बड़ा आरोप लगाया। शेखावत ने दो टूक कहा कि जनता ने उनको पाप की सजा दी है। जोधपुर के एलीवेडेट प्रोजेक्ट पर शेखावत ने कहा कि यह बहुत जल्दी होने वाला है। सोमवार सुबह अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे शेखावत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पूर्वी राजस्थान में सिंचाई के निमित्त अटलजी के समय पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदियों को जोड़ने की परिकल्पना की गई थी, लेकिन मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्यों के बीच सहमति न बन पाने के कारण परियोजना को स्थगित कर दिया गया। बाद में वसुंधरा राजे की सरकार के समय राजस्थान के पूर्वी हिस्से के 13 जिलों में पेयजल और सिंचाई को लेकर पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) की कल्पना की गई थी, लेकिन मध्य प्रदेश व राजस्थान के बीच सहमति न बन पाने के कारण और अशोक गहलोत सरकार की हठधर्मिता के चलते हुए वो भी सिरे नहीं चढ़ पाई। शेखावत ने कहा कि अशोक गहलोत इसको राजनीतिक गोटी की तरह इस्तेमाल कर रहे थे। बार-बार इसको लेकर राजनीतिक लाभ के लिए टिप्पणियां करते थे। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि मैंने

प्रधानमंत्री जी से निवेदन किया था तो उन्होंने कहा कि कहीं भी रुकने से समाधान नहीं होता, इससे आगे सोचने है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने पूरे देशभर के हाइड्रोलॉजी के विशेषज्ञ और मध्य प्रदेश व राजस्थान के इंजीनियर्स को साथ बैठाकर पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना तथा ईआरसीपी को इंटीग्रेटेड कर एक नदी जोड़ने की परियोजना, जिससे दोनों राज्यों को लाभ हो सके, पर विचार किया। उन्होंने कहा कि जैसा मैंने चुनाव से पहले भी कहा था, सुप्रीम कोर्ट ने जो इंटरलिंकेज ऑफ रिवर के लिए कमेटी बनाई है। उस कमेटी ने इसको अप्रूव कर दिया था और इंटरलिकेंज ऑफ रिवर्स के रूप में मान्यता प्रदान की थी। कमेटी ने इसको नेशनल पर्सपेक्टिव प्लान के तहत प्राथमिकता के साथ करेंगे, उस रूप में मान्यता प्रदान की थी। शेखावत ने कहा कि उस समय भी हमने अधिकारियों के स्तर पर चर्चा की थी, लेकिन दुर्भाग्य से, क्योंकि राजनीतिक रूप से अशोक गहलोत सरकार इसको नहीं करना चाहती थी, अधिकारियों के स्तर पर सहमति बन जाने के बावजूद भी यह नहीं हो पा रही थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दोनों राज्यों की सरकारी बदली और मैंने चुनाव के समय भी कहा था कि अशोक गहलोत जिस तरह से प्यासे कंठों पर राजनीति कर रहे हैं। जिस तरह से सूखी धरती और किसान की अपेक्षाओं के ऊपर राजनीति करने, अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इसको चारे और गोटी के रूप में उपयोग में लेने का पाप कर रहे हैं। इस पाप का दंश उनको निश्चित रूप से भोगना पड़ेगा। शेखावत ने कहा कि जनता ने उनको पाप की सजा दी और जैसा मैंने कहा था कि आने वाले समय में हम पहली कैबिनेट के साथ में इसको पूरा करेंगे। रविवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव दोनों साथ बैठे, अधिकारियों के साथ बैठकर इसमें जितने भी गतिरोध थे, उनको हटाकर हमने इस परियोजना के समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। यह निश्चित रूप से 13 जिलों के लिए एक जीवनदायनी गंगा के रूप में तो होगी, लेकिन साथ-साथ वहां के आर्थिक परिदृश्य को बदलने में बहुत बड़ी भूमिका का निर्वाहन करेगी। इससे पहले राजस्थान को ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) की ऐतिहासिक सौगात देने के बाद गृह नगर जोधपुर पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का जोरदार स्वागत किया। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए शेखावत को शुभकामना दी और आभार जताया।

महिलाओं ने मेहनताना नहीं मिलने से सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

जींद (हिंस)। गांव नगूरां आंगनबाड़ी केंद्रों में सोमवार को काम करने वाली मदर ग्रुप की महिलाओं को करीब एक साल से मेहनताना नहीं मिलने के चलते सोमवार को सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया है। नगूरां निवासी मदर ग्रुप की महिला सुदेश, पूनम, बिमला, आशा, पूनम, सरोज, रामरति, प्रीति, ओमी, रतो, किरण, बीरो आदि ने बताया कि वह काफी समय से आंगनबाड़ी केंद्रों पर मदर ग्रुप के रूप में काम कर रही है। मेहनताना के रूप में उनको प्रति बच्चा एक रुपए 60 पैसे मिलते हैं। जिसमें सिलेंडर भरवाने लेकर राशन पकाने तक उनका अपने घर से खर्चा होता है, लेकिन करीब एक साल से उनको मेहनताना के रूप में एक रूपया नहीं मिल रहा है। जिसके कारण उनको बच्चों का खाना बनाने को लेकर सिलेंडर आदि को भरवाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए अनेक बार विभाग के उच्चाधिकारियों को अवगत करवा चुके है, लेकिन उनकी किसी प्रकार की सुनवाई नहीं हो रही है। महिलाओं ने विभाग के उच्चाधिकारियों से उनका मेहनताना जल्द से जल्द दिलवाने की मांग की है ताकि उनको बच्चों को खाना आदि बनाने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

हरियाणा सरकार से पटवारियों की वार्ता विफल, जारी रहेगी हड़ताल

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार तथा प्रदेश के हड़ताली पटावारियों के बीच सोमवार को हुई वार्ता फेल हो गई। प्रदेश में अब पटवारियों की हड़ताल 31 जनवरी तक जारी रहेगी। इसके बाद पटवारी आगे की रणनीति पर फैसला करेंगे। राज्य में पटवारियों और कानूनगो ने एसोसिएशन के आह्वान पर तहसीलों में धरना-प्रदर्शन चल रहे हैं। हड़ताल के कारण लोगों को तहसीलों में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जमीन की रजिस्ट्री और ट्रांसफर सहित पटवारी और कानूनगो के अंतर्गत आने वाले 75 तरह के काम नहीं हो रहे हैं। नए साल की शुरुआत से ही यह सभी काम पूरी तरह ठप पड़े हैं। सोमवार को चंडीगढ़ में सरकार के साथ हुई मीटिंग बेनतीजा रही। मीटिंग के बाद पटवारी एवं कानूनगो एसोसिएशन प्रधान जयबीर चहल ने बताया कि वित्त विभाग के अतिरिक्ति मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के साथ सोमवार को हुई पहले दौर की बैठक में दो प्वांइट पर चर्चा हुई है। उन्होंने बताया कि हमने एडिशनल चीफ सेक्रेटरी के समक्ष ग्रेड-पे की मांग रखी थी। वार्ता के दौरान जो बातें हुई हैं, उससे यूनियन संतुष्ट नहीं हैं। अब एसोसिएशन की बैठक एफसीआर के साथ होगी। चहल ने बताया कि वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के साथ वार्ता में पे-ग्रेड में संशोधन और एसीपी के मुद्दे पर पेंच फंसा रहा। वित्त सचिव का तकुर्क था कि पे स्केल को बढ़ाने में कानूनी अड़चनें हैं, जबकि पटवारियों का कहना था कि जब पे स्केल को एक जनवरी 2016 से बढ़ाने के आदेश जारी हुए हैं, तो इसका लाभ भी उसी दिन से दिया जाना चाहिए। चहल ने कहा कि बैठक में जो बातें हुई हैं, उससे हम संतुष्ट नहीं हैं। जल्द ही राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और वित्तायुक्त राजस्व टीवीएसएन प्रसाद के साथ मीटिंग हो सकती है। इसके बाद ही आगे की रणनीति बनाई जाएगी। पटवारियों का कहना है कि हड़ताल 31 जनवरी तक जारी रहेगी, उसके बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा। पटवारियों की इस हड़ताल से सरकार को भी करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान अभी तक हो चुका है।

पनाह देने के आरोप में लश्कर-ए-तैयबा से संबंधित सहयोगी का एक आवासीय घर कुर्क

बडगाम (हिंस)। बडगाम पुलिस ने सोमवार को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में लश्कर-ए-तैयबा से संबंधित सहयोगी के एक आवासीय घर को कुर्क कर लिया है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि जांच के दौरान यह सामने आया कि लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के सहयोगी मोहम्मद रमजान मीर पुत्र अब्दुल सलाम मीर निवासी रुडबुघ मागम की संपत्ति आतंकवाद की आय के रूप में हासिल की गई है। उन्होंने कहा कि सोमवार को बडगाम पुलिस ने एक आतंकवादी सहयोगी मोहम्मद रमजान मीर पुत्र अब्दुल्ल के आवासीय घर को कुर्क कर लिया। सलाम मीर निवासी रुडबुघ मगाम जो प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर का सहयोगी है। पुलिस थाना मगाम में दर्ज मामले में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम की जांच के दौरान यह सामने आया कि रुडबुघ मागम निवासी मोहम्मद रमजान मीर की संपत्ति को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम की धारा 2 (जी) के तहत आतंकवाद की आय के रूप में अर्जित किया गया था, जिसका उपयोग जानबूझकर आतंकवादियों को शरण देने के लिए भी किया गया था। उन्होंने ऐसी सभी संपत्तियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने के अपने प्रयास जारी रखने के पुलिस के संकल्प को दोहराया जिनका उपयोग जानबूझकर आतंकवादियों को शरण देने के लिए किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने भेजा ईडी को पत्र, 31 को सीएम से पूछताछ के लिए दिया गया समय

रांची (हिंस)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पूछताछ के लिए 31 जनवरी को मुख्यमंत्री आवास आने के लिए कहा गया है। जानकारी के मुताबिक ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय को मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से इससे संबंधित पत्र भेजा गया है। पत्र में 31 जनवरी को पूछताछ के लिए आने को लेकर समय की जानकारी दी गई है। इससे पहले सोमवार को ईडी की टीम जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ करने के लिए दिल्ली स्थित हेमंत सोरेन के आवास पर पहुंची। हेमंत सोरेन के दक्षिणी दिल्ली के पॉश इलाके शांति निकेतन आवास पर पहुंची। उनके आवास के बाहर और अंदर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात थे। इधर, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व्यक्तिगत काम से दिल्ली गए हैं। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों को 31 जनवरी की दोपहर एक बजे रांची स्थित अपने आवास पर बुलाया है, ताकि ईडी अधिकारी कथित जमीन हेराफेरी के मामले में उनका बयान दर्ज कर सकें। ईडी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर उनका बयान फिर से दर्ज करने की इच्छा जताई थी। मुख्यमंत्री ने उसका जवाब भेज दिया है। भट्टाचार्य ने सोमवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 20 जनवरी को सहायक आयुक्त के नेतृत्व में ईडी की सात सदस्यीय टीम कुछ जानकारियों के लिए सीएम हाउस आयी थी। 17-18 सवाल मुख्यमंत्री से किए थे। हालांकि पूर्व में जो समन उन्हें जारी किया था, उसमें पीएमएलए की धारा 50 के तहत यह नहीं आता। बड़गाईं जमीन के बारे में पूछा। इसका पता पूर्व में लगाया था तो यह बात सामने आयी थी कि यह तो भुईंहरी प्रवृत्ति की जमीन है जिसकी खरीद बिक्री संभव नहीं। इस पूछताछ के बाद भी मुख्यमंत्री को 31 जनवरी तक कुछ बिंदुओं पर जानकारी के लिए ईडी की ओर से कहा गया। इसमें दिक्कत नहीं है, जो भी जानकारी चाहिये, दी जायेगी। भट्टाचार्य ने आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव आयोग के पास लोक प्रतिनिधियों से संबंधित सारी जानकारियां रहती हैं। पर ईडी उसे आधार नहीं बना रही। सोहराय भवन, रांची के अलावा 2018-2022 की अवधि में हुए ट्रांजेक्शन का रिकॉर्ड भी मांगा गया था। यह भवन मुख्यमंत्री की पत्नी के नाम पर है। जब कहीं से कोई चीज नहीं बनी तो राजनीतिक इशारे पर मुख्यमंत्री को परेशान करने का खेल चल रहा। सब जानते हैं कि मुख्यमंत्री का प्रोग्राम कुछ जरूरी असाइनमेंट को छोड़ 1-3 माह तक का पूर्व से तय रहता है। नौ फरवरी से वित्तीय वर्ष 2024-25 का विधानसभा का बजट सत्र तय है। अभी ऐसे में ईडी के स्तर से पूछताछ के लिए इस तरह से किया जाना गैर वाजिब है। दूसरा संवैधानिक प्रक्रियाओं के निर्वहन में भी इससे सरकार को दिक्कत होती है। जानबूझकर अभी हौवा क्रिएट किया जा रहा है। दिल्ली में मुख्यमंत्री के आवास और झारखंड भवन में ईडी की दबिश पर भट्टाचार्य ने कहा कि आज की कार्रवाई झामुमो को डराने के लिए की गई है, जिससे हम डरने वाले नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि 25 जनवरी को रांची जमीन घोटाला मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा पूछताछ के लिए वक्त नहीं देने पर ईडी ने ईमेल के जरिए संदेश भेजा था। संदेश में ईडी ने मुख्यमंत्री को पूछताछ के लिए 29 या 31 जनवरी का वक्त देने को कहा था। ईडी ने अपने संदेश में यह भी लिखा था कि अगर मुख्यमंत्री 29 या 31 जनवरी का वक्त नहीं देंगे, तो एजेंसी के अधिकारी स्वयं उनके पास जाकर पूछताछ करेंगे। इसी बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 27 जनवरी को दिल्ली रवाना हो गए थे। उल्लेखनीय है कि 20 दिसंबर को एक बार हेमंत सोरेन से पूछताछ हो चुकी है। उस दिन की पूछताछ से ईडी की टीम पूरी तरह संतुष्ट नहीं थी। इसलिए उसने एक बार फिर मुख्यमंत्री को समन भेजा। हेमंत सोरेन को भेजे गए 10वें समन में कहा गया कि वे 29 से 31 जनवरी के बीच किस दिन पूछताछ के लिए उपलब्ध रहेंगे, 28 जनवरी तक इसकी जानकारी दें। इसमें कहा गया था कि अगर आप नहीं आए, तो पूछताछ करने के लिए हम आएंगे। इसके जवाब में मुख्यमंत्री कार्यालय से ईडी कार्यालय को एक चिट्ठी भेजी गई। इसमें कहा गया कि अभी वह व्यस्त हैं। बाद में समय बताएंगे।

केजरीवाल सरकार के विकास-कार्यों को पचा नहीं पा रही भाजपा : मनोज राठी

हिसार (हिंस)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज राठी ने जींद में हुई आम आदमी पार्टी की रैली को सफल बताते हुए कहा कि इससे विपक्ष की बोलती बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि रैली में भारी संख्या में पहुंचकर जनता ने दिल्ली व पंजाब के मुख्यमंत्रियों के अलावा अन्य वरिष्ठ नेताओं के विचार व आगामी रणनीति को सुना। जींद रैली को सफल बताते हुए मनोज राठी ने सोमवार को कहा कि जींद में हुई आम आदमी पार्टी की रैली में भारी संख्या में जनता ने उत्साह से भाग लिया। जनता ने इसमें शामिल होकर दर्शा दिया है कि उनका रूझान अब आम आदमी पार्टी की तरफ है। कांग्रेस व भाजपा ने जनता को ठगने के सिवाय कभी कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली व पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकारों द्वारा शिक्षा व शिक्षा व्यवस्था की दशा सुधारने, अस्पतालों की दशा सुधारने, मोहल्ला क्लीनिक खोलने व अन्य विकास कार्य करवाने से जनता उत्साहित है। जनता अच्छी तरह से समझ व जान चुकी है कि केवल आम आदमी पार्टी ही विकास का पर्याय है।

कैबिनेट की बैठक में चार एजेंडे पर मुहर

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में राजग सरकार की पहली कैबिनेट की बैठक में कुल 4 एजेंडे पर मुहर लगी। जिनमें संसदीय कार्य से दो और वित्त विभाग के दो एजेंडे थे। सदन का सत्र बुलाए जाने के लिए सीएम नीतीश को अधिकृत किया गया है। बजट सत्र 5 फरवरी को आगे बढ़ाया गया है। आज शाम तक मंत्रिमंडल विस्तार और विभागों का बंटवारा हो सकता है। कैबिनेट बैठक शुरू होने से पहले डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने सीएम नीतीश के ऑफिस पहुंच कर बात की।

राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीट जीतेगें : पंचारिया

भीलवाड़ा (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी का लोकसभा चुनावों के मद्देनजर भाजपा जिला कार्यालय पर प्रदेश के प्रथम लोकसभा क्षेत्र कार्यालय का उद्घाटन सोमवार को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं क्लस्टर प्रभारी नारायण पंचारिया ने किया। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ की अध्यक्षता एवं जिला प्रभारी रतनलाल गाडरी, सांसद सुभाष बहेड़िया, जिला प्रमुख बरजी देवी भील, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, पूर्व विधायक विट्ठलशंकर अवस्थी, सभापति राकेश पाठक के सान्निध्य में यह कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने कहा लोकसभा चुनाव 2024 में राजस्थान की 25 सीटों पर ही भाजपा जीतेगी। प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में विशावास दोबारा लोकसभा चुनाव में दिखेगा। प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया सोमवार को यहां मीडिया से वार्ता में कहा कि लोकसभा चुनाव की तैयारियों के तहत आज भीलवाडा प्रवास पर आया हूं। पार्टी ने जिस प्रकार की योजना लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बनाई है उस पर आज बैठक भी ली। इससे पूर्व वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा पाठ के साथ विधिवत रूप से लोकसभा कार्यालय के उद्घाटन के बाद प्रदेश उपाध्यक्ष पंचारिया ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनना तय है। प्रदेश से भी सभी 25 लोकसभा सीटें जीतकर केंद्रीय नेतृत्व को भेंट करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं क्लस्टर प्रभारी नारायण पंचारिया ने बाद में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भीलवाड़ा लोकसभा कोर कमेटी की आवश्यक बैठक भाजपा जिला कार्यालय पर ली। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि बैठक में पंचारिया ने लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए रणनीति तैयार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में सभी वर्गों व समुदायों को साथ लेकर भीलवाड़ा लोकसभा से भाजपा को देश में सर्वाधिक मतों से ऐतिहासिक जीत दिलानी है। उन्होंने लोकसभा चुनावों को लेकर विभिन्न जिम्मेदारियां दिए जाने को लेकर भी विस्तृत चर्चा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। बैठक में जिला प्रभारी रतनलाल गाडरी, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, सांसद सुभाष बहेडिया, जिला प्रमुख बरजी देवी भील, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, पूर्व विधायक विट्ठलशंकर अवस्थी, नगरपरिषद सभापति राकेश पाठक, वरिष्ठ नेता पेंटर सूरज, कैलाश मेहता, जिला महामंत्री राजकुमार आंचलिया, वेदप्रकाश खटीक, भगवतीप्रसाद जोशी उपस्थित रहे ।

बसपा से नाराज नेता आएं हमारे साथ : रामदास अठावले

लखनऊ, (हिंस)। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के नाराज नेताओं को आरपीआई के आने का निमंत्रण दिया। रामदास अठावले ने कहा कि बसपा में नाराज नेता ने हमारी पार्टी में आ सकते हैं। जो कि अध्यक्ष मायावती हमारे साथ आएं तो उनका भी स्वागत है। मायावती को आरपीआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना देंगे। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने लखनऊ में मीडिया से बातचीत में कहा कि बाबा साहब के बनाए संविधान पर सवाल उठाना बाबा साहब का अपमान है। उत्तर प्रदेश में हम चाहते हैं कि बसपा से नाराज नेता ने हमारे साथ आएं। बाबा साहब अम्बेडकर के सिद्धांत को आगे बढ़ाना है तो बसपा के नेताओं को आरपीआई में शामिल होना चाहिए। बसपा नेताओं के लिए बेहतर विकल्प आरपीआई बनेगी। आईएनडीआईए गठबंधन पर केंद्रीय मंत्री रामदास ने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन में सब टूट रहे हैं। बिहार में नीतीश कुमार का निर्णय सही है। बंगाल में ममता अकेले चुनाव लड़ेगी, हर जगह गठबंधन टूट रहा है। महाराष्ट्र में लोकसभा सीटों पर उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में दो सीटें गठबंधन में मांगी है। शिरडी लोकसभा सीट पर हमारी पूरी तैयारी है। उत्तर प्रदेश में भी अगर लोकसभा चुनाव में उन्हें सीट मिलती है तो निश्चित ही उसे सीट पर आरपीआई जीत दर्ज करेगी।

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार से की कोरोना वॉरियर्स के समायोजन की मांग

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से पार्टी मुख्यालय में सोमवार को कोरोना वॉरियर्स मिले। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी देते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने पोस्ट कर लिखा कि उप्र में कोविड के दौरान जिन कर्मचारियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों को जीवनदान दिया उन *कोविड वॉरियर्स* की एनएचएम में समायोजन की मांग भाजपा सरकार क्यों अनसुनी कर रही है। सपा भी *कोरोना वॉरियर्स* की मांग को तत्काल पूरा करने की मांग करती है।

देश भर से किसान 13 फरवरी को दिल्ली पहुंचेंगे : लखविंदर सिंह औलख

सिरसा (हिंस)। भारतीय किसान एकता बीकेई ने अपनी मांगों को लेकर 13 फरवरी दिल्ली कूच के लिए देशभर के किसान तैयारियां कर रहे हैं। बीकेई के प्रदेशाध्यक्ष लखविंदर सिंह औलख सोमवार को ऐलनाबाद में किसान विश्राम गृह में प्रकाश ममेरां की अध्यक्षता में किसानों की मीटिंग को संबोधित करते हुए कहा। ममेरां ने सबके विचार लिए, जिसमें सभी ने दिल्ली कूच के लिए सहमति जताई। औलख ने आंदोलन की मांगों के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें मुख्यत:

स्वामीनाथन आयोग सी2 प्लस 50 प्रतिशत के तहत एमएसपी पर फसल खरीद का गारंटी कानून, किसान व मजदूर की संपूर्ण कर्जा माफी, नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत किसानों की जमीनों को लूटना बंद करें सरकार, किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों को इंसाफ, अजय मिश्रा टैनी व उसके बेटे सहित सभी दोषियों को सजा मिले, बिजली संशोधन बिल वापस लिया जाए, भारत डब्ल्यूटीओ से बाहर आए, फसलों पर इंपोर्ट ड्यूटी हटाकर किसानों को बर्बाद ना किया जाए, नरमे सहित सभी फसलों के बीजों में सुधार किया जाए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में सुधार किया जाए व बीमा प्रीमियम राज्य की सरकारें स्वयं अदा करें।

प्रधानमंत्री की *परीक्षा पे चर्चा* को शिक्षा नगरी के विद्यार्थियों ने सराहा

कोटा (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बोर्ड परीक्षा 2024 से पहले सोमवर को देशभर के 10वीं और 12वीं बोर्ड के विद्यार्थियों में तनाव कम करने के लिए *परीक्षा पे चर्चा* की। इसका लाइव प्रसारण दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम से किया गया। स्कूली विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री के इस उपयोगी कार्यक्रम को बहुत सराहा। शिक्षा नगरी कोटा में प्रधानमंत्री के लोकप्रिय कार्यक्रम *मन की बात* के तहत परीक्षा पे चर्चा को जिले के विद्यार्थियों ने बहुत ध्यान से सुना। पीएम मोदी ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बोर्ड परीक्षा से पहले होने वाले तनाव और डर को कम करने के लिए बातचीत कर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कुछ बच्चों से सीधी बात भी की। विद्यार्थियों ने कहा कि पीएम मोदी देशभर के स्कूली विद्यार्थियों का मानसिक तनाव दूर कर उन्हें सकारात्मक तैयारी करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम का लाईव प्रसारण सोमवार को कोटा जिले के विभिन्न स्कूलों में किया गया। मुख्य कार्यक्रम राजकीय मोंटेसरी स्कूल में किया गया। जहां क्षेत्र के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में सीडीईओ चारू मित्रा सोनी, डीईओ के के शर्मा सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं संस्था प्रधानों ने भाग लिया।

राज्यसभा की छह सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित

पटना (हिंस)। केंद्रीय चुनाव आयोग ने बिहार के साथ अन्य राज्यों के राज्यसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। बिहार में राज्यसभा की छह सीटों के लिए चुनाव होना है। घोषणा के अनुसार 8 फरवरी को चुनाव की अधिसूचना जारी होगी। नामांकन की अंतिम तारीख 15 फरवरी है। नामांकन पत्रों की जांच 16 फरवरी, नाम वापसी का समय 20 फरवरी है। चुनाव 27 फरवरी को होंगे। उसी दिन शाम में 5 बजे से मतों की गणना होगी। दरअसल, बिहार में राज्यसभा के लिए छह सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल माह में खत्म हो रहा है। इनमें राजद के मनोज कुमार झा और अहमद अशफाक करीम, जदयू के अनिल प्रसाद हेगड़े और बशिष्ठ नारायण सिंह, भाजपा के सुशील कुमार मोदी और कांग्रेस के अखिलेश प्रसाद सिंह का कार्यकाल पूरा होने वाला है।

महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि के साथ मनाया गया भारतीय समाचार पत्र दिवस

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के तिरसकुंड प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में स्कूली बच्चों ने सोमवार को महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि के साथ भारतीय समाचार पत्र दिवस मनाया। इस अवसर पर महाराणा प्रताप के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान शिक्षक कुमार राजीव रंजन ने बच्चों को जानकारी देते हुए बताया कि महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कंभलगढ दुर्ग में हुआ था। उनके माता जयवंत बाई और पिता उदय सिंह थे। उनको बचपन में फीका कह कर बुलाया जाता था। महाराणा प्रताप उन चुनिंदा शासको में एक है जिनकी वीरता शौर्य और पराक्रम के किस्से और संघर्ष के गाथा सुनकर लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। अमर राष्ट्र नायक दृढ़ प्रतिज्ञा और स्वाधीनता के लिए जीवन भर मुकाबले के लिए जीवन भर प्रयासरत रहे। उन्हें जंगल में घास की रोटी खाना मंजूर था, पर अकबर की प्रलोभन भरी अधीनता कतई स्वीकार नहीं था। इस प्रकार 57 वर्ष की आयु में 29 जनवरी 1597

को उनकी मृत्यु हो गई। इस अवसर बच्चों ने महाराणा प्रताप अमर रहे एवं आधी रोटी खाएंगे फिर भी स्कूल जाएंगे कि गगन भेदी नारे लगाए। चेतना सत्र दिवस ज्ञान अंतर्गत भारतीय समाचार पत्र दिवस के मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधान शिक्षक कुमार राजीव रंजन ने कहा कि इस दिन को अत्यंत महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। क्योंकि यह वह दिन है जब भारत में पहली बार समाचार पत्र प्रकाशित हुआ था। बता दें कि 29 जनवरी 1780 ई. को ब्रिटिश राज के तहत जेम्स आगस्त हिक्की द्वारा द बंगाल गजट नाम के अखबार प्रकाशित किया गया था। बच्चों ने बच्चों के द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर भारत समाचार पत्र दिवस लिख भारत समाचार पत्र दिवस मनाया।

बिजनेस साइकल फंड मंदी और सुधार में अच्छा विकल्प, हर चरणों में मिलता है बेहतर रिटर्न

नई दिल्ली ।
कारोबारी जगत हमेशा कई चरणों से गुजरता है। कभी मंदी होती है, कभी वृद्धि तो कभी रिकवरी होती है। ऐसी स्थितियों में म्यूचुअल फंड के बिजनेस साइकल फंड एक बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं।

आमतौर पर किसी कारोबारी चक्र में वृद्धि, मंदी और रिकवरी के सभी चरण शामिल होते हैं। प्रत्येक चरण किसी न किसी खास सेक्टर को प्रभावित करता है। वृद्धि के चरण में कंपनियां विस्तार की योजनाएं बनाती हैं और इस दौर में नौकरी के अवसर बहुत अधिक होते हैं। ग्राहक उपयोग की वस्तुओं पर पैसा खर्च करते हैं। इसके विपरीत, मंदी के चरण में ग्राहक और व्यवसाय दोनों घबरा जाते हैं, जिससे खर्च में देरी, बंद पड़े कारखाने, लागत में कटौती और छंटनी की जाती है।

अवसरों का फायदा उठाता है यह फंड

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बिजनेस साइकल फंड एक इक्विटी केंद्रित फंड है जो आर्थिक चक्र के विभिन्न चरणों के आधार पर कंपनियों में निवेश करता रहता है। ऐसे फंड में, फंड मैनेजर आर्थिक चक्र के किसी खास चरण से उत्पन्न होने वाले अवसरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों और शेयरों में निवेश का निर्णय लेता है। यह फंड इस थीम पर आधारित सबसे शुरुआती फंडों में से एक था।

तीन साल में करीब दोगुना लाभ

यदि किसी निवेशक ने 18 जनवरी, 2021 को इस फंड में एक लाख रुपये का निवेश किया था, तो एक जनवरी, 2024 तक उस निवेश का मूल्य 1.93 लाख रुपये हो गया, यानी 24.96 फीसदी का सालाना चक्रवृद्धि (सीएजीआर) रिटर्न। स्कीम के बेंचमार्क निफ्टी 500 टीआरआई में यही रकम 1.66 लाख रुपये रही, यानी केवल 12.59 फीसदी का सीएजीआर रिटर्न मिला है।

एसआईपी में भी अच्छा रिटर्न

एसआईपी की बात करें तो 10,000 रुपये का मासिक निवेश कुल 3.60 लाख रुपये हुआ, लेकिन इसका मूल्य बढ़कर 5.23 लाख रुपये हो गया होगा। 26.84 फीसदी का सीएजीआर रिटर्न। निफ्टी 500 टीआरआई में समान निवेश पर 20.96 फीसदी का सीएजीआर रिटर्न मिला है। पिछले एक साल में फंड ने निफ्टी 500 टीआरआई के 27 फीसदी की तुलना में 32.86 फीसदी का रिटर्न दिया है।

न्यूज ब्रीफ

अपनी कमाईपर पांच तरीकों से बचाएं टैक्स, सरकारी योजनाओं में निवेश पर जोखिम कम, मिलता है अच्छा रिटर्न

नई दिल्ली । नया वित्त वर्ष यानी 2024-25 के शुरू होने में बस दो महीने ही बचे हैं। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान हुई कमाई पर आपको आयकर का भुगतान करना होगा। ऐसे में आपको कर बचाने संबंधी योजनाएं अभी से बनानी शुरू कर देना चाहिए। पांच ऐसे विकल्प हैं, जिसमें निवेश कर न सिर्फ आप अपनी मेहनत की कमाई पर टैक्स बचत कर सकते हैं, बल्कि इन योजनाओं में पैसा लगाकर आप बेहतर रिटर्न भी पा सकते हैं। पीपीएफ कर बचत के लिए पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) में निवेश कर सकते हैं। इस सरकारी योजना में अभी सालाना 7.1 फीसदी ब्याज मिल रहा है। खास बात है कि पीपीएफ में निवेश कर आप आयकर कानून की धारा 80सी के तहत कर बचत का लाभ उठा सकते हैं। 80सी के तहत अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक की कर छूट मिलती है। पीपीएफ में मैच्योरिटी रकम पर भी कर छूट मिलती है। सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के लिए है। 10 साल से कम उम्र की बच्ची के नाम से खाता खोल सकते हैं। इसमें बेटी के नाम से 250 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। साल में अधिकतम 1.50 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। इस पर सरकार 8.1 फीसदी ब्याज दे रही है। आयकर कानून की धारा 80सी के तहत योजना में निवेश पर कर छूट पा सकते हैं। एनएससी राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) में आपको एक बार निवेश करना पड़ता है। इसकी मैच्योरिटी अवधि पांच साल और 10 साल होती है। इस पर 7.7 फीसदी का ब्याज मिल रहा है। इसमें निवेश की न्यूनतम सीमा 1,000 रुपये है। मैच्योरिटी पर मिलने वाला कुल ब्याज कर योग्य होता है। तीन साल की अवधि के बाद इसमें से आंशिक निकासी कर सकते हैं। 80सी के तहत कर छूट का लाभ उठा सकते हैं। एनपीएस अगर आपके पास पर्याप्त पैसे हैं तो राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) में निवेश कर सकते हैं। इसमें न सिर्फ आप सालाना निवेश पर कर बचा सकते हैं, बल्कि सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन का लाभ भी मिलेगा। एनपीएस में निवेश पर 80सी के तहत मिलने वाली रियायत के अलावा धारा 80सीसीडी(1बी) में 50,000 रुपये की अतिरिक्त छूट का लाभ उठा सकते हैं। टैक्स सेविंग एफडी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) एक भरोसेमंद निवेश विकल्प होता है। लेकिन, सभी एफडी में कर छूट नहीं मिलती है। सिर्फ टैक्स सेविंग एफडी पर ही आप कर छूट का लाभ उठा सकते हैं। योजना की लॉक-इन अवधि पांच साल होती है। आप हर वित्त वर्ष में सिर्फ एक टैक्स सेविंग एफडी ही खोल सकते हैं। खास बात है कि इसमें 80सी के तहत कर छूट का दावा कर सकते हैं। कर सकते हैं बड़ी बचत स्वीटी मनोज जैन निवेश एवं कर सलाहकार का कहना है कि एक अप्रैल से नया वित्त वर्ष शुरू होने वाला है।

काइनेटिक लूना की फिर हो रही वापसी, मात्र 500 रुपये में शुरू होगी बुकिंग

नई दिल्ली । लोकप्रिय मोपेड काइनेटिक लूना एक बार फिर वापसी होने जा रही है। कंपनी ने इसकी

बुकिंग भी शुरू कर दी है। अब लूना पूरी तरह इलेक्ट्रिक मॉडल में आएगी। इसकी बुकिंग 26 जनवरी से 500 रुपये में कंपनी की वेबसाइट पर शुरू होने वाली है। बता दें कि काइनेटिक ने इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में कदम रख दिया है और वर्तमान में इलेक्ट्रिक स्कूटर समेत कई तरह के इलेक्ट्रिक वाहन बना रही है। चूंकि लूना इलेक्ट्रिक मॉडल में आने वाली है, इसलिए इसका उत्पादन काइनेटिक इलेक्ट्रिक करेगी। ई-लूना को इसी साल फरवरी में लॉन्च किया जाएगा. फिलहाल काइनेटिक ने ई-लूना की रेंज और फीचर्स के बारे में आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है. हालांकि, कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इलेक्ट्रिक लूना फुल चार्ज पर 100 किलोमीटर की रेंज देगी. वहीं इसकी टॉप स्पीड 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक सीमित होगी. लूना में एलईडी हेडलाइट, डिजिटल डिस्प्ले, सेफ्टी लॉक जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है. लूना को प्राइवेट और कमर्शियल ग्राहकों के लिए अलग-अलग मॉडलों में लॉन्च किया जाएगा. जानकारी के मुताबिक इसकी कीमत 70,000 रुपये से कम हो सकती है. इसपर फेम-2 सब्सिडी का भी फायदा भी दिया जा सकता है। मालूम हो कि कम सेल्स और नए उत्सर्जन नियमों के वजह से काइनेटिक लूना का उत्पादन साल 2000 में बंद कर दिया गया था। यह मोपेड एक समय इतनी लोकप्रिय थी कि कंपनी इसकी हर दिन 2,000 यूनिट्स बेच रही थी। अपने पूरे जीवनकाल में लूना 50 लाख यूनिट्स बिक गई थी। वहीं, इसने मोपेड मार्केट में अपनी 95 प्रतिशत हिस्सेदारी बना ली थी।

भारत की जीडीपी अगले साल 7 प्रतिशत रह सकती है

अंतरिम बजट से पहले वित्त मंत्रालय ने जारी की रिपोर्ट, इकोनॉमिक सर्वे नहीं आएगा

नई दिल्ली ।
2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश किए जाने से 2 दिन पहले, वित्त मंत्रालय ने बताया कि भारत की जीडीपी अगले साल 7 प्रतिशत रह सकती है। मंत्रालय ने द इंडियन इकोनॉमी: ए रिव्यू नाम की एक रिपोर्ट जारी की है। इसे मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन के ऑफिस के अधिकारियों ने तैयार किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत घरेलू मांग ने पिछले 3 साल में इकोनॉमी को 7 प्रतिशत से ज्यादा की विकास दर पर पहुंचा दिया है। पिछले 10 सालों में सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के कारण निजी खपत और निवेश में मजबूती आई है। मैन्युफैक्चरिंग को बूस्ट देने के लिए उठाए कदम और इंफ्रास्ट्रक्चर में इन्वेस्टमेंट से सप्लाई साइड भी मजबूत हुई है।

2030 तक भारत 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है

रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि आने वाले सालों में भी इकॉनॉमी 7 प्रतिशत की दर से बढ़ना जारी रह सकती है। केवल भू-राजनीतिक संघर्षों का बढ़ा जोखिम एक चिंता का विषय है। इसके अलावा, भारत 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। यह जीवन की गुणवत्ता और जीवन स्तर प्रदान करने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।

बजट सत्र शुरू होने से ठीक दो दिन पहले मंत्रालय ने जारी की रिपोर्ट

यह रिपोर्ट सामान्य से अलग है क्योंकि यह संसद का बजट सत्र शुरू होने से ठीक दो दिन पहले आई है। इस साल लोकसभा चुनाव होने हैं, इसलिए 1 फरवरी को फुल बजट की जगह अंतरिम बजट पेश किया जाएगा। अंतरिम बजट से वर्तमान सरकार को नई सरकार के आने और पूर्ण बजट पेश होने तक, देश को चलाने के लिए पैसा मिलता है।

अंतरिम बजट से पहले इकोनॉमिक सर्वे पेश नहीं होता

सरकार अंतरिम बजट से पहले इकोनॉमिक सर्वे पेश

नहीं करती है। वित्त मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में कहा, यह आर्थिक मामलों के विभाग की ओर से तैयार किया गया भारत का इकोनॉमिक सर्वे नहीं है। यह आम चुनाव के बाद पूर्ण बजट से पहले आएगा।

ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट क्या है

इकोनॉमी की हेल्थ को ट्रैक करने के लिए जीडीपी का उपयोग किया जाता है। जीडीपी देश के भीतर एक स्पेसिफिक टाइम पीरियड में प्रोड्यूस सभी वस्तुओं और सेवाओं की वैल्यू को दिखाती है। इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं उन्हें भी शामिल किया जाता है।

दो तरह की होती है जीडीपी

जीडीपी दो तरह की होती है। रियल और नॉमिनल। रियल जीडीपी में गुड्स और सर्विस की वैल्यू का कैलकुलेशन बेस ईयर की वैल्यू या स्टेबल प्राइस पर किया जाता है। अभी जीडीपी कैलकुलेशन के लिए बेस ईयर 2011-12 है। यानी 2011-12 में गुड्स और सर्विस के जो रेट थे उस हिसाब से कैलकुलेशन। वहीं नॉमिनल जीडीपी का कैलकुलेशन करेंट प्राइस पर किया जाता है।

कैसे कैलकुलेट की जाती है जीडीपी

जीडीपी कैलकुलेट करने के लिए एक फॉर्मूले का इस्तेमाल किया जाता है। यहां सी का मतलब है प्राइवेट कंजम्शन, जी का मतलब गवर्नमेंट स्पेंडिंग, आई का मतलब इन्वेस्टमेंट और एनएक्स का मतलब नेट एक्सपोर्ट है।

ईडी ने कन्नूर अर्बन निधि लिमिटेड से जुड़े धनशोधन मामले में की छापेमारी, धोखाधड़ी का है आरोप

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कन्नूर अर्बन निधि लिमिटेड की ओर से कथित रूप से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत केरल में कई स्थानों पर छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी त्रिशूर और मलप्पुरम में करीब चार-पांच परिसरों की तलाशी ले रही है। यह जांच 12-13 प्रतिशत तक उच्च रिटर्न का वादा करके जमा राशि एकत्र करके जनता को धोखा देने और धोखाधड़ी के कथित मामले से संबंधित है। सूत्रों ने बताया कि कन्नूर अर्बन निधि लिमिटेड के प्रवर्तकों पर आरोप है कि उन्होंने इस जमा राशि का गबन किया और इस राशि को निजी संपत्तियों में निवेश किया। ईडी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मामला तब दर्ज किया जब एजेंसी ने गफूर केएम, शौकत अली, एंथनी एस और जशीना (वर्तमान में जेल में बंद) सहित प्रवर्तकों और निदेशकों के खिलाफ केरल पुलिस और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की 150 प्राथमिकियों का संज्ञान लिया। सूत्रों ने बताया कि करीब 20 करोड़ रुपये के सरकारी कोष से कथित तौर पर धोखाधड़ी की गई और ईडी यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि धोखाधड़ी कितनी बड़ी है।

कर्ज के बोझ से दबी चीन की रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड को बंद करने का मिला आदेश, ये है पूरा मामला

नई दिल्ली ।
हॉन्गकॉन्ग की एक अदालत ने कर्ज के बोझ से दबी रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड को समाप्त या बंद करने का आदेश दिया है। इस बारे में बताया है। अदालत का यह फैसला चीन के रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक झटके की तरह है। एवरग्रैंड के पास नकदी दो साल पहले खत्म हो गई थी। साल 2021 में कंपनी डिफॉल्ट कर गई थी। यह आदेश वकीलों के बीच एवरग्रैंड से संबंधित बची संपत्तियों में कुछ भी खोजने और उन्हें हथियाने के लिए एक दौड़ शुरू करेगा जिसे बेचा जा सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार 2021 में कंपनी के डिफॉल्ट होने के बाद, दुनिया भर के निवेशकों ने प्रॉपर्टी डेवलपर एवरग्रैंड के रियायती आईओयू को स्कूप किया, उन्हें यह उम्मीद थी कि चीनी सरकार अंतत: बेलआउट देने के लिए कदम उठाएगी। एवरग्रैंड एक रियल एस्टेट डेवलपर है जिस पर 300 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक का कर्ज है, यह दुनिया का सबसे बड़ा आवास संकट झेल रहा है। इसके बहुत मूल्यवान विशाल साम्राज्य में अब कुछ नहीं बचा है। रिपोर्ट के अनुसार आरोप है कि एवरग्रैंड, साथ ही अन्य डेवलपर्स, ओवरबिल्ट और ओवरप्रोमाइड, उन अपार्टमेंटों के लिए पैसे ले रहे थे जो बनाए नहीं गए थे और इससे सैकड़ों-हजारों घर खरीदार को अपने अपार्टमेंट का इंतजार ही करते रह गए। अब जब इनमें से दर्जनों कंपनियां डिफॉल्ट कर गई हैं, तो सरकार सख्ती से उन्हें अपार्टमेंट का काम खत्म करने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रही है, जिससे हर कोई मुश्किल स्थिति में पड़ गया है क्योंकि ठेकेदारों और बिल्डरों को वर्षों से भुगतान नहीं किया गया है।

इस आदेश से वित्तीय बाजारों को सदमा लगने की आशंका है जो पहले से ही चीन की अर्थव्यवस्था पर संदेह कर रहे हैं।

अदाणी ग्रीन एनर्जी मैच्योरिटी के आठ महीने पहले छुड़ाएगी 750 मिलियन डॉलर के होल्डको बॉन्ड्स,

नई दिल्ली ।
अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 750 मिलियन डॉलर के 4.375 नोट्स या होल्डको नोट्स को पूरी तरह से रिडीम कराने की योजनाओं का ऐलान किया है। कंपनी इन नोट्स को 9 सितंबर, 2024 की मैच्योरिटी अवधि से 8 महीने पहले ही छुड़ाएगी।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के प्रोमोटर्स को 9,350 करोड़ रुपये के प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट से फंड मिला है। जिसकी वजह से कंपनी इन नोट्स को छुड़ा पाने में सक्षम हुई है।

एजीईएल के शेयरधारकों ने 18 जनवरी 2024 को भारी 99.9 प्रतिशत बहुमत के साथ तरजीही आवंटन को मंजूरी दे दी और उसके बाद प्रमोटरों ने पिछले सप्ताह एजीईएल में 2,338 करोड़ रुपये (281 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का प्राथमिक निवेश किया। एजीईएल ने सीनियर डेट रिडेम्पशन अकाउंट (एसडीआरए) और होल्डको नोट्स के अन्य आरक्षित खातों में धनराशि अलग रख दी है, जिसके बाद रिजर्व की फंडिंग पूरी हो गई है।

कंपनी की ओर से जारी एक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि होल्डको नोट्स की बकाया राशि मैच्योरिटी से

आठ महीने पहले होल्डको नोट्स को सुरक्षित करने वाले कई रिजर्व अकाउंट्स के हिस्से के रूप में अलग रखे गए कैश बैलेंस के माध्यम पूरी तरह से सिक्योर किए जाएंगे। रीपेमेंट का आधार 1.425 बिलियन डॉलर का सफल इक्विटी कैपिटल जुटाने का प्रोग्राम है, जिसमें प्रमोटर्स की ओर से 1.125 बिलियन डॉलर का प्रेफरेंशियल इश्यू और टोटल एनर्जीज की ओर से 300 मिलियन डॉलर शामिल हैं।

ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से लैस होंगी की टाटा की कारें, टिगोर और टियागो आईसीएनजी में है ये खूबियां

नई दिल्ली ।
टाटा मोटर्स ने देश की पहली ऐसी कारों रही है, जो सीएनजी वैरिएंट में ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से लैस होंगी। कंपनी ने टिगोर आईसीएनजी और टियागो आईसीएनजी को ऑटोमैटिक गियरबॉक्स में लाने का खुलासा किया है। इन मॉडलों के लिए कंपनी ने बुकिंग लेना भी शुरू कर दिया है। इच्छुक ग्राहक 21,000 रुपये अमाउंट के साथ इन कारों की बुकिंग टाटा मोटर्स के आधिकारिक डीलरशिप पर या ऑनलाइन भी बुक कर सकते हैं। नई टियागो आईसीएनजी एएमटी तीन वेरिएंट (एक्सटीए सीएनजी, एक्सझेडए+सीएनजीऔर एक्सझेडए एनआरजी में उपलब्ध है, जबकि टिगोर आईएनजी एएमटी को दो वेरिएंट (एक्सझेडए सीएनजी और एक्सझेडए+सीएनजी) में खरीदा जा सकेगा।

बता दें कि टाटा की सभी सीएनजी कारें ट्विन सिलेंडर टेक्नोलॉजी से लैस हैं। इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कार में एक्स्ट्रा स्पेस देने के लिए किया जाता है, जिसके तहत कार में एक बड़े सीएनजी सिलेंडर के बजाए दो छोटे सिलेंडर लगाए जाते हैं। इससे बूट में थोड़ी अधिक जगह मिलती है। पेट्रोल से सीएनजी मोड पर स्विच करने के लिए ये कारें एक सिंगल एडवांस्ड ईसीयू से लैस हैं। इन्हें डायरेक्ट सीएनजी मोड में स्टर्ट किया जा सकता है।

इसके अलावा, टाटा मोटर्स ने इन मॉडलों के लिए नए कलर ऑप्शन भी पेश किए हैं। दोनों आईसीएनजी कारों में 26 किलोमीटर प्रति किलो माइलेज मिलती है। टिगोर आउट टियागो को जीएनसीएपी क्रैश टेस्ट में क्रमश: 5 स्टार और 4 स्टार की सेफ्टी रेटिंग दी गई है। कंपनी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024 में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में सीएनजी मार्केट में 40.5 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है इन कारों में सेफ्टी फीचर्स के तौर पर एक माइक्रो स्विच भी दिया गया है, जो ईंधन भारवाते समय कार को बंद कर देता है। इसके अलावा सिलेंडर कम्पार्टमेंट में एक्स्ट्रा थर्मल प्रोटेक्शन भी मिलती है। गैस लीक को रोकने के लिए आईसीएनजी किट में एडवांस्ड मटेरियल का इस्तेमाल किया गया है। वहीं इनमें लीकेज का पता लगाने वाला फीचर भी है, जो कार को तुरंत पेट्रोल मोड पर स्विच कर देता है। टियागो और टिगोर आईसीएनजी एएमटी कारों में 1.2 लीटर रेवोट्रॉन इंजन मौजूद है।

सोनी के खिलाफ क्रिमिनल केस कर सकते हैं सुभाष चंद्रा

जी में अपनी हिस्सेदारी 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 26 प्रतिशत करना चाहती है प्रमोटर फैमिली

नई दिल्ली ।
जी के मानद चेयरमैन सुभाष चंद्रा गोयनका ने कहा है कि वे सोनी के खिलाफ क्रिमिनल केस करने पर विचार कर रहे हैं। इतना ही नहीं सुभाष चंद्रा ने अपनी कंपनी द्वारा पुनित गोयनका को सीईओ पद से हटाने की पेशकश के बावजूद 10 बिलियन डॉलर की डील कैंसल करने के पीछे सोनी की मंशा पर सवाल भी उठाया है।

जी ने सोनी के साथ डील में निर्धारित सभी शर्तों को पूरा किया था

सुभाष चंद्रा ने सोनी पर जानबूझकर डील में बाधा डालने और कंपनी के खिलाफ क्रिमिनल एक्शन यानी आपराधिक कार्रवाई की धमकी देने का आरोप लगाया है। चंद्रा ने दावा किया कि जी ने सोनी के साथ डील में निर्धारित सभी शर्तों को पूरा किया था। यह सोनी की जी के साथ जुड़ने और बाद में पीछे हटने की रणनीति थी। सोनी ऐसा करके जी को कमजोर कंपनी के रूप में चित्रित करना चाहता है।

जी में अपनी हिस्सेदारी मौजूदा 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 26 प्रतिशत करना चाहते हैं सुभाष चंद्रा

वहीं जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के फाउंडर सुभाष चंद्रा की फैमिली यानी प्रमोटर्स कंपनी में अपनी हिस्सेदारी मौजूदा 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 26 प्रतिशत करने वाले हैं। सुभाष चंद्रा ने मिंट में कहा, मैंने अपनी फैमिली को जी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की सलाह दी है। हम आखिरकार 26 प्रतिशत हिस्सेदारी वापस पाना चाहते हैं, लेकिन इसमें समय लगेगा।

सुभाष चंद्रा ने कहा कि यह बात सच है कि उन्हें बहुत अधिक पैसे की जरूरत होगी। लेकिन वे इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि पैसा बाहर से नहीं जुटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम और कर्ज नहीं चाहते। चंद्रा ने साल 1992 में जी को शुरू किया था। वह अब जी के मानद चेयरमैन हैं।

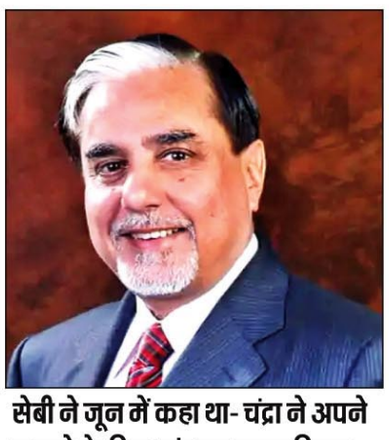

सेबी ने जून में कहा था- चंद्रा ने अपने फायदे के लिए फंड का गबन किया

जी-सोनी डील में विवाद तब शुरू हुआ, जब सेबी ने जून 2023 में कहा था कि पुनित गोयनका और उनके पिता सुभाष चंद्रा ने अपने पद का दुरुपयोग किया और अपने फायदे के लिए फंड का गबन किया। जब इसकी जांच चल रही थी, तब मार्केट रेगुलेटर सेबी ने उन्हें लिस्टेड कंपनियों में किसी भी एग्जीक्यूटिव या डायरेक्टर पद पर रहने से रोक दिया था। अक्टूबर में एक अपीलेट अथॉरिटी ने गोयनका को सेबी के बैन से पार्शियल राहत दी थी। जिससे उन्हें जांच के दौरान इन पदों पर बने रहने की अनुमति मिल गई थी। जी ने अपीलेट की इस राहत को मर्ज की जाने वाली एंटिटी के सीईओ बनने के लिए गोयनका के लिए हरी झंडी के रूप में देखा, लेकिन सोनी इससे सहमत नहीं था। गोयनका को अंतरिम सीईओ बनाने की पेशकश की गई थी। वहीं नए सीईओ की तलाश के लिए एक सर्च कमेटी गठित की गई थी। हालांकि, सोनी ने मर्ज की जाने वाली एंटिटी के सीईओ पद के लिए अपने इंडिया ऑपरेशंस के हेड एन.पी. सिंह के नाम पर जोर दिया था।

सुभाष चंद्रा ने पैसों की हेराफेरी के आरोप की निंदा की

सुभाष चंद्रा ने पैसों की हेराफेरी के आरोप की निंदा की। उन्होंने कहा कि अगर पैसा ट्रांसफर किया गया होता...तो वो ट्रेल हो जाता। इसके अलावा चंद्रा ने यह भी बताया कि उन्होंने बैंकों को करीब 40,000 करोड़ रुपए चुका दिए हैं। चंद्रा ने बताया कि उन्हें बाउंस-बैक का भरोसा था। 1998-99 में एक एनालिस्ट ने भविष्यवाणी की थी कि जी इस कॉम्पिटेटिव एनवायरमेंट में टिक नहीं पाएगा... हम न केवल बचे रहे, बल्कि फले-फूले भी।

फंड मैनेज करने वाली अटलांटा बेस्ड कंपनी इनवेस्को लिमिटेड एक समय 18 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ जी की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर थी। इस कंपनी ने भी 2021 में गोयनका को जी के बोर्ड और सीईओ पद से हटाने के लिए लड़ाई छेड़ी थी। तब इस कंपनी ने कहा था कि जी के फाउंडर्स शेयरहोल्डर्स के पैसों पर खुद को समृद्ध कर रहे थे। तब सोनी और जी की मर्जर डील ने इनवेस्को को शांत करने में मदद की थी।

यानिक सिनर ने रचा इतिहास, 10 साल बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन को पुरुष एकल में मिला नया विजेता

मेलबर्न ।
इटली के युवा टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने इतिहास रच दिया है। 22 साल के इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष एकल का फाइनल जीत लिया। उन्होंने खिताबी मुकाबले में रूस के दानिल मेदवेदेव को पांच सेट तक चले मैच में हरा दिया। सिनर ऑस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष एकल का फाइनल जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इस मुकाबले को 3-6, 3-6, 6-4, 6-4, 6-3 के अंतर से अपने नाम किया।

सिनर ने अपने करियर का पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता है। उन्होंने मेदवेदेव के सपने को तोड़ दिया। रूस के खिलाड़ी की नजर पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने पर थी, लेकिन इटली के युवा स्टार ने उन्हें परास्त कर दिया। मेदवेदेव इससे पहले 2021 में यूएस ओपन जीत चुके हैं।

ऐसा रहा मुकाबला - पहला सेट मेदवेदेव ने अपने नाम किया है। उन्होंने सिनर को 6-3 के अंतर से हराया। दूसरे सेट में भी मेदवेदेव ने तूफानी खेल दिखाया। उन्होंने सिनर को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया। इस तरह मैच में वह 2-0 से आगे हो गए। सिनर ने वापसी करते हुए तीसरा सेट 6-4 से और चौथा सेट भी 6-4 के अंतर से जीत लिया है। तीसरे सेट को उन्होंने 6-3 से जीतकर मैच को अपने नाम कर लिया।

वावरिंका के बाद सिनर ने किया कमाल - ऑस्ट्रेलियन ओपन को 10 बाद कोई नया चैंपियन मिला है। पिछली बार 2014 में स्विट्जरलैंड के स्टैन वावरिंका खिताब जीते थे। उनके बाद कोई नया चैंपियन नहीं मिला था। साल 2004 से स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर, सर्बिया के नोवाक जोकोविच और स्पेन के राफेल नडाल ही इस टूर्नामेंट को जीत रहे हैं। 2004 से फेडरर छह बार चैंपियन बने। जोकोविच ने उनसे ज्यादा 10 बार खिताब अपने नाम किया। वहीं, नडाल दो बार चैंपियन बने। इस बीच रूस के मराट साफिन 2005 और वावरिंका 2014 में सफल हुए थे।

सेमीफाइनल में हार गए थे जोकोविच - जोकोविच इस बार 11वीं बार चैंपियन बनने उतरे थे, लेकिन उन्हें यानिक सिनर ने सेमीफाइनल में बाहर कर दिया। वहीं, दानिल मेदवेदेव ने स्पेन के कार्लोस अल्काराज को शिकस्त दी थी।

न्यूज ब्रीफ

शुभमन की जगह खतरे में पड़ी , सरफराज और रजत दे रहे टक्कर

नई दिल्ली । भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में टीम में उनकी जगह खतरे में नजर आ रही है। पिछले कुछ समय में उनका औसत गिरकर औसत 13.20 पर पहुंच गया है। शुभमन के इस प्रदर्शन के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के लिए उन्हें टीम में बनाये रखना बेहद कठिन हो गया है। हैदराबाद टेस्ट में इंग्लैंड ने जिस प्रकार वापसी करते हुए जीत दर्ज की है। उसके बाद भारतीय टीम मैनेजमेंट को बड़ा फैसला लेना ही होगा। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने साफ कहा कि शुभमन गिल को कोच राहुल द्रविड़ के साथ नेट्स पर समय बिताना चाहिए। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ अगला टेस्ट मैच 2 फरवरी से विशाखापत्तनम में खेलना है। हैदराबाद टेस्ट में 28 रन की हार के बाद भारतीय टीम पर वापसी का दबाव रहेगा। हैदराबाद टेस्ट में कुछ खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा रहा, तो ज्यादातर का औसत जबकि दो खिलाड़ी पूरी तरह विफल रहे। पहली पारी में 23 रन बनाने वाले शुभमन दूसरी पारी में खाता भी नहीं खोल पाये जबकि मोहम्मद सिराज मैच में एक भी विकेट नहीं ले सके। भारतीय टीम जब विशाखापत्तनम टेस्ट मैच में उतरेगी तो उसे इन दो खिलाड़ियों को शामिल किये जाने पर दोबारा विचार करना होगा। शुभमन टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में ही फिट बैठता है। ऐसे में टीम से बाहर करने से उनका आत्मविश्वास कम हो सकता है। कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ की कप्तान-कोच की जोड़ी का यही मानना रहा है। पहले अंतिम ग्यारह में बार-बार बदलाव देखने को मिलते थे. जबकि रोहित-द्रविड़ खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देते हैं हालांकि इससे कई बार दूसरे खिलाड़ियों के मौके छिन जाते हैं।

युवाओं को विराट के खेल के प्रति जुनून से सीखना चाहिये : रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि युवाओं को उनसे सीखना चाहिये। रोहित ने कहा है कि युवाओं को विराट मैदान ही नहीं उसके बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। रोहित के अनुसार युवाओं को उनके खेल के प्रति जुनून से काफी कुछ सीखने को मिलेगा। रोहित ने कहा, विराट अपने पूरे करियर में कभी भी एनसीए नहीं गए हैं। ऐसे में मैं कहूंगा कि सभी युवा खिलाड़ियों को उनके जुनून से सीखना चाहिए। वह कवर ड्राइव, फ्लिक, कट कैसे खेलते हैं उससे भी अधिक सीखने की बात ये है कि गुणवत्ता क्या है जो उन्हें आज इस मुकाम पर पहुंचाती है। कप्तान ने कहा कि कुछ बदलाव हैं जो एक व्यक्ति को अंदर से करने होते हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे विराट कोहली को देख सकते हैं और उसके अनुसार अपना रवैया बदल सकते हैं। उन्होंने कहा, मैंने कोहली को काफी करीब से देखा है। उसने जो हासिल किया है उससे वह आसानी से संतुष्ट हो सकता है। वह कह सकता है कि मैं इन 2-3 श्रृंखलाओं में इसे आसानी से ले लूंगा, मैं बाद में आऊंगा, लेकिन वह हमेशा टीम के लिए उपलब्ध रहते हैं।

पहली बार आगरा शहर में 3 मार्च को 21 किलामीटर दौड़ेंगे धावक; मैराथन की प्रोमो दौड़ में जीते दिनेश और संजना

आगरा। 3 मार्च को होने जा रही 21 किमी की हॉफ मैराथन को लेकर इतना उत्साह दिखा कि 10 किलामीटर की दौड़ निर्धारित समय दो घंटे से पहले ही अधिकतम धावकों ने पूरी कर ली। मुख्य अतिथि एयरफोर्स कमान्डर एसके गुप्ता ने भी दौड़ में हिस्सा लिया। लगभग 800-1000 धावकों संग भारतीय सेना, वायु सेना, और एनसीसी के मेजर शंभू पांडे, कैप्टन शीला बहन और रेणुका भी शामिल थे। दौड़ का शुभारंभ एयर कमोडोर सतीश कुमार गुप्ता , डॉ मुकेश गोयल (अध्यक्ष आईएमए), डॉ प्रदीप गुप्ता, होम्योपैथिक एवम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज) और डॉ पंकज महेंद्रू (उपाध्यक्ष केंटोनमेंट बोर्ड), फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. विकास मित्तल ने सम्मलित रूप से फीता काटकर और झंडा दिखाकर किया। 3 मार्च को पहली बार आगरा में आयोजित होगी।

फ्रेंच राइडर जॉर्डी टिक्सियर ने जीती इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग

पुणे में पहला लेग खत्म ; दूसरा फेज 11 फरवरी को अहमदाबाद में

पुणे।
इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग सीजन-1 का पहला लेग बीबी रेसिंग टीम के फ्रेंच राइडर जॉर्डी टिक्सियर ने जीत लिया। पहला लेग पुणे के छत्रपति शिवाजी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में देर रात आयोजित हुआ।

टिक्सियर ने 450सीसी की रेस में शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। टूर्नामेंट के सबसे सफल राइडर मैट मॉस, जो नौ बार के ऑस्ट्रेलियाई और एसएम चैंपियन हैं, लाख कोशिशों के बाद भी उन्हें पछाड़ नहीं पाए। मॉस दूसरे नंबर पर रहे। टिक्सियर 2018 मोटोक्रॉस वर्ल्ड चैंपियन भी हैं। जीत के बाद टिक्सियर ने कहा, ट्रैक काफी अच्छा था, मैंने पूरे सप्ताह काफी एन्जॉय किया।

इंटरनेशनल 250सीसी रेसिंग में बिगरॉक टीम के रीड टेलर पहले नंबर पर रहे। इंडियन एंड एशियन मिक्स 250सीसी कैटेगरी में थाईलैंड और बिगरॉक टीम के पेनजन टॉप पर रहे। वहीं 85सीसी जूनियर इंडिया-एशिया मिक्स कैटेगरी के पॉइंट्स काउंट नहीं हुए।

नेशनल एंथम से शुरू हुई रेस

रेस शुरू होने से पहले सभी टीमों ने ग्राउंड के लैप लगाए। ढोल-ताशों के साथ पहले सीजन की रंगारंग शुरुआत हुई। देश के नेशनल एंथम के साथ रेस की शुरुआत हुई। पहला लेग पुणे में खत्म हो चुका है। सीजन-1 के अगले दो लेग अहमदाबाद (11 फरवरी) और नई दिल्ली (25 फरवरी) में होंगे।

4 कैटेगरी में खेला गया पहला सीजन

पहले सीजन में छह टीमों ने हिस्सा लिया। हर टीम में 8-8 रेसर शामिल थे। पहला सीजन चार कैटेगरी में खेला गया, हर कैटेगरी में दो-दो रेसर थे। रेस में 450सीसी इंटरनेशनल, 250सीसीइंटरनेशनल, 250सीसी इंडिया-एशिया मिक्स और 85सीसी जूनियर इंडिया-एशिया मिक्स कैटेगरी शामिल रहीं।

सुपरक्रॉस मोटरसाइकिल रेसिंग है, जो स्टेडियम में मिट्टी के ट्रैक पर होती है। सुपरक्रॉस रेसिंग के दौरान रेसर स्टंट भी करते नजर आए।

इन बड़े रेसर्स ने हिस्सा लिया

पहले सीजन के ऑक्शन के लिए दुनिया भर के 120 रेसर ने रजिस्ट्रेशन कराया था। रेस में कुल 48 भारतीय और इंटरनेशनल राइडर्स हिस्सा लिए। पहले सीजन की रेस में मैट मॉस जैसे बड़े नाम शामिल थे। मॉस नौ बार के ऑस्ट्रेलियाई और स्रूचैंपियन हैं। लोरेंजो कैम्पोरेसी 4 बार के इटैलियन सुपरक्रॉस चैंपियन हैं। वहीं भारतीयों में रग्वेद बरगुजे रहे, जो तीन बार के नेशनल सुपरक्रॉस चैंपियन हैं।

दुनिया की पहली फ्रेंचाइजी रेसिंग

आईएसआरएल दुनिया की पहली ही फ्रेंचाइजी रेसिंग लीग है। जिस तरह क्रिकेट में आईपीएल , फुटबॉल में आईएसएल और कबड्डी में पीकेएल है, उसी तरह अब बाइक रेसिंग में आईएसआरएल की शुरुआत हुई। पहला सीजन देश के 3-3 अलग-अलग वेन्यू पर आयोजित होगा। पहले सीजन के पहला लेग पुणे में समाप्त हुआ। आखिरी 2 लेग अहमदाबाद और नई दिल्ली में होंगे।

सीए बैश लीग के दौरान भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देता है : हॉकले

मेलबर्न ।
टेस्ट क्रिकेट की घटती लोक्रपियता और क्रिकेट बोर्डों के दूसरे दर्जे की टीम भेजने से उसे हो रहे नुकसान को देखते हुए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के प्रमुख निक हॉकले ने कहा है कि कि बैश लीग के दौरान भी वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को ही प्राथमिकता देता है पर अन्य बोर्ड ऐसा नहीं कर रहे । उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका का न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए दूसरे दर्जे की टीम भेजना सही नहीं कहा जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने टेस्ट श्रृंखला में कम से कम तीन मैचों का आयोजन करने को भी कहा है। दक्षिण अफ्रीका ने अपने घरेलू टी20 लीग को प्राथमिकता देते हुए न्यूजीलैंड में होने वाले दो टेस्ट मैच के लिए दूसरे दर्जे की टीम का चयन किया है जिसमें सात खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। हॉकले ने कहा, 'यह सभी के लिए एक चेतावनी है। बच्चों और नए लोगों को इस खेल से जोड़ने में टी20 की भूमिका को कम करके नहीं देखा जा सकता। हमारा विश्वास है कि यह दोनों प्रारूप एक साथ चल सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि इसको लेकर सीए का रवैया बिल्कुल स्पष्ट है तथा वह बिग बैश लीग के दौरान भी हमेशा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देता रहा है। लेकिन अब सतर्क होने की जरूरत है और हम आईसीसी के साथ कार्यक्रम को लेकर काम करेंगे ताकि भविष्य में इस तरह की हालत नहीं आए। जहां तक टेस्ट मैचों के आयोजन की बात है तो भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया तीन से पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला का आयोजन करते हैं जबकि बाकी टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के हिस्से के रूप में अमूमन दो टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलते हैं।

टेस्ट श्रृंखला में कम से कम तीन मैच हों : हॉकले

विश्व कप में दिव्यांश सिंह ने स्वर्ण पदक जीता, 10 मीटर एयरराइफल के फाइनल में बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।
टोक्यो ओलंपिक में खेल चुके भारतीय शूटर दिव्यांश सिंह पंवार ने फाइनल का विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए 10 मीटर एयरराइफल का स्वर्ण जीत लिया। उन्होंने फाइनल में 253.7 का स्कोर कर नया विश्व कीर्तिमान बनाया। दिव्यांश ने चीन के शेंग लीहाओ की ओर से एशियाई खेलों में बनाए गए 253.3 के विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। 21 वर्षीय दिव्यांश ने पांच साल बाद विश्वकप का व्यक्तिगत स्वर्ण जीता। इससे पहले उन्होंने 2019 के पुटिएन विश्वकप में स्वर्ण जीता था।

दिव्यांश ने शुरू से ही शानदार फॉर्म का परिचय दिया। उन्होंने क्वालिफाइंग दौर में 632.4 का स्कोर किया और शीर्ष पर रहकर फाइनल में पहुंचे। 24 निशानों के फाइनल में उन्होंने एक बार भी 10 से कम का स्कोर नहीं किया। चौथा और छठा निशाना उनका परफेक्ट 10.9 पर लगा। दिव्यांश का फाइनल में पूरी तरह दबदबा रहा। रजत जीतने वाले इटली दानी सोलाजो उनसे 1.9 अंक पीछे रहे। दिव्यांश ने जीत के बाद कहा कि वह लंबे समय बाद स्वर्ण जीतकर खुश हैं। हाल के समय में वह अच्छी शूटिंग कर रहे हैं, लेकिन परिणाम उन्हें नहीं मिल पा रहा था। यह परिणाम इस महत्वपूर्ण वर्ष में उनका मनोबल बढ़ाएगा। सर्बिया के लाजार कोवासेविच ने कांस्य पदक जीता, जबकि दूसरे भारतीय शूटर अर्जुन बबूता छठे स्थान पर रहे। यह दिव्यांश का विश्वकप में कुल पांचवां स्वर्ण पदक है। भारत इस विश्वकप में दो स्वर्ण और दो रजत के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर है।

टी20 विश्वकप के लिए अभ्यास कर रहे दीपक चाहर

मुंबई।
युवा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर दीपक चाहर अब इस साल होने वाले टी20 विश्व कप में खेलना चाहते हैं। चाहर पिछले कुछ समय में पारिवारिक परेशानियों के कारण खेल से दूर थे। पिता की गंभीर बिमारी के कारण वह दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका और इसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से भी बाहर रहे थे।

चाहर ने कहा कि उन्हें पिछले कुछ समय के दौरान फिटनेस और वर्कआउट के अलावा ट्रेनिंग का ज्यादा समय नहीं मिला। इसलिए वह तैयारी के लिए राष्ट्रीय किकेट अकादम (एनसीए) गये। जिससे कि टी20 विश्व कप के लिए वह पूरी तरह से फट हों।

उन्होंने कहा, 'मैं एनसीए गया और अभ्यास शुरू किया। मैं हालांकि अब पूरी तरह फिट हूं। बाकि सब भी ठीक है और इसलिए मैंने आईपीएल और विश्व कप के लिए भी अभ्यास शुरु कर दिया है। चाहर ने कहा, 'मैं चोटों के कारण पिछले दो टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाया। साथ ही कहा कि अगर मैं पूरी तरह फिट होता तो मैं विश्व कप टीम का भी हिस्सा होता क्योंकि किसी भी टीम संयोजन में हमेशा ऐसे गेंदबाज की जरूरत होती है तो जो सातवें, आठवें और नौवें नंबर पर बल्लेबाजी कर सके। मैंने ऐसा किया है और भारतीय टीम के लिए रन बनाए हैं। चाहर ने कहा कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने उनके करियर को निखारने और इसे लंबा करने में अहम भूमिका निभाई है। कप्तान का ही हाथ है। इसलिए वह चाहते हैं कि धोनी आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के अभी कप्तान बने रहें। उन्होंने कहा कि धोनी को अभी दो से तीन साल खेलना चाहिये। धोनी पिछले एक साल से घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। चाहर का कहना है कि उन्हें अपने करियर के इस पड़ाव पर चेन्नई सुपरकिंग्स की अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने से बचना चाहिए और अपने खेल का आनंद उठाना चाहिए।

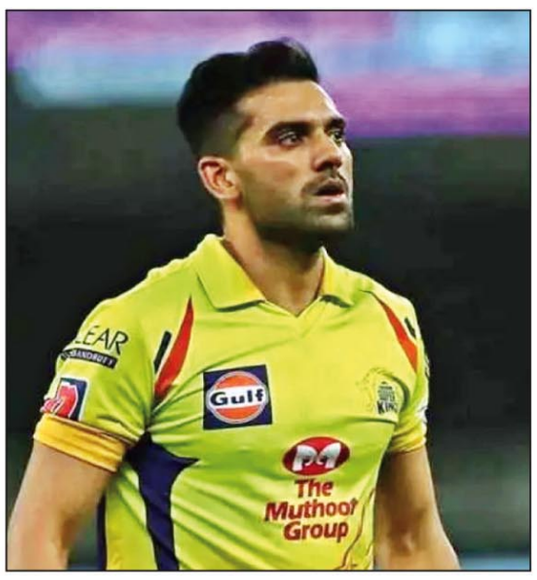

सनराईजरर्स हैदराबाद के खूंखार बैटर ने बल्ले से मचाई तबाही

जड़ी सबसे तेज फिफ्टी, प्लेऑफ में पहुंची डरबन सुपरजाइंट्स

नई दिल्ली।
एस20 लीग के 22वें मैच में डरबन सुपर जाइंट्स (डीएसजी) ने पार्ल रॉयल्स को हराकर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है। मैच में डरबन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 207 रन बनाए।

क्लासेन ने जड़ा सबसे तेज अर्धशतक

इस मैच में डरबन ने अपने प्रदर्शन से एक बार फिर साबित किया कि वह कैसे प्वाइंट्स टेबल में नंबर 1 पर है। डरबन की ओर से 17वें ओवर में बल्लेबाजी करने आए हेनरिक क्लासेन ने 16 गेंदों में अर्धशतक जड़ा। हेनरिक का यह अर्धशतक एस20 के इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक था।

क्लासेन की तूफानी पारी

क्लासेन ने अपनी पारी में 17 गेंदों पर 294.11 की स्ट्राइक रेट से 2 चौकों और 6 छक्कों के साथ अर्धशतक जड़ा। क्लासेन ने 19वें ओवर में फैबियन एलन की तीन गेंदों पर तीन छक्के मारे और अपना अर्धशतक पूरा करके डोनोवन फरेरा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। डोनोवन ने एस20 लीग 2024 में ही 18 गेंदों में सबसे तेज अर्धशतक अपने नाम किया था।

हार से निराश कमिंस बोले, हम बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के दूसरे ओर अंतिम टेस्ट में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने अपनी तरफ से पूरा प्रयास किया। कमिंस ने कहा कि हार से वह दुखी हैं पर यह एक अच्छा मैच था। यह अच्छी सीरीज रही। साथ ही कहा कि वेस्टइंडीज के युवा तेज गेंदबाज शमर जोसेफ ने जिस तरह से गेंदबाजी की वह बिल्कुल जबरदस्त थी, बदकिस्मती से हम उतना बेहतर नहीं कर पाये। हम जीत को तय मान रहे थे हमने कल उन्हें 216 रन के लक्ष्य तक रोककर अच्छा प्रदर्शन किया। इससे हमें लगा कि जीत के लिए हमारे पास अवसर है। स्टीव स्मिथ ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर हमें लक्ष्य के करीब ला दिया था। साथ ही कहा कि हमारे लिए स्मिथ शानदार थे, उन्होंने हमें लगभग जीत दिला ही दी थी। साथ ही कहा कि आप सोचते हैं कि आप दुनिया में शीर्ष पर हैं, यह आपको नीचे खींच लेता है इससे मुझे लगता है कि यह खेल आपको जल्दी ही विनम्र बना देता है, जैसे ही आप सोचते हैं कि आप दुनिया के शीर्ष पर हैं, यह आपको नीचे खींच लेता है और आप शून्य से शुरुआत करते हैं। कमिंस ने साथ ही वेस्टइंडीज ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने वास्तव में अच्छा खेलकर सीरीज बराबरी पर ला दी।

एस20 में सबसे तेज अर्धशतक

16 गेंदों में हेनरिक क्लासेन ने डीएसजी बनाम पीआर मुकाबले में 2024 18 गेंदों में डोनोवन फरेरा ने जेएसके बनाम पीसी के मुकाबले में 2024 19 गेंदों में हेनरिक क्लासेन ने डीएसजी बनाम पीआर के मुकाबले में 2023 किसी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज टी20 अर्धशतक 16 गेंदों में क्लासेन का अर्धशतक किसी भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। इससे पहले 2016 में फरहान बेहार्डियन ने 14 गेंदों अर्धशतक बनाया था। 14 गेंदों में फरहान बेहार्डियन टाइटंस बनाम वॉरियर्स में 2016 16 गेंदों में हेनरिक क्लासेन डरबन सुपर जाइंट्स बनाम पार्ल रॉयल्स में 2024 17 गेंदों में लांस क्लूजनर पर्वतारोही बनाम दक्षिणी चट्टानें में 2010 ।

दिल के इलाज में लाजवाब एंजियोप्लास्टी

हृदय धमनियों में अवरोध का होना दिल का दौरा पडने का एक प्रमुख कारण है। धमनियों में अवरोध को दूर करने के लिए बाईपास सर्जरी की जाती है, लेकिन एंजियोप्लास्टी के प्रचलन में आने से अब हर मामले में बाईपास सर्जरी कराने की जरूरत नहीं है...

दिल का दौरा (हार्ट अटैक) भारत समेत अनेक देशों में अधिक उम्र के लोगों की असामयिक मौत का एक प्रमुख कारण बन चुका है। हृदय धमनियों में कोलेस्टेरॉल, वसा (फैट) और रक्त के थक्के (ब्लड क्लॉट) के जमाव की घातक परिणति दिल के दौरे के रूप में सामने आती है।

अन्य तकनीकें दिल के दौरे को टालने या दिल के दौरे के पड़ने पर मरीज की जान बचाने के लिए एक समय ऑपरेशन का सहारा लेना पड़ता था, लेकिन बैलून एंजियोप्लास्टी और विभिन्न तरह केस्टेंट्स (स्प्रिंगनुमा यंत्र) के विकास की बदौलत आज हृदय धमनियों में अवरोध (ब्लॉकेज) को हटाने के लिए हर मामले में बाईपास सर्जरी कराने की जरूरत समाप्त हो गई है। उपर्युक्त दोनों नवीनतम तकनीकों को ओपन हार्ट सर्जरी का कारगर विकल्प माना जाने लगा है। मौजूदा समय में एंजियोप्लास्टी के साथ-धमनियों में स्टेंट इंप्लांट का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। इस तकनीक को कोरोनरी स्टेंटिंग कहा जाता है। यह तकनीक एंजियोप्लास्टी की तरह ही है। इसमें अंतर इतना है कि अवरुद्ध धमनी में एंजियोप्लास्टी तकनीक की मदद से स्टेंट नामक स्प्रिंगनुमा यंत्र पहुंचाया जाता है और फिर इसे ऑटोमेटिक छतरी की तरह खोल दिया जाता है।

जब अवरोध तीन धमनियों में हो... आम तौर पर स्टेंटिंग एंजियोप्लास्टी का प्रयोग एक या दो धमनियों में होने वाले अवरोध (ब्लॉकेज) को दूर करने के लिए किया जाता है। अगर तीनों धमनियों में अवरोध हो, तो आम तौर पर बाईपास सर्जरी की जाती है। बाईपास में चीरफाड़ करनी पड़ती है और अगर बाईपास के बाद फिर से अवरोध उत्पन्न हो जाए, तो उसे या तो स्टेंटिंग एंजियोप्लास्टी से ठीक किया जाता है या फिर दोबारा बाईपास करना पड़ सकता है, जो बहुत जोखिमभरा होता है। कुछ लोग बहुत ज्यादा डर के कारण बाईपास कराना नहीं चाहते ।

डायमंड ड्रिलिंग

कई बार जो धमनी 100 प्रतिशत तक बंद होती है, उसे खास तकनीक से खोला जाता है। जिन धमनियों में कैल्शियम जमा होता है, उन्हें डायमंड ड्रिलिंग के जरिये खोला जाता है। इस तरह उन मरीजों को जो चीरफाड़ से डरे होते हैं, उन्हें बाईपास से बचाया जाता है। मैंने ऐसी ब्लॉक्ड धमनियों को खोलने के लिए अनेक तकनीकें देश में पहली बार ईजाद कीं हैं। बहरहाल में पाठकों को यही सलाह दूंगा कि जिन लोगों की तीनों धमनियों में ब्लॉकेज हैं, तो उन्हें बाईपास को अहमियत देनी चाहिए लेकिन जो लोग बाईपास नहीं करना चाहते, उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि 90 प्रतिशत से ज्यादा लोगों में धमनियों को स्टेंटिंग एंजियोप्लास्टी द्वारा खोला जा सकता है। ज्यादातर लोगों को हृदय की धमनियों में अवरोध या रुकावट का पता बहुत देर से लगता है। इस स्थिति से बचने के लिए हर व्यक्ति को 25 साल के बाद जनरल कार्डियक चेकअप कराना चाहिए।

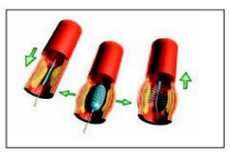

इन तकनीकों और कारगर उपचार

विधियों की उपलब्धता के बावजूद हृदय रोगों से बचे रहने के लिए परहेज बरतना ही उचित है। नियमित व्यायाम करके और वजन पर नियंत्रण रखकर, शराब व धूम्रपान न करके ब्लडप्रेशर को नियंत्रित किया सकता है। इसके अलावा खाने में नमक का कम सेवन करके और सकरात्मक सोच से तनाव से दूर रहकर हृदय रोगों से बचना संभव है।

समुद्र की गहराई में साइकिल चलाएंगे युवा

एक ओर जहां वैश्विक स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग की समस्या पर चिंतन किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ भारत में स्वस्थ भारत अभियान के बैनर तले युवाओं की एक टोली दुनिया को स्टॉप ग्लोबल वार्मिंग, मिसयूज ऑफ एंटीबायोटिक्स तथा नो योर मेडिसिन का संदेश लेकर समुद्र तल में साइकिल चलाने उतरने जा रही है। एवरेस्ट विजेता नरिंदर सिंह की अगुवाई में पांच सदस्यों की टीम आगामी छह जनवरी को साइकिल चलाने उतरेगी। इस टीम में एवेरेस्ट पर झंडा लहरा चुके रामलाल शर्मा, पंजाब पुलिस में क्राइम ब्रांच में एएसआई दलजिंदर सिंह, बॉडी बिल्डर परमजीत सिंह एवं जसीमुद्दीन का नाम उल्लेखनीय है। इस बावत नरिंदर सिंह का कहना है, हमलोग दुनिया को ग्लोबल वार्मिंग के खतरों के प्रति जागरूक करना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि देश-दुनिया के लोग अपने स्वास्थ्य व पर्यावरण के प्रति जागरूक हों। पर्वतारोही व टीवी रियलिटी शो मिशन सपने में सलमान खान, सिद्धार्थ मल्होत्रा, करन जौहर आदि के साथ काम कर चुके रामलाल शर्मा का कहना है, मैं देश-दुनिया में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश देने के लिए समुद्र में साइकिल चलाने उतर रहा हूं।

ऐप बताएगा क्यों रो रहा है आपका बच्चा

रिसर्चर्स टीम ने एक नए ऐप डिवेलप किया है जो बच्चे की रोने की आवाज सुनकर उनकी इस समस्या का समाधान निकालेगा। ये स्मार्टफोन ऐप डीकोड कर सकता है कि बच्चे के रोने की आवाज का मतलब क्या है। नैशनल ताइवान यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल यूनलिन द्वारा बनाए गए दावा किया गया है कि यह ऐप बच्चे के रोने के अलग-अलग तरीकों को पहचान सकता है। बच्चे के रोने की आवाज को एक बडे डेटाबेस के साथ मैच किया जाता है, जिसके नतीजों के आधार पर बताया जाता है कि वह क्यों रो रहा है। जब बच्चा रोता है, तब इस ऐप का रेकॉर्डिंग बटन 10 सेकंड तक पुश करना होता है। इसके बाद साउंड क्लाउड ड्राइव पर अपलोड हो जाएगा। कई तरह की प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद यह ऐप 15 सेकंड्स में चेक करता है कि इसका रिजल्ट क्या है और उसे यूजर के मोबाइल फोन पर भेज देता है। इस ऐप को बनाने के लिए रीसर्चर्स ने 100 नवजात शिशुओं के रोने की 2 लाख रेकॉर्डिंग्स इकट्ठी की हैं। अंग्रेजी अखबार डेली मेल के मुताबिक एक रीसर्चर ने बताया, यह ट्रांसलेटर बच्चों के रोने के 4 तरह के अलग साउंड्स पहचान सकता है।

इस मॉल में महिलाओं को पूरी छूट

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महिलाएं अब एक ऐसे जगह शराब बैठकर पी सकती हैं, जहां पर पुरूषों का आना मना है। ये खास स्टोर सिर्फ महिलाओं के लिए ही है। पूर्व दिल्ली के मयूर विहार इलाके में स्थित विशेष रूप से महिलाओं के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां महिलाओं के लिए विशेष हाल है, जो कांच की दीवारों, सजावटी चीजों, आरामदायक सोफो से सजाया गया है। स्टोर के उपर एक गुलाबी रंग की पट्टी लगी है, जिसपर लिखा है ये हिस्सा केवल महिलाओं के लिए है। पहले ग्राउंड फ्लोर पर सिटी मॉल है, दूसरे पर पिज्जा हट्ट।

चीकू खाने के हैं कई जबरदस्त फायदे

चीकू स्वादिष्ट होने के साथ स्वास्थ्य के लिए भी कई तरह से फायदेमंद है। इसमें प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन-ए व सी, फॉस्फोरस, आयरन आदि पोषक तत्त्व पाए जाते हैं। यदि दूध के साथ इसे खाया जाए तो इसके स्वास्थ्य लाभ अधिक बढ़ जाते हैं। ये खासतौर पर गर्भवती और फीड कराने वाली महिलाओं के लिए अच्छा होता है। इससे उन्हें कई सारे पोषक तत्व मिल जाते हैं।

मुंह में होती है पूरी सेहत की जानकारी

हमारा मुंह हमारे स्वास्थ्य के बारे में पूरी जानकारी देता है। दांतो और मसूड़ों में दिक्कत का हमेशा ये मतलब ये नहीं है कि दांत खराब हो रहे हैं। डॉक्टरों का मानना है कि इनमें होने वाली दिक्कतें अकसर आपको इस बारे में जानकारी देती है कि आपको कौन सी बीमारी है या फिर आपके शरीर में कौन सी समस्या है। हालांकि सामान्य स्वास्थ्य के शेष शरीर से संबंध के बारे में कई सालों से वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं और इस बात को माना भी जाने लगा है कि मुंह से जुड़े इंफेक्शन आपके सामान्य स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देते हैं। यानी मोटे तौर पर कहा जाए मुंह के इंफेक्शन आपको इस बात का संकेत दे देते हैं कि आपको कौन सी शारीरिक समस्या है।

ऑस्टियोपोरोसिस

दांत के एक्सरे में काले धब्बे इस बात की तरफ इशारा करते हैं कि हड्डियों से जुड़ी समस्या है। वहीं कई शोधों में ये सामने आया है कि ऑस्टियोपोरोसिस की वजह से दांत गिरने की समस्या होती है।

मुंह का कैंसर

मसूढ़े के ऊतकों में सफेद धब्बे कई रोगों के होने के बारे में संकेत देते हैं। डॉक्टर मानते हैं कि मसूढ़े के ऊतकों में सफेद स्पॉट होना समस्या की बात है पर मसूढ़ों के ऊतकों में सफेद धब्बे हमेशा इस बात का संकेत नहीं है कि आपको मुंह का कैंसर या और कोई बीमारी है संभव है ये दांतों से संबंधित कोई बीमारी हो। ऐसे में इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क कर सलाह लेना ही बेहतर है।

हृदय की बीमारी

अगर मसूढ़ों का रंग गुलाबी हो जाए या हल्का लाल मांसल रंग का है तो ऐसे में ब्लड प्रेशर और हृदय संबंधी रोगों के होने की संभावना बढ़ जाती है। अपने दांत रोज साफ करें। यह आपका केविटी और अन्य बीमारियों से बचाव करेगा। साथ ही दिल से जुड़ी बीमारियों से यह आपकी सुरक्षा करेगा। डेंटल प्लेक की वजह से कार्डियोवस्कुलर बीमारियां होने की आशंका रहती है। डॉक्टर कहते हैं कि अगर आपके मसूढ़ों से खून निकल रहा है और आपके मसूढ़ों की रक्त वाहिकाएं खुली हुई हैं तो इससे बैक्टीरिया के खून में प्रवेश करने लगते हैं जिससे रक्त-वाहिकाओं के अंदर खून का थक्का बन जाता है जिसकी वजह से हृदय रोग होने की संभावना बढ़ जाती है।

तनाव

जब मसूढ़ों और दांत के बीच में फासला आ जाता है या दांतों में फ्रैक्चर हो जाता है। डॉक्टरों का मानना है कि दांतों में दरार होने या किसी भी तरह की टूट-फूट की वजह से शरीर में सभी तरह के फंगल, वायरल और बैक्टीरियल संक्रमण होने की आशंका रहती है। तनाव की वजह से मुंह की टेंपरोमेंडीबुलर ज्वाइंट सिंड्रोम (टीएमजे) और मायोफेशियल पेन डिस्फंक्शन (एमपीडी) जैसी समस्याएं होती हैं। टीएमजे की वजह से जबड़ों के ज्वाइंट और लिगामेंट्स में काफी दर्द होता है। इस तरह का इन्फेक्शन होने की स्थिति में रोगी मुंह को सही तरीके से नहीं खोल पाता है और जम्हाई लेते समय रोगी को मुंह खोलने में अकड़न सी और दर्द महसूस होता है। जरा सी भी समस्या होने पर लेट-लतीफी न करें और किसी बेहतर चिकित्सक से परामर्श लें।

किडनी की बीमारी

जिन लोगों की किडनी में किसी तरह की समस्या होती है उनका तंत्रिका तंत्र कमजोर होता है ऐसे में उनको इन्फेक्शन होने की संभावना जल्दी होती है। वहीं किडनी के रोगियों के जबड़े की हड्डियां जल्दी कमजोर होती है। कैल्शियम की अपर्याप्तता की वजह से किडनी के रोगियों के दांत तक गिरने लगते हैं। अगर सांस लेने के दौरान अमोनिया जैसी बास आती है तो किडनी की बीमारी हो सकती है। किडनी की बीमारी होने की स्थिति में सबसे ज्यादा प्रभाव मसूड़ों में दिखता है।

टाइप टू डायबिटीज

डायबिटीज के रोगियों को केविटी (दांत गिरना), मसूड़ों की बीमारी, फंगल इंफेक्शन, दांतों के घावों का देर से भरना, लार ग्रंथि में समस्या जैसी परेशानियां होती है। अगर आपको डायबिटीज है तो ऐसा महसूस होगा कि आपका मुंह सूखा है। साथ ही यदि डायबिटीज नियंत्रित नहीं है तो आपकी लार में ग्लूकोज का स्तर ज्यादा होगा जिसकी वजह से दांतों का इनेमल उतरने की भी समस्या होती है। इसके अलावा, दांतों में पीले रंग की परत चढ़ जाती है। और वहीं, डायबिटीज में सबसे बड़ी समस्या होती है कि आपके दांतों के घाव देर से भरते हैं

ब्लड शुगर बढ़ने से होते हैं कई नुकसान

त्वचा डायबिटीज और हाई ब्लड शुगर का त्वचा पर बुरा असर पड़ता है। हाई ब्लड शुगर से शरीर में तरल पदार्थों का ह्रास होता है जिससे त्वचा खुश्क हो जाती है। इससे हमेशा खुजली का अहसास होता है और कभी-कभी त्वचा लाल होकर फटने भी लगती है। इससे कीटाणुओं के संक्रमण की आशंका बन जाती है। ऐसे में ज्यादा से यादा पेय पदार्थो के सेवन और लोशन और मॉइश्चराइजर के इस्तेमाल से थोड़ी राहत मिल सकती है।

रक्त प्रवाह

हाई ब्लड शुगर से टांगें और पैर भी खराब हो सकते हैं। ऐसा रक्त प्रवाह में कमी आने के कारण होता है, क्योंकि पैरों पर ही पूरे शरीर का भार होता है। स्नायुतंत्र गड़बड़ा जाने के कारण पैरों में दर्द, सूजन और सर्द-गर्म का अहसास होने लगता है और पैर सुन्न हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में कांटा चुभने के समय पता ही नहीं चलता, लेकिन बाद में संक्रमण का गंभीर परिणाम भुगतना पड़ता है। इससे अल्सर, गैंग्रीन और आखिरकार टांग काटने की नौबत आ जाती है।

टांगों में रक्त प्रवाह की कमी से घाव भरने में परेशानी और अगर ऐसे में सिगरेट पीने की आदत हो, तो ब्लड प्रैशर और खून में ग्लूकोज बढ़ने की शिकायत भी हो सकती है। ऐसे में ब्लड शुगर नियंत्रित रखने के साथ-साथ, बार-बार गुनगुने पानी से पैर धोने और पांवों को किसी भी रगड़, घाव या चोट से बचाने की कवायद करनी जरूरी हो जाती है।

नेत्र ज्योति

हाई ब्लड शुगर से आंखों की रोशनी धुंधली और कमजोर होने लगती है, और कई बार रोगी पूरी तरह से अंधा भी हो जाता है। हाई ब्लड शुगर से आंख का रेटिना प्रभावित होता है, जो देखी जाने वाली वस्तु की इमेज को आकार देता है। इसे डायबैटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। इस बीमारी में रेटिना को खून की आपूर्ति करने वाली नसें अवरुद्ध हो जाती हैं, जिससे नेत्र ज्योति कमजोर हो जाती है। इसके अलावा हाई ब्लड शुगर से रेटिनल सेल्स को रक्त वाहिनियों के जरिए होने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति में भी रुकावट आ जाती है। इससे ग्लुकोमा, मोतियाबिंद और अंधेपन का खतरा उत्पन्न हो जाता है। इसलिए समय-समय पर आंखों की जांच कराते रहना चाहिए।

स्नायु तंत्र

हाई ब्लड शुगर से पूरे शरीर में रक्त वाहिनियों पर विपरीत असर पड़ता है। दिल और पाचन तंत्र भी इससे अछूते नहीं रहते। स्नायु तंत्र कमजोर होने पर शरीर के किसी भी अंग तक पोषक तत्व और ऑक्सीजन की सप्लाई ठीक से नहीं हो पाती, और कई बार तो ऐसा होता है कि रोगी में इस समस्या के लक्षण दिखाई नहीं देते, जो खतरनाक है। हाथ पैर सुन्न हो जाना, अकड़ जाना और तेज दर्द उठना इसके मुख्य लक्षण हैं। यही नहीं, हड्डियों और जोड़ों की ओस्टियोपोरोसिस और ओस्टियो अर्थराइटिस जैसी बीमारियां भी हो जाती हैं। कुल मिलाकर हाई ब्लड शुगर से स्नायु

बीमारियों का घर है मैदे की ब्रैड

कुछ लोगों के घर में तो ब्रैड के बिना नाश्ता ही नहीं होता। आज हम आपको बता दें कि ब्रैड में बहुत से ऐसे तत्व शामिल होते हैं जो सेहत के लिए काफी हानिकारक होते है। मैदे से बनी वाईट ब्रैड के सैंडविच, ब्रैड-जैम हो या फिर ब्रैड-मक्खन यह सब आपकी सेहत को बहुत नुकसान पहुंचा सकती है। आइए, हम आपको ब्रैड खाने से होने वाले नुकसानों के बारे में बताते है

पोषक तत्व: मैदे से बनी ब्रैड हमारी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती क्योंकि इसमें पोषक तत्व बहुत ही कम होते हैं। इसमें न तो किसी तपह का प्रोटीन होता है न तो विटामिन। इसकी बजाए अगर आप ब्राउन यानि आटे से बनी ब्रैड खाएंगे तो आपकी सेहत को फायगा होगा।

कम नमक वाली ब्रैड खाएं: हमे हमेशा कम नमक वाली ब्रैड ही खानी ताहिए क्योंकि इसमें नमक की मात्रा ज्यादा होने की वजय से शरीर में सोडियम की मात्रा के संतुलन पर असर पड़ता है।

शरीर के लिए हानिकारक

वाइट ब्रैड हमारे शरीर के लिए बहुत हानिकारक होती है इसलिए डाइटिशिन और डाक्टर ब्राउन ब्रैड खाने की सलाह देते हैं।

मोटापा : वाइट ब्रैड में नमक और चीनी की मात्रा ज्यादा होने की वजह से शरीर में मोटापा आता है। इसे ब्लड शुगर लेवल तेजी से कम होने के कारण हमें फिर से भूख लगती है और हम ब्रैड फिर खाते हैं। ज्यादा एनर्जी लेने के कारण हम मोटे होते जाते हैं।

कैंसर का खतरा: वाइट ब्रैड पूरी तरह से मैदा से बनती है। इसे रिफाइंड फूड से बनाया जाता है जिससे कैंसर का खतरा बढ़ता है।

ब्रैड का ग्लूटिन खतरनाक है: वाइट ब्रैड में ग्लूटिन नामक प्रोटीन बहुत ज्यादा मात्रा में पाई जाती है। इस प्रोटीन में ग्लू की तरह की प्रापर्टीज पाई जाती है इसीलिए इसे ग्लूटीन कहते हैं। ग्लूटिन हमारी डाइजेस्टिव ट्रैक्ट की वाल को डैमेज करता है जिससे पेन और कांस्टीपेशन होता है। ग्लूटिन की सेंसिटीविटी ब्रेन से जुड़ी बीमारियों स्क्रीजोफ्रेनिया और सेरेबेलर अटैक्सिया का कारण होता है।

पित्त की पथरी के लिए असरकारी घरेलू उपचार

पित्त में कोलेस्ट्रॉल और बिलरुबिन की मात्रा ज्यादा हो जाने पर पथरी का निर्माण होता है। पित्त की पथरी को घरेलू उपचार के माध्यम से ठीक किया जा सकता है। पित्त में पथरी का बनना एक भयंकर पीड़ादायक रोग है। पित्त में कोलेस्टॉल और पिग्मेन्ट नामक दो तरह की बनती है। लेकिन लगभग अस्सी प्रतिशत पथरी कोलेस्ट्रॉल से ही बनती हैं। पित्त लिवर में बनता है और इसका भंडारण गॉल ब्लैडर में होता है। यह पित्त फैट युक्त भोजन को पचाने में मदद करता है। लेकिन जब पित्त में कोलेस्ट्रॉल और बिलरुबिन की मात्रा ज्यादा हो जाती है, तो पथरी का निर्माण होता है। पित्त की पथरी को घरेलू उपचार के माध्यम से ठीक किया जा सकता है।

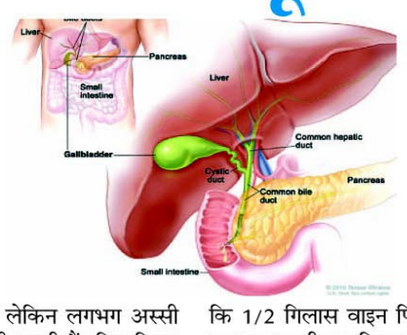

सेब और सेब साइडर सिरका

बेशक, सेब डॉक्टर को दूर रखने में मदद करता है। इसलिए एक गिलास सेब के रस में सेब साइडर सिरका का एक बड़ा चम्मच मिलाकर नियमित रूप दिन में एक बार सेवन करना चाहिए। सेब में मेलिक एसिड होता है जो पित्त पथरी नरमी में सहायता करता है और सिरका पत्थर के कारण कोलेस्ट्रॉल बनाने से लीवर को रोकता है। यह एक पित्त की पथरी के हमले के दौरान दर्द को कम करने एक त्वरित उपाय है।

नाशपती

नाशपती पित्त की पथरी के लिए बहुत फायदेमंद होती है। अमेरिका मेडिकल एसोसिएशन के अनसार, लगभग 80 प्रतिशत पित्त में पथरी कोलेस्ट्रॉल के बनने से होती है। नाशपाती में पेक्टिन होता है इन पत्थरों को आसानी से फ्लश आउट के लिए कोलेस्ट्रॉल से भरे पित्त पथरी को बांधता है।

वाइन

शोधकर्ताओं ने पाया कि 1/2 गिलास वाइन पित्त की पथरी के हमलों को लगभग चालीस प्रतिशत तक कम कर सकता है। इसलिए वाइन के एक गिलास को अपनी दिनचर्या में शमिल करें इससे ज्यादा नहीं।

साबुत अनाज

पानी में घुलनशील फाइबर युक्त खाद्य पदार्थों जैसे साबुत अनाज और अन्य अनाज को अपने आहार में भरपूर मात्रा में शामिल करें। फाइबर कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर को कम कर स्वाभाविक रूप से पथरी को बनने से रोकने में मदद करते हैं।

चुकंदर, खीरा और गाजर का रस: पित्ताशय की थैली को साफ और मजबूत करने और लीवर की सफाई के लिए चुकंदर का रस, ककड़ी का रस और गाजर के रस को बराबर मात्रा में मिलाये। यह संयोजन आपको पेट और खून की सफाई में भी मदद करता है। खीरे में मौजूद उच्च पानी सामग्री और गाजर में विटामिन सी की उच्च मात्रा मूत्राशय से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालती है।

सिंहपर्णी: सिंहपर्णी के पते लीवर का समर्थन, मूत्राशय के कामकाज में सहायता, पित्त उत्सर्जन को बढ़ावा, और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। एक कप पानी में एक बड़ा चम्मच सिंहपर्णी के पत्तों को मिलाये। फिर इसे अवशोषित करने के लिये पांच मिनट के लिए रख दें। अब इसमें एक चम्मच शहद मिलाये। मधुमेह रोगियों को इस उपचार से बचना चाहिए।

पुदीना: पुदीने में टेरपेन नामक प्राकृतिक तत्व होता है, जो पित्त से पथरी को घुलाने के लिए जाना जाता है। यह पित्त प्रवाह और अन्य पाचक रस को उत्तेजित करता है, इसलिए यह पाचन में भी सहायक होता है। पित्त की पथरी के लिए घरेलू उपाय के रूप में पुदीने की चाय का इस्तेमाल करें।

रेसिपी

किट-कैट सन्डे

सामग्री

चॉकलेट फज सॉस के लिए (मात्रा 8 टेबल-स्पून)
1/2 कप कटी हुई डार्क चॉकलेट
1 1/2 टेबल-स्पून मक्खन
1/2 टी-स्पून शक्कर
1/2 टेबल-स्पून शहद
1/2 टी-स्पून वैनिला ऐसेन्स
8 टेबल-स्पून दरदरे क्रश किए हुए किट कैट फिंगरस
2 स्कूप वैनिला आइस क्रीम

विधि

मक्खन, शक्कर और 1/4 कप पानी को एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में मिलाकर, मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या शक्कर के पुरी तरह से पिघलने तक, लगातार हिलाते हुए पका लें। चॉकलेट और शहद डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर और 1-2 मिनट या चॉकलेट के पुरी तरह से पिघलने तक, लगातार हिलाते हुए पका लें। ठंडा करने के लिए 5-7 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। वैनिला ऐसेन्स् डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। परोसने के ग्लास में 2 टेबल-स्पून क्रश किए हुए किट कैट फिंगरस् डालें। टेबल-स्पून चॉकलेट फज सॉस डालकर, इसके उपर 1 स्कूप वैनिला आईस क्रीम रखें। दुबारा 2 टेबल-स्पून चॉकलेट फज सॉस डालकर, 2 टेबल-स्पून क्रश किए हुए किट कैट फिंगरस् छिड़के। प्रत्येक ग्लास को कुछ जेम्स् और किट कैट फंगर से सजाकर तुरंत परोसें।

गोलपापड़ी

सामग्री

1 कप गेहूं का आटा
1 टी-स्पून खस-खस
5 टेबल-स्पून घी
3/4 कप कसा हुआ गुड़
1/4 टी-स्पून इलायची पाउडर
1 टी-स्पून कसा हुआ सूखा नारियल , ऐच्छिक
थोड़ी बादाम की कतरन
थोड़ी पिस्ता की कतनर (ऐच्छिक)

विधि

एक 150 मिमी व्यास की चुपड़ी हुई थाली में खस-खस छिड़कर एक तरफ रख दें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में घी गरम करें, गेहूं का आटा डालकर धिमी आंच पर, लगातार हिलाते हुए, 15 से 17 मिनट के लिए या आटे के सुनहरे होने तक भुन लें। आंच से हटाकर, गुड़, इलायची पाउडर और नारियल डालें। अच्छी तरह मिला लें। जब गुड़ पिघल जाए और मिश्रण हल्का गरम हो, इसे चुपड़ी हुई थाली में (खस-खस के साथ) डालकर एक छोटी कटोरी का प्रयोग कर अच्छी तरह फैला लें। गुनगुना होने पर ही ईंट आकार के टुकड़ो में काटकर बादाम की कतरन से सजाकर ठंडा करने के लिए एक तरफ रख दें। टुकड़ो को निकालकर हवा बन्द डब्बे में रखें। सुलभ सुझाव: अगर मिश्रण सख्त हो जाए, तो आप इसमें गुड़ के साथ 1 टेबल-स्पून दूध भी मिला सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**